page 1 and 8 jan 23_page 1 Mar 25 final ds.qxd 1/22/2026 10:28 PM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 गणतंत्र दिवस से पहले पूरे कश्मीर में सुरक्षा बढ़ा दी गई

5 जोकोविच ने क्वालिफायर माएस्ट्रेल्ली को हराकर तीसरे राउंड में किया प्रवेश

8 कर्तव्य पथ पर दिखेगी भारत की सांस्कृतिक शक्ति और आधुनिक प्रगति की भव्य झलक

मौसम जम्मू — न्यूनतम 8 — अधिकतम 15

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-21 | जम्मू तवी, शुक्रवार 23 जनवरी, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

भारत की बेटियां हर क्षेत्र में बना रही हैं नये रिकार्ड : मोदी

नयी दिल्ली, 22 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि आज भारत की बेटियां हर क्षेत्र में नए रिकॉर्ड बना रही हैं और राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने गुरुवार को बताया कि श्री मोदी ने कहा कि जिस देश में पुत्रियों को लक्ष्मी के समान पूजा जाता है, वहां आज से 11 वर्ष पहले इसी दिन बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान आरंभ किया गया था।

उन्होंने कहा कि यह अत्यंत गर्व की बात है कि आज भारत की बेटियां हर क्षेत्र में नए रिकॉर्ड बना रही हैं और राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

उन्होंने बेटियों के महत्व पर आधारित शाश्वत भारतीय मूल्यों को प्रतिबिंबित करते हुए कहा कि एक पुत्री दस पुत्रों के समान है और दस पुत्रों से प्राप्त पुण्य या सद्गुण एक पुत्री से भी प्राप्त किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा ५कन्या को लक्ष्मी मानने वाले हमारे देश में 11 साल पहले आज ही के दिन बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत हुई थी। यह बड़े गर्व की बात है कि आज भारत की बेटियां हर क्षेत्र में नित-नये रिकॉर्ड बना रही हैं उल्लेखनीय है कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत 22 जनवरी 2015 को हुई थी।

इसका मुख्य उद्देश्य लड़कियों के अस्तित्व, शिक्षा और सुरक्षा को सुनिश्चित करना और लैंगिक समानता को बढ़ावा देना है।

मुख्यमंत्री विधायकों के साथ बजट-पूर्व परामर्श करेंगे

श्रीनगर, 22 जनवरी। जम्मू-कश्मीर में वित्त मंत्रालय का प्रभार भी संभाल रहे मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला 2026-27 के बजट-पूर्व सत्र के तहत विधायकों से परामर्श करेंगे और उनके सुझाव व राय लेंगे। कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री 23 और 24 जनवरी को उत्तरी कश्मीर, दक्षिणी कश्मीर और मध्य कश्मीर के विधायकों के साथ अलग-अलग बैठकें करेंगे।

जानकारी के अनुसार उमर अब्दुल्ला कल दोपहर 3:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक सिविल सचिवालय में श्रीनगर, गांदरबल और बडगाम जिलों के विधायकों के साथ बैठक करेंगे।

24 जनवरी को मुख्यमंत्री सबसे पहले सुबह 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक अनंतनाग, कुलगाम, शोपियां और पुलवामा जिलों के विधायकों से मिलेंगे। दिन में बाद में वे दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक बारामूला, कुपवाड़ा बांदीपोरा जिलों के विधायकों से परामर्श करेंगे। मुख्यमंत्री द्वारा अगले सप्ताह जम्मू क्षेत्र के विधायकों से भी इसी तरह की बैठकें करने की उम्मीद है ताकि बजट में शामिल करने के लिए उनके सुझाव प्राप्त किए जा सकें।

सेना वाहन खाई में गिरने से 10 जवान बलिदान, 9 घायल

डोडा, 22 जनवरी। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में भद्रवाह-चंबा अंतरराज्यीय मार्ग पर खंटॉप इलाके में गुरुवार को सेना का एक वाहन सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर गया, जिससे 10 जवान बलिदान हो गए, जबकि नौ अन्य घायल हो गए।अधिकारियों ने कहा कि सेना के जवानों को लेकर सेना का कैस्पर वाहन एक ऊंचाई वाली चौकी की ओर जा रहा था, तभी उसके चालक ने नियंत्रण खो दिया और वाहन 400 फुट गहरी खाई में गिर गया। सेना और पुलिस ने तुरंत संयुक्त बचाव अभियान शुरू किया, तो 10 सैनिकों के शव पाए गए। नौ अन्य सैनिकों को घायल हालत में बचाया गया, जिसमें तीन जवानों को गंभीर चोटें आई हैं। तीनों जवानों को एयरलिफ्ट करके उधमपुर के आर्मी कमांड हॉस्पिटल ले जाया गया। 6 अन्य लोगों पर नज़र रखी जा रही है, उनमें से एक की हालत गंभीर बनी हुई है। इस बीच उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जानमाल के नुकसान पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि पूरा देश शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता और समर्थन में खड़ा है। उन्होंने कहा कि डोडा में एक दुर्भाग्यपूर्ण सड़क दुर्घटना में भारतीय सेना के 10 बहादुर जवानों की मृत्यु से मैं अत्यंत दुखी हूं। हम अपने बहादुर सैनिकों की उत्कृष्ट सेवा और सर्वोच्च बलिदान को हमेशा याद रखेंगे।

उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री ने दुर्घटना पर गहरा शोक जताया

जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसे अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि देश अपने बहादुर सैनिकों की उत्कृष्ट सेवा और उनके सर्वोच्च बलिदान को हमेशा याद रखेगा। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी इस हृदय विदारक त्रासदी पर गहरा दुख प्रकट किया है। अपने शोक संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें अपने बहादुर सैनिकों के बलिदान पर गर्व है और पूरा देश शहीद सैनिकों के परिवारों के साथ खड़ा है। उन्होंने इस घटना को पूरे जम्मू-कश्मीर के लिए एक बड़ी त्रासदी बताते हुए प्रशासन को घायलों के उपचार में कोई कसर न छोड़ने के निर्देश दिए।

भारत-यूरोप एफटीए, दुनिया को दिला सकता है अनिश्चितता से निजात : जयशंकर

नई दिल्ली, 22 जनवरी । गणतंत्र दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि यूरोपीय संघ के नेताओं की भारत यात्रा के पहले विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने गुरुवार को ईयू के 27 सदस्य देशों के राजदूतों के साथ मुलाकात की और उन्हें भरोसा दिलाया कि भारत और ईयू के बीच मजबूत सहयोग, वैश्विक व्यापार, आवागमन और सुरक्षा साझीदारी के माध्यम से वैश्विक व्यवस्था को स्थिरता प्रदान करने में सक्षम है। विदेश मंत्री ने एक्स पर इस अहम बैठक की जानकारी को साझा करते हुए कहा कि आज यूरोपीय देशों (ईयू) के राजदूतों के साथ के अभूतपूर्व अनिश्चितता के दौर से गुजर रही इस दुनिया में भारत-ईयू आर्थिक साझीदारी के बारे में महत्वपूर्ण चर्चा की। इस दौरान उन्होंने भारत और यूरोपीय संघ के बीच मजबूत संबंधों की आवश्यकता बताई। उन्होंने राजदूतों को बताया कि दोनों पक्षों के बीच घनिष्ठ सहयोग वैश्विक अर्थव्यवस्था को जोखिममुक्त करने में अहम भूमिका निभा सकता है। लचीली और भरोसेमंद आपूर्ति श्रृंखलाओं पर साझेदारी के माध्यम से वैश्विक आर्थिक अस्थिरता को कम किया जा सकता है।जयशंकर ने आगे कहा कि दोनों पक्ष मानवीय सहायता और आपदा राहत

(एचएडीआर), समुद्री डकैती विरोधी अभियानों तथा विकास परियोजनाओं जैसे सार्वजनिक हित के प्रयासों के जरिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भरोसा दिला सकते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के बीच घनिष्ठ साझीदारी से आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक लचीला एवं टिकाऊ बनाया जा सकता है तथा व्यापार, आवागमन व सुरक्षा सहयोग के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में स्थिरता लाई जा सकती है। विदेश मंत्री ने बैठक में ईयू नेताओं के आगामी उच्चस्तरीय यात्रा के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि वह गणतंत्र दिवस समारोह के लिए यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के भारत आने का इंतजार कर रहे हैं। विदेश मंत्री से मुलाकात में ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बुल्गारिया, क्रोएशिया, साइप्रस, चेक गणराज्य, डेनमार्क, एस्टोनिया, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, यूनान, हंगरी, आयरलैंड, इटली, लात्विया, लिथुआनिया, लक्ज़मबर्ग, माल्टा, नीदरलैंड्स, पोलैंड, पुर्तगाल, रोमानिया, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया, स्पेन और स्वीडन के राजदूत शामिल थे।

उल्लेखनीय है कि यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। अगले दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ उनकी बहुप्रतीक्षित भारत-ईयू शिखर बैठक होगी जिसमें दोनों पक्षों के बीच भारत ईयू मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। भारत एवं यूरोपीय संघ के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता लगभग 2 अरब लोगों को जोड़ेगा, व्यापार, सेवाओं और कुशल गतिशीलता को बढ़ावा देगा और वैश्विक आर्थिक स्थिरता को मजबूत करेगा। माना जा रहा है कि यह समझौता, यूरोप के लिए, उसके अमेरिका के साथ व्यापारिक रिश्तों में आई अस्थिरता को दूर करने में सहायक होगा।

जम्मू-कश्मीर के डीजीपी ने आतंकी ग्रिड की समीक्षा की

पुलवामा, 22 जनवरी । आंतरिक सुरक्षा तंत्र को और मजबूत करने और जमीनी स्तर पर परिचालन तत्परता का आकलन करने के उद्देश्य से जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात (आईपीएस) ने गुरुवार को पुलवामा जिला पुलिस लाइंस में एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान डीजीपी जम्मू-कश्मीर ने जिले भर में समग्र सुरक्षा स्थिति, चल रहे आतंकी विरोधी अभियानों, कानून व्यवस्था की स्थिति और निवारक पुलिस उपायों का गहन आकलन किया। उन्होंने स्थिरता बनाए रखने और किसी भी प्रकार की अशांति फैलाने की कोशिशों को नाकाम करने के लिए सक्रिय पुलिसिंग, क्षेत्र पर मजबूत नियंत्रण, प्रभावी खुफिया जानकारी आधारित हस्तक्षेप और जमीनी इकाइयों के बीच घनिष्ठ समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने जन-केंद्रित और

सुलभ पुलिसिंग के महत्व पर भी बल दिया और कहा कि स्थायी शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए जनता का विश्वास और सहयोग अत्यंत आवश्यक है। पुलवामा पुलिस वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व और मार्गदर्शन में जिले में शांति की रक्षा करने, जन सुरक्षा सुनिश्चित करने और कानून के शासन को बनाए रखने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

मुख्य सचिव ने जीआईएस आधारित डेटा संचालित सड़क सुरक्षा उपायों की मांग की

जम्मू, 22 जनवरी। मुख्य सचिव अटल दुल्लू ने आज सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनुशंसित सड़क सुरक्षा उपायों के कार्यान्वयन का आकलन करते हुए जिलों में दुर्घटना प्रवण सड़क खंडों की पहचान के लिए जीआईएस आधारित डेटा के व्यापक उपयोग की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह की डेटा संचालित पहचान से केंद्र शासित प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं को काफी हद तक कम करने के लिए लक्षित तकनीकी और भौतिक हस्तक्षेप संभव हो सकेंगे। बैठक में संबंधित विभागों के प्रशासनिक सचिव यातायात पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और विभागाध्यक्ष उपस्थित थे जबकि उपायुक्तों ने अपने-अपने जिलों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया। मुख्य सचिव ने सड़क सुरक्षा पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों और संबंधित विभागों द्वारा अनुपालन की स्थिति का विस्तृत विवरण मांगा। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि प्रत्येक निर्देश के कार्यान्वयन के लिए एक स्पष्ट और समयबद्ध रोडमैप बिना किसी देरी के तैयार किया जाना चाहिए। उन्होंने लक्षित सुरक्षा उपायों यातायात पुलिस की रणनीतिक तैनाती और बार-बार

दुर्घटनाएं होने वाले सड़क क्षेत्रों में इंजीनियरिंग सुधार जैसे हस्तक्षेपों को निर्देशित करने के लिए उपलब्ध परिवहन और यातायात डेटा का लाभ उठाने का आह्वान किया। सड़क सुरक्षा के एक प्रमुख घटक के रूप में निवारण पर जोर देते हुए मुख्य सचिव ने अधिकारियों को आदतन और गंभीर यातायात उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ दंडात्मक उपायों को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया। इनमें लापरवाही से वाहन चलाने और यातायात नियमों का पालन न करने वाले अपराधियों के खिलाफ ड्राइविंग लाइसेंस पंजीकरण प्रमाण पत्र रद्द करना और अन्य वैधानिक कार्रवाई शामिल हैं। मुख्य सचिव ने आई-आरएडी पोर्टल पर उपलब्ध डेटा के आधार पर जम्मू और कश्मीर में सड़क दुर्घटना परिदृश्य का भी जायजा लिया। उन्होंने दिन के समय मासिक पैटर्न जिलावार वितरण सड़कों के वर्गीकरण और ऐसी दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार यातायात उल्लंघनों की प्रकृति के संबंध में दुर्घटना के रुझानों की समीक्षा की। बैठक के दौरान पीडब्ल्यूडी एनएचएआई एनएचआईडीसीएल बीआरओ और संपर्क सहित सड़क निर्माण एजेंसियों को ब्लैक स्पॉट प्रोटोकॉल के अनुसार चिन्हित ब्लैक स्पॉट को हटाने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में बैठक को जानकारी देने के लिए कहा गया। मुख्य सचिव ने छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यातायात नियंत्रण सुरक्षा चिह्नों की स्थापना और स्कूल बसों में गति सीमा उपकरण लगाने से संबंधित उपायों की भी समीक्षा की। परिवहन विभाग की सचिव अवनी लवासा ने केंद्र शासित प्रदेश में आई-आरएडी और ई-डीएआर पोर्टलों के कामकाज पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि जून 2022 में आई-आरएडी पोर्टल के चालू होने के बाद से जम्मू-कश्मीर में कुल 20 135 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गई हैं जिनमें 32 819 लोग शामिल हैं। इन दुर्घटनाओं में 3 688 लोगों की मृत्यु हुई और 29 131 लोग गंभीर या मामूली रूप से घायल हुए।

तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों और छिपे हुए आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू

जम्मू, 22 जनवरी। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के ऊंचे इलाकों में चल रहे तलाशी अभियान के दौरान गुरुवार को सुरक्षा बलों और छिपे हुए आतंकवादियों के बीच ताजा मुठभेड़ शुरू हुई है।

चटरू बेल्ट में मंदराल-सिंघपोरा के पास सोनार गांव में यह ऑपरेशन रविवार को शुरू किया गया था, जिसके बाद हुई गोलीबारी में एक पैराट्रूपर का बलिदान हुआ और सात अन्य सैनिक घायल हो गए। आज सुबह सिंहपोरा के घने जंगलों में छिपे आतंकवादियों के साथ ताजा संपर्क स्थापित किया गया। अंतिम रिपोर्ट मिलने तक दोनों पक्षों के बीच भारी गोलीबारी जारी थी और क्षेत्र में सक्रिय आतंकवादियों को मार गिराने के प्रयास के प्रयास किये जा रहे हैं।

अधिकारियों ने कहा कि सोमवार को मुठभेड़ स्थल के पास एक बड़े आतंकवादी ठिकाने का पता लगाया गया और कई लोगों को पूछताछ के लिए उठाया गया। यह भी बताया गया कि मुठभेड़ स्थल के पास पाकिस्तानी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से जुड़े दो से तीन आतंकवादियों के फंसे होने की आशंका है।

'ट्रक्स-ऑन-ट्रेन' सेवा से रेल और देश को बड़ा लाभ, 131 करोड़ रुपये से अधिक राजस्व और भारी ईंधन की बचत

नई दिल्ली, 22 जनवरी। भारतीय रेल की डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) पर संचालित 'ट्रक्स-ऑन-ट्रेन' सेवा ने आर्थिक, पर्यावरणीय और लॉजिस्टिक्स के मोर्चे पर उल्लेखनीय लाभ दिया है। रेल मंत्रालय के अनुसार इस सेवा से अब तक 131 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व अर्जित किया गया है, जबकि सड़क परिवहन पर निर्भरता कम होने से ईंधन बचत और प्रदूषण में भी बड़ी कमी आई है। मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक सेवा की शुरुआत से अब तक 1,955 से अधिक ट्रिप पूरी की जा चुकी हैं, जिनमें 10 लाख टन से अधिक माल की ढुलाई हुई है। केवल वित्त वर्ष 2025 (अप्रैल-दिसंबर) के दौरान ही 545 रेक के माध्यम से 3 लाख टन से अधिक माल ले जाया गया, जिससे 36.95 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। सबसे बड़ा लाभ पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के न्यू पालनपुर-न्यू रेवाड़ी खंड पर देखने को मिला। इस 636 किलोमीटर लंबे मार्ग पर ट्रकों की लंबी दूरी की यात्रा रेल पर स्थानांतरित होने से लगभग 48,875 ट्रक राजमार्गों से हटे। इसके परिणामस्वरूप करीब 88.81 लाख लीटर डीजल की बचत हुई और लगभग 2.30 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन रोका जा सका। रेल मंत्रालय ने बताया कि आर्थिक दृष्टि से भी यह सेवा परिवहनकर्ताओं के लिए फायदेमंद साबित हुई है। लंबी दूरी के हाई-वे टोल से बचाव, कम ईंधन खर्च और तय समय में माल पहुंचने से लॉजिस्टिक्स लागत में उल्लेखनीय कमी आई है। न्यू पालनपुर टर्मिनल से 273 रेक चलाकर 20.18 करोड़ रुपये और न्यू रेवाड़ी से 272 रेक के जरिए 16.76 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित हुआ, जिससे दोनों टर्मिनलों पर संतुलित और निरंतर कारोबार सुनिश्चित हुआ। पर्यावरणीय लाभों के साथ-साथ सामाजिक फायदे भी सामने आए हैं। ट्रकों की लंबी दूरी की यात्रा कम होने से सड़क दुर्घटनाओं में कमी, चालक थकान में गिरावट और राजमार्गों पर यातायात दबाव कम हुआ है। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के पूर्ण विद्युतीकरण के कारण यह सेवा मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों में भी निर्बाध रही, जिससे आपूर्ति श्रृंखला की विश्वसनीयता बढ़ी है। रेल मंत्रालय के अनुसार, डेयरी क्षेत्र को विशेष लाभ मिला है। दूध टैंकरों पर जीएसटी नहीं लगने और गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (अमूल) जैसे बड़े ग्राहकों के जुड़ने से सेवा को स्थायी मात्रा मिली है।

श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से आने-जाने वाली तीन उड़ानें रद्द

श्रीनगर, 22 जनवरी। गणतंत्र दिवस सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में दिल्ली हवाई अड्डे पर जारी नोटिस टू एयरमेन (नोटम) के कारण गुरुवार को श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से आने-जाने वाली तीन उड़ानें रद्द कर दी गईं। श्रीनगर हवाई अड्डा अधिकारियों ने एक पोस्ट के माध्यम से इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि ये उड़ानें राजधानी में अस्थायी हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों के कारण रद्द की गईं। पोस्ट में लिखा था, गणतंत्र दिवस की व्यवस्थाओं के मद्देनजर दिल्ली हवाई अड्डे पर लागू नोटम के कारण आज श्रीनगर हवाई अड्डे से आने-जाने वाली तीन उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। यात्रियों को हवाई अड्डे जाने से पहले अपनी-अपनी एयरलाइनों से नवीनतम उड़ान स्थिति की जांच करने की सलाह दी गई है। अधिकारियों ने असुविधा के लिए खेद भी व्यक्त किया। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने कहा कि हवाई यातायात मंजूरी के अधीन अन्य सभी उड़ानें निर्धारित समय पर जारी रहेंगी।

1984 का सिख नरसंहार कांग्रेस का संगठित योजनाबद्ध अपराध था : चुग

नई दिल्ली, 22 जनवरी । भारतीय जनता पाटी (भाजपा) के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने 1984 के सिख नरसंहार से जुड़े सज्जन कुमार मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह फैसला बेहद पीड़ादायक है, लेकिन पीड़ित सिख परिवारों को न्याय दिलाने की लड़ाई यहीं समाप्त नहीं होगी। चुग ने स्पष्ट कहा कि भाजपा और केंद्र सरकार इस मामले को उच्च न्यायालयों तक ले जाएगी और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सज्जन कुमार को उसके अपराधों की पूरी सज़ा मिले। उन्होंने कहा कि 1984 का सिख नरसंहार कांग्रेस का संगठित योजनाबद्ध अपराध था । गुरुवार को मीडिया से बातचीत मेंचुग ने कहा कि 1984 में कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने गांधी-नेहरू परिवार के इशारे पर पूरे देश को श्मशान में बदल दिया। 52 शहरों में सिखों को ज़िंदा जलाया गया, गुरुद्वारों को आग के हवाले किया गया और मतदाता सूचियों का इस्तेमाल कर कांग्रेस के गुंडे घर-घर जाकर सिखों की पहचान कर उन्हें जलाते रहे। यह कोई दंगा नहीं था बल्कि एक सुनियोजित नरसंहार था। इस नरसहांर की साजिश रचने वाले कांग्रेस नेताओं को बचाने, गवाह को डराने धमकाने और अपराधियों को संरक्षण देने का पाप कांग्रेस पार्टी ने किया। चुग ने कहा कि 1984 से 2014 तक कांग्रेस पार्टी ने इन मामलों को दबाने का लगातार प्रयास किया।

कश्मीर के अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान गिरा, बर्फबारी होने की संभावना

श्रीनगर, 22 जनवरी । पूरे कश्मीर में गुरुवार को ठंड की स्थिति बनी रही। अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान में गिरावट आई। दिन में पश्चिमी विक्षोभ के क्षेत्र को प्रभावित करने और ताजा बर्फबारी होने की संभावना है। मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि कश्मीर में अधिकांश स्थानों पर रात के तापमान में कमी आई है और पूरी घाटी में पारा हिमांक बिंदु से नीचे पहुंच गया है। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान पिछली रात से एक डिग्री गिरकर बुधवार रात शून्य से 3.4 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया।मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में पर्यटक स्थल सोनमर्ग शून्य से 6.1 डिग्री सेल्सियस कम तापमान के साथ घाटी में सबसे ठंडा स्थान दर्ज किया गया, जो पिछली रात शून्य से 5.5 डिग्री सेल्सियस नीचे था। अधिकारियों ने कहा कि उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले में लोकप्रिय स्की रिसॉर्ट गुलमर्ग में तापमान शून्य से 4 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि दक्षिण कश्मीर में पहलगाम पर्यटन स्थल का न्यूनतम तापमान शून्य से 4.4 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात के शून्य से 3.8 डिग्री सेल्सियस नीचे था। उन्होंने बताया कि घाटी के प्रवेश द्वार शहर काजीगुंड में न्यूनतम तापमान शून्य से 3.8 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जबकि कोकेरनाग में न्यूनतम तापमान शून्य से 2.6 डिग्री सेल्सियस नीचे और कुपवाड़ा में शून्य से 3.7 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। अधिकारियों ने कहा कि इस सप्ताह दो मजबूत पश्चिमी विक्षोभ जम्मू-कश्मीर को प्रभावित करने की संभावना है पहला गुरुवार को और दूसरा 26 जनवरी को अपना प्रभाव डालेगा। उन्होंने कहा कि इन प्रणालियों के प्रभाव में घाटी के मैदानी इलाकों सहित व्यापक रूप से हल्की से मध्यम वर्षा/बर्फबारी की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इन मौसम प्रणालियों की मुख्य गतिविधि 23 जनवरी और 27 जनवरी को होगी। अधिकारियों ने कहा कि गुरुवार से शुरू होने वाली मौसम प्रणाली कश्मीर के मैदानी इलाकों में लंबे समय से जारी शुष्क दौर को समाप्त कर सकती है क्योंकि मौसम कार्यालय ने श्रीनगर सहित मैदानी इलाकों में हल्की से मध्यम बर्फबारी की संभावना जताई है।

लक्षद्वीप अरब सागर में बिखरता मोती

अगर आप केरल घूमने जाएं और लक्षद्वीप न जाएं और लक्षद्वीप न जाएं तो आपकी केरल यात्रा को अधूरी ही रहेगी। क्योंकि जब हम केरल की यात्रा पर जाते है तो सोचते है कि लक्षद्वीप भी क्यों न घूमा जाए। लक्षद्वीप कहने को तो छोटा सा केन्द्र शासित राज्य है लेकिन यहां घूमने, फिरने और मौजमस्ती करने के लिए कई सुन्दर और मनमोहक स्थल है और अगर आप तैरना जानते है या निड सर्फिंग, स्कूबा डाइविंग, पेरासेलिंग, स्नोकर्लिंग तो लक्षद्वीप आपके लिए और भी खूबसूरत हो जाता है।

हरे-भरे केरल के तट से 200 मील दूर अरब सागर में 27 द्वीपों के समूह को सामूहिक रूप से लक्षद्वीप के नाम से जाना जाता है। लेकिन लक्षद्वीप के मात्र 10 द्वीपों पर ही मनुष्य रहते हैं। इन द्वीपों पर किसी प्रकार का उद्योग नहीं है और यहां दैनिक उपयोग की सारी सामग्री दूसरे प्रदेशों से आती है। 32 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला यह द्वीप प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग माना जाता है। समुद्र की लहरों का शोर और नारियल के पेड़ों से टकराकर लौटती हवाएं, कृत्रिम शोर-शराबे से दूर यहां के शान्त लैगून और धूप में चमकती यहां का समुद्री बीच पर्यटकों के दिलो-दिमाग पर यादगार छाप छोड़ती हैं। आप यहां समुद्री जीवन से नजदीक से रुबरु हो सकते है। पानी के खेल में रुचि रखने वाले जैसे स्कूबा डाइविंग और स्नोर्कलिंग के आकर्षण में बहुत से पर्यटक यहां खींचे चले आते हैं। यह भारत का सबसे छोटा केन्द्र शासित प्रदेश होने के बावजूद यह पर्यटन के लिहाज से सबसे लोकप्रिय है। लक्षद्वीप पहुंचने पर अब सवाल उठता है कि यहां क्या देखा जाए। देखने के लिहाज से तो बहुत कुछ है लेकिन यहां समुद्र में बने छोटे-छोटे टापू और उन टापूओं की सैर करना जैसे रोमांच भरा होता है।

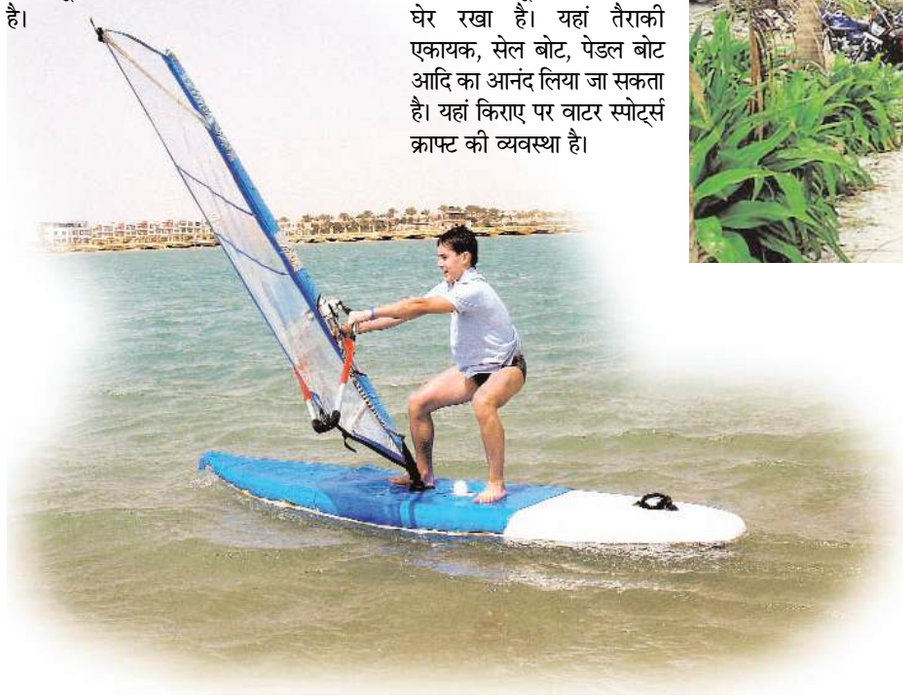

कवरत्ती

यह लक्षद्वीप की राजधानी है और यहां ही इस प्रदेश का प्रशासनिक मुख्यालय है। कवरत्ती में नौकायन का मजा लिया जा सकता है। समुद्र के किनारे रेत पर लेटकर धूप सेंकना पर्यटकों को यहां बहुत भाता है। आप जामनाथ मस्जिद जाकर लकड़ी पर की गई बेहतरीन नक्काशी का नमूना देख सकते है। समुद्र में सैर का लुत्फ उठाने के लिए यहां डोंगी और पॉल नावें भी किराए पर मिलती हैं।

कलपेनी

यह स्थान अपनी सुंदरता और तिलक्कम व पिट्टी नामक छोटे टापुओं के लिए प्रसिद्ध है। कलपेनी के उत्तर में चेरियम नाम का सूनसान टापू भी काफी लोकप्रिय है। 2.79 वर्ग किमी के क्षेत्र में फैले कलपेनी को विशाल और उथले लैगून ने चारों ओर से घेर रखा है। यहां तैराकी एकायक, सेल बोट, पेडल बोट आदि का आनंद लिया जा सकता है। यहां किराए पर वाटर स्पोर्ट्स क्राफ्ट की व्यवस्था है।

मिनीकॉय

यह एक चन्द्राकार टापू है और मालदीप के सबसे निकट स्थित है। 10.6 किमी लम्बा मिनीकॉय लक्षद्वीप का दूसरा सबसे बड़ा टापू है। मालदीपिन संस्कृति मिनीकॉय को एक विशिष्ट पहचान देती हैं। यहां का लाइट हाउस सबसे अधिक प्रसिद्ध हैं। इस लाइट हाउस को अंग्रेजों ने बनवाया था। वर्तमान में यहां भारत की आन-बान और शान भारतीय तिरंगा हर समय लहराता रहता है।

मिनीकॉय की टूना कैनिंग फैक्टरी टूना फिशिंग का प्रमुख केन्द्र है। इसके अलावा यहां का लावा नृत्य भी काफी प्रसिद्ध है। लावा खासतौर से पुरूषों का नृत्य है जिसमे ड्रम की धुनों पर नाचा जाता है। मिनीकॉय 10 गांवों का समूह है जिन्हें अथिरिस कहा जाता है।

बंगारम

यह एक निर्जन टापू है और मात्र पर्यटकों के लिए ही खुला रहता है। यहां के नारियल के पेड़ गर्मियों के दिनों में भी वातावरण को शीतल बनाए रखते हैं। इस टापू पर शार्क मछली और समुद्री कछुए को देखा जा सकता हैं। यहां विंडसर्फिंग, स्कूबा डाइविंग, पेरासेलिंग, स्नोर्कलिंग के आनंद का मजा लिया जा सकता है।

अगत्ती

यहां लक्षद्वीप के सबसे सुन्दर लैगून हैं।

कदमत

यह द्वीप 8 किमी लम्बा और 550 मीटर चौड़ा है। इसके पश्चिम के खूबसूरत उथले लैगून वाटर स्पोर्ट्स के शौकीनों को अनेक रोमांचकारी अवसर प्रदान करते हैं। कदमत के पूर्व में एक संकरा लैगून है। यहां दूर-दूर फैले लम्बे रेतीले समुद्री बीच पर्यटकों को अपनी ओर खिंचे चले आने के लिए मजबूर कर देते हैं। पर्यटकों के लिए यहां टूरिस्ट हट की व्यवस्था है। यह हट लैगून के सामने नारियल के बगीचों में स्थित हैं। शहर के शोर शराबे से दूर यह जगह पर्यटकों के बीच काफी प्रसिद्ध है। कदमत चूने के पत्थरों के लिए भी प्रसिद्ध है। हाल की में कदमत में स्कूबा डाइविंग केन्द्र स्थापित किया गया है। कदमत की सुंदरता पर्यटकों को स्वर्ग के आनंद की अनुभूति कराती है।

अनद्रोथ

यह द्वीप लक्षद्वीप का सबसे बड़ा द्वीप है। घने नारियल के पेड़ इस द्वीप की सुंदरता में वृद्धि करते हैं। लक्षद्वीप में इस द्वीप के लोगों ने सबसे पहले इस्लाम को अपनाया। मौलवी उबयदुल्लाह ने यहां के लोगों का धर्म परिवर्तित किया था। जूमा की मस्जिद में इस संत का मकबरा स्थित है। मछली पालन यहां के लोगों का प्रमुख व्यवसाय है। भारत सरकार ने अनद्रोथ के पूर्व में आधुनिक लाइट हाउस टॉवर बनवाया है। टॉवर का निर्माण 1966 में जाकर पूरा हुआ था।

बित्रा

यह द्वीप लक्षद्वीप के सबसे छोटे द्वीपों में से एक है। किसी जमाने में इस द्वीप पर केवल जंगल ही था। समुद्री पक्षियों के प्रजनन स्थल के रूप में इस स्थान को जाना जाता था। उन्नीसवीं सदी के प्रारंभ में मछुआरों ने यहां स्थायी रूप से बसना प्रारंभ कर दिया। लक्षद्वीप के खूबसूरत द्वीपों में से एक बित्रा में पर्यटक यहां की सैर करना कभी नहीं भूलते।

कैसे पहुंचे

वायुमार्ग- अगत्ती में लक्षद्वीप का एकमात्र एयरपोर्ट है। अगत्ती नियमित उड़ानों से कोच्चि से जुड़ा हुआ है। कोच्चि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा भारत के लगभग सभी प्रमुख शहरों से जुड़ा है। लक्षद्वीप में प्रवेश हेतु एकमात्र एयरपोर्ट यहीं स्थित है। साथ ही 20 बेड वाला टूरिस्ट कॉम्प्लेक्स यहां बनाया गया है। यह टापू 3.84 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला हुआ है। विदेशी पर्यटकों को यहां रुकने की अनुमति नहीं है।

हेलिकॉप्टर के माध्यम से भी लक्षद्वीप तक पहुंचा जा सकता है।

जलमार्ग- लक्षद्वीप पहुंचने के लिए पानी का जहाज अच्छा विकल्प है। कोच्चि से रोजाना कुछ यात्री जहाज संचालित होते हैं। जहाज के माध्यम से लक्षद्वीप पहुंचने में लगभग 18.20 घन्टे का समय लगता है। मॉनसून के दौरान पानी के जहाज की सेवाएं बंद रहती हैं।

खरीददारी

लक्षद्वीप से यादगार के रूप में स्मारिका खरीदी जा सकती हैं। साथ ही प्रवाली शंख, सीप, घेंघा आदि से निर्मित हस्तशिल्प के सामान की भी खरीददारी की जा सकती है।

लक्षद्वीप- एक नजर

लोकेशन- अरब सागर का मध्य, केरल के तट से 200.400 किमी दूर
क्षेत्रफल- 32वर्ग किमी
अधिकतम तापमान- 32 डिग्री से.
न्यूनतम तापमान-27 डिग्री से.
औसत वार्षिक वर्षा-160 सेमी
राजधानी- कवरत्ती
भाषा- मलयालम, म्हाल और अंग्रेजी
धर्म- इस्लाम व अन्य

कहां ठहरें

द बंगारम आइसलैंड रिजोर्ट
होटल बोनहाबी (कलपेनी)
दूरभाष- 03776-262710
अगत्ती आइसलैंड बीच रिजोर्ट
कदमत बीच रिजोर्ट

इन होटलों के अलावा बंगारम, कवरत्ती और कदमत में फैमिली हट की व्यवस्था है जो

शिमला आइस स्केटिंग रिंक

हिमाचल प्रदेश में स्कीइंग का इतिहास बहुत पुराना नहीं है। इस खेल का प्रारम्भ ब्रिटिश शासनकाल में स्थापित शिमला आइस स्केटिंग क्लब के उपरान्त ही हुआ। शिमला आइस स्केटिंग रिंक के अस्तित्व की कहानी भी बेहद रोचक है। शिमला में निवास कर रहे एक अंग्रेज मि0 ब्लैसिंगटन ने एक बार जब शिमला में रिवाली के स्थान पर स्थापित वर्तमान आइस स्केटिंग रिंक मैदान में जब पानी की तहों को जमते देखा तो उसने सोचा कि यदि इस मैदान में पानी फैला कर जमा दिया तो यहाँ एक बड़ा रिंक निर्मित हो सकता है। इस मैदान को इससे पूर्व टेनिस कोर्ट के रूप में प्रयुक्त किया जाता था। उनकी योजना सफल हुई और उसने इस टेनिस कोर्ट को बर्फ में परिवर्तित करने में सफलता हासिल कर ली।

सन् 1920 के आसपास की बात है जब लोगों ने टेनिस कोर्ट को आइस स्केटिंग रिंक में बदलते देखा। यह बात यहाँ के लोगों के लिए आश्चर्य से कम न थी। आईस स्केटिंग रिंक के अस्तित्व में आने के साथ ही शिमला आइस स्केटिंग क्लब का गठन हो गया। प्रारम्भ में किसी भी भारतीय के लिए इस क्लब की सदस्यता पर प्रतिबंध था लेकिन शिमला के लोगों ने सदस्यता ग्रहण करने हेतु बराबर संघर्ष किया और परिणामस्वरूप सन् 1945 के आसपास यहाँ के कुछ नागरिकों को इसकी सदस्यता प्राप्ति में सफलता मिल गई। इनमें श्री जुगल खन्ना, एस. सी. खन्ना, श्रीमती श्यामा खन्ना और जस्टिस खोसला प्रमुख थे। भारत की आजादी के साथ ही यह क्लब लोकतांत्रिक रुप से यहाँ के खेल प्रेमियों के पास आ गया।

1953-54 के आसपास कुफरी में स्कीइंग की ढलानों का पता लगाया और इन्हें इस खेल के लिए उपयुक्त पाकर कुफरी विंटर क्लब का गठन कर लिया गया। पहला विंटर स्कीइंग उत्सव वर्ष 1955 में आयोजित किया गया था जिसमें नॉरवेजियन एम्बेसडर ने सभी प्रतियोगिताएँ जीत ली थीं। इसके बाद प्रति वर्ष कुफरी में 1968 तक राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की स्कीइंग प्रतियोगिताएं होती रहीं। वर्ष 1968 का शीतकालीन उत्सव, कुफरी में अन्तिम उत्सव के रुप में मनाया गया था जिसमें लगभग दस हजार से अधिक लोग शामिल हुए थे। इसका कारण कुफरी में बर्फबारी का कम होना था। हालांकि आंशिक रुप से कुफरी की ढलानों में स्कीइंग होती रही लेकिन कम बर्फ के कारण वह रोमांच नहीं रहा जो शीतकालीन उत्सवों में होता था। इसके बाद कुछ और स्थालों पर स्कीइंग की ढलानों की तलाश प्रारम्भ कर दी गई और वर्ष 1980 में नारकण्डा इसका विकल्प खोज लिया गया और नारकण्डा की ढलानों पर स्कीइंग प्रेमियों ने स्कीइंग करनी शुरू कर दी।

नारकण्डा में स्कीइंग

नारकण्डा की ढलानों को देश व विदेश में लोकप्रिय बनाने के लिए हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम के अथक प्रयासों से निगम के निदेशक मंडल ने यह निर्णय लिया कि गुलमर्ग से किसी विशेषज्ञ को आमंत्रित करके इन ढलानों का चयन करवाया जाए ताकि इनका विकास प्राधिकृत रूप से हो सके। इसलिए भारतीय स्कीइंग एवं पर्वतारोहण संस्थान गुलमर्ग के प्रधानाचार्य ले0 कर्नल वी.पी.एस. चौहान शिमला आए और उन्होंने नारकण्डा की ढलानों का निरीक्षण किया। उन्होंने इन ढलानों को स्कीइंग के लिए गुलमर्ग से भी बेहतर बताया और इसी संस्थान के सहयोग से वर्ष 1980 में 25 जनवरी से 5 फरवरी तक पहला प्रयोगात्मक स्कीइंग कोर्स निगम द्वारा शुरु कर लिया गया। दूसरा कोर्स 6 फरवरी से आरम्भ हुआ जिसमें बहुत से प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। गुलमर्ग के संस्थान ने स्कीइंग का आवश्यक सामान और दो स्की लिफ्टें भी निगम को दी। उसी साल से निरन्तर पर्यटन विकास निगम द्वारा प्रति वर्ष नारकण्डा में पन्द्रह और सात दिनों की अवधि के लघु स्की कोर्स जनवरी से मार्च तक आयोजित किए जाते रहे जिनमें न केवल भारत के विभिन्न स्थानों से बल्कि विदेशों तक से प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। नारकण्डा स्कीइंग के कारण देश व विदेश में विख्यात बन गया। लेकिन धीरे-धीरे कम बर्फबारी से नारकण्डा की ढलानों का पहले जैसा रोमांच बरकरार न रह पाया। निगम ने कई सालों तक सात व पन्द्रह दिनों के स्कीइंग प्रशिक्षण कोर्स चलाए लेकिन बाद में स्कीइंग योग्य बर्फबारी न होने के कारण केवल सात दिनों के कोर्स ही चलाए जाते रहे। नारकण्डा शिमला से 65 किलोमीटर दूर और समुद्रतल से 2700 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। आवास के लिए इस स्थान पर पर्यटन विकास निगम का होटल हाटू उपलब्ध है।

एक समय था जब हिमाचल प्रदेश में सर्दियों के दिनों में जनजीवन शून्य सा हो जाता था। बर्फबारी के साथ ही इसके कुल 55.673 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में से लगभग 33.000 वर्ग किलोमीटर का क्षेत्र बर्फकी चादर से ढक जाता था और लगभग सात लाख से भी ज्यादा लोग बर्फकी दीवारों में कैद होने को विवश हो जाते थे। हालांकि आज भी बर्फ गिरने से लाहुल, स्पिति, भरमौर, पांगी, डोडराक्वार और किन्नौर सहित कुछ अन्य क्षेत्र हिमाचल के निचले इलाकों से चार-पांच महीनों के लिए कट जाया करता हैं। लेकिन कुछ सालों से अब कम बर्फबारी के कारण जनजीवन उतना प्रभावित नहीं होता जितना आज से पन्द्रह-बीस वर्ष पहले हुआ करता था।

मनाली और शिमला जैसे प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों में कोई चहल पहल शीतकालीन मौसम में नहीं होती थी। लेकिन आज हिमाचल में जिस तरह से शीतकालीन खेल स्कीइंग, हेली स्कीइंग और आइस स्केटिंग लोकप्रिय हुए है उससे सर्दियों के मौसम का स्वागत भी पर्यटक, मौसम की ही तरह होने लगा है। हिमाचल प्रदेश की पर्वत-मालाएँ जब बर्फ की सफेद चादर ओढ़ लेती है तो उनका नज़ारा देखते ही बनता है। देश तथा विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए शीतकाल का यह मौसम अलग ही आकर्षण लिए रहता है। इसके साथ ही बर्फ के खेल के प्रेमियों के लिए तो यह बर्फीला मौसम कुछ अधिक उल्लास और स्फूर्ति लिए आता है। इनकी आँखे अनवरत दिसम्बर मास से ही आसमान की ओर टकटकी लगाए रहती हैं कि कब धरती बर्फ की वर्षा से आच्छादित हो और वे इन खेलों का आनन्द ले सकें। यही हाल देश व विदेश से यहाँ भ्रमण के लिए आए पर्यटकों का भी होता है। वे भी वर्ष भर बर्फबारी का इंतजार करते रहते हैं। तकरीबन उन सभी ऐसे सैरगाहों पर पर्यटकों की भीड़ उमड़ पड़ती है जहां से बर्फ के परिदृश्य बिल्कुल करीब से देखे जा सकते हैं। हिमाचल में जिन सैरगाहों पर स्कीइंग होती है, वहां का वातावरण तो रोमांच और उल्लास से भरा रहता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

एलजी कविंदर ने अलची स्थित एनएचपीसी निमू बाज़गो पावर प्रोजेक्ट के कार्यों की समीक्षा की

लेह, 22 जनवरी। लद्दाख के माननीय उपराज्यपाल श्री कविंदर गुप्ता ने आज प्रथम महिला श्रीमती बिंदु गुप्ता के साथ अलची स्थित एनएचपीसी निमू बाज़गो पावर प्रोजेक्ट का दौरा किया और इसकी समग्र कार्यप्रणाली एवं परिचालन स्थिति की समीक्षा की।

एनएचपीसी लिमिटेड के महाप्रबंधक (मैकेनिकल) श्री संजय कुमार राय ने अपनी टीम के साथ उपराज्यपाल एवं प्रथम महिला का गर्मजोशी से स्वागत किया। दौरे के दौरान श्री राय ने परियोजना के विभिन्न परिचालन पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने मई से सितंबर के बीच होने वाले अधिकतम विद्युत उत्पादन, लद्दाख भर में सब-स्टेशनों के माध्यम से बिजली वितरण तथा विद्युत उत्पादन में मौसमी उतार-चढ़ाव को प्रभावित करने वाले कारकों पर प्रकाश डाला।कंट्रोल एंड कमांड सेंटर एवं अर्ली वार्निंग सेंटर में उन्होंने सिंधु और जांस्कर नदियों के जल प्रवाह व डिस्चार्ज की रियल-टाइम डेटा मॉनिटरिंग प्रणाली तथा स्पिलवे गेट सिस्टम के बारे में जानकारी दी, जो अत्यधिक कठोर सर्दियों की परिस्थितियों में भी बांध के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करता है। एक विस्तृत प्रस्तुति के माध्यम से श्री राय ने परियोजना की यात्रा का विवरण साझा करते हुए बताया कि इसका विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) वर्ष 2003 में प्रस्तुत किया गया था और यह परियोजना 985.15 करोड़ की कुल लागत से वर्ष 2013 में परिचालन में आई। उन्होंने यह भी बताया कि 220 केवी फ्यांग-अलुस्तेंग नॉर्दर्न ग्रिड कनेक्शन वर्ष 2019 में चालू किया गया। उन्होंने स्थानीय समुदायों के लिए एनएचपीसी के योगदानों को भी रेखांकित किया, जिनमें प्रदूषण-मुक्त बिजली की आपूर्ति, रोजगार के अवसर तथा अनेक सीएसआर पहलें शामिल हैं—जैसे शौचालयों और कक्षाओं का निर्माण, स्थानीय बुनियादी ढांचे की मरम्मत, इंटर्नशिप कार्यक्रम, अलची एवं आसपास के क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइट्स की स्थापना, तथा स्थानीय खिलाड़ियों को आइस हॉकी किट का वितरण।

सीएलयू शुल्कों में गंभीर अन्याय का मुद्दा उठाया : सुखनंदन चौधरी

जम्मू, 22 जनवरी (हि.स.)। पूर्व मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता सुखनंदन चौधरी ने गुरुवार को भूमि उपयोग परिवर्तन (चेंज ऑफ लैंड यूस - सीएलयू) शुल्कों के युक्तिकरण को लेकर जम्मू के मंडलायुक्त कार्यालय द्वारा की गई सिफारिशों को तत्काल लागू करने की मांग की। उन्होंने मौजूदा व्यवस्था को ग्रामीण भू-स्वामियों के प्रति गहरी भेदभावपूर्ण और अन्यायपूर्ण करार दिया।

सुखनंदन चौधरी, डॉ. प्रदीप माहोत्रा, मीडिया इंचार्ज, जम्मू-कश्मीर भाजपा, राकेश पंत, अध्यक्ष, किसान मोर्चा, जम्मू-कश्मीर भाजपा, और बलबीर कुमार डीडीसी और उपाध्यक्ष, अनुसूचित जाती जम्मू-कश्मीर भाजपा, मोर्चा के साथ, भाजपा मुख्यालय, त्रिकुटा नगर, जम्मू में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे।

जम्मू स्थित भाजपा पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए चौधरी ने 28 मार्च 2024 को जारी उस आधिकारिक पत्र का उल्लेख किया जिसमें मंडलायुक्त जम्मू ने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया है कि जम्मू विकास प्राधिकरण (जेडीए) द्वारा सीएलयू शुल्क लगाए जाने की प्रक्रिया में गंभीर विसंगतियां हैं।

चौधरी ने कहा कि यह अत्यंत चौंकाने वाला है कि दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों के भूमि मालिकों—जहां भूमि का बाजार मूल्य काफी कम है से गांधी नगर जैसे जम्मू शहर के सबसे महंगे इलाकों की उच्चतम स्टांप ड्यूटी दरों के आधार पर सीएलयू शुल्क वसूला जा रहा है।

उन्होंने सवाल उठाया, 卐किसी ग्रामीण गांव के किसान या छोटे भूमि मालिक से गांधी नगर के बराबर सीएलयू शुल्क क्यों लिया जाए, यह सरासर आर्थिक अन्याय है।

उन्होंने बताया कि मंडलायुक्त के पत्र में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि जम्मू मास्टर प्लान-2032 के तहत जेडीए का क्षेत्राधिकार जम्मू और सांबा जिलों के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों तक फैला है जहां बाजार मूल्य और स्टांप ड्यूटी दरें एक-दूसरे से काफी भिन्न हैं।

कठुआ में श्रम विभाग ने सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर जागरूकता-सह-पंजीकरण शिविर का आयोजन

कठुआ, 22 जनवरी (हि.स.)। असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से श्रम विभाग कठुआ द्वारा गुरूवार को ब्लॉक कठुआ में प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना सहित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर जागरूकता-सह-पंजीकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं तथा अन्य असंगठित श्रमिकों ने भाग लिया। शिविर के दौरान अधिकारियों ने असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही पेंशन एवं कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत पात्र श्रमिकों को वृद्धावस्था में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए मासिक पेंशन का प्रावधान है। साथ ही योजना की पात्रता, अंशदान संरचना

एवं लाभों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान श्रम विभाग के अधिकारियों ने मौके पर ही पात्र लाभार्थियों का पंजीकरण किया तथा विभिन्न श्रम कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से संबंधित मार्गदर्शन प्रदान किया। शिविर में विशेष रूप से आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं अन्य पात्र असंगठित श्रमिकों को पेंशन योजना के अंतर्गत शामिल करने पर जोर दिया गया। शिविर में उपस्थित श्रमिकों ने अधिकारियों के साथ सक्रिय संवाद किया और पंजीकरण एवं परामर्श सेवाओं का लाभ उठाया। कार्यक्रम का समापन श्रमिकों से अपील के साथ हुआ कि वे सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी अपने सहकर्मियों तक पहुँचाएं, ताकि अधिक से अधिक श्रमिक इन योजनाओं का लाभ उठा सकें।

श्रीनगर के नौशेरा इलाके में महिला मृत पाई गई, घरेलू नौकरानी फरार

श्रीनगर, 22 जनवरी (हि.स.)। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार को श्रीनगर के नौशेरा इलाके में एक 65 वर्षीय महिला का गला कटा हुआ शव मिला। उन्होंने बताया कि हत्या के संदिग्ध घरेलू नौकरानी को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि महिला अपने घर में मृत पाई गई और सूचना मिलते ही सौरा पुलिस स्टेशन से पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने बताया कि शव को चिकित्सा-कानूनी औपचारिकताओं के लिए एसकेआईएमएस सौरा ले जाया गया। उन्होंने कहा, प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि असम निवासी एक घरेलू नौकरानी ने अपराध किया है और मौके से फरार हो गई है। महिला की पहचान रशीदा बेगम (65) के रूप में हुई है जो मुड बाग निवासी लतीफ अहमद गंगू की पत्नी थीं। अधिकारी ने बताया कि आरोपी को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है।

गणतंत्र दिवस पर जम्मू नगर निगम ने बहु प्लाजा में आयोजित किया ओपन माइक कार्यक्रम

जम्मू, 22 जनवरी (हि.स.)। गणतंत्र दिवस के अवसर पर जम्मू नगर निगम द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन्हीं आयोजनों की कड़ी में आज जम्मू के बहु प्लाजा में एक ओपन माइक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जम्मू नगर निगम के आयुक्त डॉ. देवांश यादव और जम्मू विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष रूपेश कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।इस अवसर पर मौजूद अधिकारियों, कलाकारों और नागरिकों ने स्वच्छता को लेकर शपथ ली और स्वच्छ, सुंदर व जागरूक जम्मू के निर्माण का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम का उद्देश्य गणतंत्र दिवस के महत्व को रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से आम लोगों तक पहुंचाना रहा।

पहलगाम के वुल्लरहामा में रेलवे लाइन के खिलाफ प्रदर्शन

जम्मू, 22 जनवरी (हि.स.)। पहलगाम के वुल्लरहामा में रेलवे लाइन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुआ। इस मौके पर पीडीपी नेता इल्तिजा मुफ्ती ने भी स्थल का दौरा किया और प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की। प्रदर्शनकारियों ने कहा उनकी उपजाउ जमीनों व बागानों से गुजारी जा रही रेलवे लाइन इसलिए इसकी अलाइमेंट में किया जाएं बदलाव ताकि उनकी अजीविका न प्रभावित हो। प्रतिवादियों का कहना था कि प्रस्तावित रेलवे लाइन से स्थानीय पर्यावरण और पारंपरिक जीवनशैली पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। इल्तिजा मुफ्ती ने मौके पर उपस्थित लोगों से बातचीत करते हुए कहा कि इस मुद्दे को प्रशासन और संबंधित अधिकारियों के सामने उठाया जाएगा। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से अपील की कि उनकी चिंताओं को गंभीरता से लिया जाए और पर्यावरण एवं सामाजिक प्रभावों के मद्देनजर निर्णय लिया जाए।

विभाजनकारी प्रयास भाईचारे और एकता को नुकसान पहुंचाएंगे : मोहम्मद यासीन

जम्मू, 22 जनवरी (हि.स.)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक फ्रंट (पीडीएफ) के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री हकीम मोहम्मद यासीन ने गुरुवार को जम्मू को एक अलग राज्य के रूप में विभाजित करने की बढ़ती मांग और राजनीतिक चर्चा पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे कदम जम्मू-कश्मीर की एकता और सामाजिक ताने-बाने के लिए दूरगामी और खतरनाक परिणाम ला सकते हैं। यासीन ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के विभाजन को असंभव के रूप में प्रस्तुत करने के प्रयास उसी तरह की कहानी को दर्शाते हैं जो 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने से पहले गढ़ी गई थी।

गणतंत्र दिवस से पहले पूरे कश्मीर में सुरक्षा बढ़ा दी गई

श्रीनगर, 22 जनवरी(हि.स.) । गणतंत्र दिवस से पहले पूरे कश्मीर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है क्योंकि पुलिस ने समारोहों को बाधित करने के राष्ट्र-विरोधी तत्वों के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए घाटी में गश्त और वाहन जांच तेज कर दी है। कश्मीर में मुख्य आधिकारिक गणतंत्र दिवस समारोह के आयोजन स्थल बख्शी स्टेडियम की ओर जाने वाली सड़कों को कई स्थानों पर सुरक्षा संबंधी बाधाओं के साथ मजबूत किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि जिला स्तर पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सुरक्षा योजना के प्रभावी और निर्बाध कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि आगामी गणतंत्र दिवस समारोह के मद्देनजर, पुलिस ने राष्ट्रीय समारोह का शांतिपूर्ण, सुरक्षित और घटना-मुक्त पालन सुनिश्चित करने के लिए घाटी भर में सुरक्षा और जांच उपाय बढ़ा दिए हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ी हुई सुरक्षा ग्रिड के हिस्से के रूप में घाटी भर में खासकर श्रीनगर शहर में रणनीतिक स्थानों पर पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है।

वंदे मातरम् का गूंजता स्वर, मेगा संगोष्ठी व सामूहिक पाठ से उमड़ा देशभक्ति का जज्बा

कठुआ, 22 जनवरी (हि.स.)। कठुआ के खेल स्टेडियम में बुधवार को देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव से एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मेगा कार्यक्रम में वंदे मातरम् पर आधारित संगोष्ठी और राष्ट्रीय गीत का सामूहिक पाठ हुआ जिसमें जिले भर से आए हजारों स्कूली छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा, अतिरिक्त उपायुक्त विशवजीत सिंह, मुख्य शिक्षा अधिकारी केवल कृष्ण, जिला सूचना अधिकारी राजिंद्र डिगरा तथा जिला युवा सेवा एवं खेल अधिकारी सुनील सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे। संगोष्ठी के दौरान

विद्यार्थियों ने डोगरी, हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में अपने विचार प्रस्तुत किए। वक्ताओं ने वंदे मातरम् के ऐतिहासिक महत्व, स्वतंत्रता संग्राम में इसकी भूमिका और राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक चेतना व संवैधानिक मूल्यों को सुदृढ़ करने में इसके योगदान पर प्रकाश डाला। छात्रों के विचारों में देशप्रेम, समर्पण और प्रेरणा की स्पष्ट झलक देखने को मिली।

इसके पश्चात विभिन्न विद्यालयों के छात्रों द्वारा वंदे मातरम् का सामूहिक पाठ किया गया जिससे पूरा स्टेडियम देशभक्ति के स्वर से गूंज उठा और वातावरण भावनात्मक व प्रेरणादायक बन गया।

इस अवसर पर उपायुक्त राजेश शर्मा ने विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी और प्रभावशाली प्रस्तुतियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम युवाओं में राष्ट्रप्रेम, एकता और राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करते हैं तथा उन्हें देश के गौरवशाली इतिहास और मूल्यों से जोड़ते हैं। कार्यक्रम का समापन 'भारत माता की जय' के गगनभेदी नारों के साथ हुआ जिसने उपस्थित जनसमूह में राष्ट्रीय एकता और गर्व की भावना को और अधिक सशक्त कर दिया।

पुलिस ने कंगन में अवैध लकड़ी तस्करी का भंडाफोड़ किया

जम्मू, 22 जनवरी (हि.स.)। गांदरबल पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कंगन के पोशकर इलाके में अवैध लकड़ी तस्करी के एक बड़े मामले का खुलासा किया है। विश्वसनीय सूत्रों से मिली पुख्ता सूचना के आधार पर पुलिस को पता चला कि इम्तियाज अहमद बन्या पुत्र हुसैन बन्या निवासी पोशकर कंगन ने नजदीकी जंगल से अवैध रूप से वन लकड़ी काटकर अपने रिहायशी परिसर के आंगन में छिपाकर रखी थी। मामले का संज्ञान लेते हुए पुलिस थाना कंगन में एफआईआर संख्या 06/2026 संबंधित धाराओं 303(2) बीएनएस और भारतीय वन अधिनियम की धारा 26 के तहत दर्ज की गई। एसएसपी गांदरबल खलील अहमद पोस्वाल के निर्देश पर गठित विशेष पुलिस टीम ने तलाशी अभियान चलाकर आरोपी के परिसर से भारी मात्रा में अवैध वन लकड़ी बरामद की। बरामद लकड़ी को कानूनी प्रक्रिया के तहत जब्त कर लिया गया है और आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है।पुलिस द्वारा मामले की आगे की जांच जारी है ताकि लकड़ी के स्रोत, अन्य संलिप्त लोगों और पूरे तस्करी नेटवर्क का पता लगाया जा सके। गांदरबल पुलिस ने पर्यावरण अपराधों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और वन संपदा की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

आयुक्त ने सैनिक कॉलोनी व ग्रेटर कैलाश में किया निरीक्षण

जम्मू, 22 जनवरी (हि.स.)। जम्मू नगर निगम के आयुक्त डॉ. देवांश यादव ने आज सैनिक कॉलोनी और ग्रेटर कैलाश से सटे इलाकों में स्वच्छता व्यवस्था और अतिक्रमण की स्थिति का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर किए गए अतिक्रमणों को मौके पर ही हटाया गया।

आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्र में नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए और स्वच्छता व्यवस्था को बनाए रखा जाए। उन्होंने साफ-सफाई को प्राथमिकता देने और दोबारा अतिक्रमण न होने देने के लिए सख्त कदम उठाने पर जोर दिया।

भाजपा ने एक बार फिर अलग जम्मू का मुद्दा उछालकर जनता को गुमराह करने की रची साज़िश :सतीश शर्मा

जम्मू, 22 जनवरी (हि.स.)। मनरेगा बचाओ संघर्ष के तहत आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस महासचिव एवं जम्मू नगर निगम के पूर्व चेयरमैन सतीश शर्मा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की बढ़ती और मज़बूत जन-मांग से घबराई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एक बार फिर अलग जम्मू का मुद्दा उछालकर जनता को गुमराह करने की साज़िश रची है। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से ध्यान भटकाने की राजनीति है ताकि जम्मू-कश्मीर के लोग पुनः राज्य बहाली की अपनी जायज़ मांग को भूल जाएँ।सतीश शर्मा ने कहा कि आज जम्मू-कश्मीर का हर वर्ग—युवा, मज़दूर, व्यापारी, कर्मचारी और आम

नागरिक—यह महसूस कर रहा है कि राज्य का दर्जा छीने जाने से लोकतंत्र कमजोर हुआ है और विकास की रफ्तार थम गई है। भाजपा इस सच्चाई का सामना करने के बजाय भावनात्मक और विभाजनकारी मुद्दों को हवा देकर जनता को आपस में बाँटना चाहती है। अलग जम्मू का नारा इसी असफलता को छिपाने का एक हथकंडा है। उन्होंने केंद्र सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि भाजपा ने जनता से बड़े-बड़े वादे किए थे लेकिन ज़मीनी हकीकत यह है कि बेरोज़गारी बढ़ी है, मनरेगा जैसे जन-कल्याणकारी कार्यक्रम कमजोर किए जा रहे हैं, व्यापार प्रभावित हुआ है और स्थानीय निकाय शक्तिहीन बने हुए हैं। राज्य बहाली पर बार-बार आश्वासन देने के बावजूद केंद्र सरकार आज तक कोई स्पष्ट समय-सीमा बताने में नाकाम रही है। यह लोकतंत्र के साथ सीधा धोखा है। प्रदेश कांग्रेस महासचिव एवं पूर्व चेयरमैन ने स्पष्ट किया कि राज्य बहाली की मांग किसी एक क्षेत्र की नहीं, बल्कि जम्मू, कश्मीर और लद्दाख के साझा हितों से जुड़ी हुई है। राज्य का दर्जा बहाल होने से ही चुनी हुई सरकारें जनता के प्रति जवाबदेह होंगी मनरेगा जैसे कार्यक्रमों को मजबूती मिलेगी और स्थानीय समस्याओं का समाधान प्रभावी ढंग से हो सकेगा।

कठुआ पुलिस ने किरायेदार सत्यापन अभियान तेज किया, नियम उल्लंघन पर कई एफआईआर दर्ज

कठुआ, 22 जनवरी (हि.स.)। कठुआ पुलिस ने किरायेदार सत्यापन नियमों के सख्त अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए जिलेभर में विशेष अभियान तेज कर दिया है। अभियान के तहत नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए कई एफआईआर दर्ज की गई हैं। नगरी पुलिस पोस्ट को मिली विश्वसनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पाया गया कि अजीजपुर बडाला निवासी फेनू पुत्र कासिम दीन ने अपने आवासीय मकान में बिना पुलिस सत्यापन के किरायेदार रखे हुए थे जो जिला मजिस्ट्रेट कठुआ के आदेशों का उल्लंघन है। इसी तरह के एक अन्य मामले में अजीजपुर बडाला के ही निवासी रशपाल सिंह, जोगिंदर सिंह (पुत्र गण सिंह), सन्नी सिंह (पुत्र कुलदीप सिंह) और कर्ण सिंह (पुत्र करम सिंह) द्वारा अपनी भूमि पर बनाए गए झुग्गियों में ट्राइकॉन कंपनी और कल्याण प्रोजेक्ट्स से जुड़े लगभग 100 से 200 मजदूरों को बिना पुलिस सत्यापन के किराये पर रखा गया। ये मजदूर उत्तर प्रदेश, कश्मीर सहित देश के विभिन्न हिस्सों से संबंधित हैं। यह भी जिला मजिस्ट्रेट के आदेशों का सीधा उल्लंघन पाया गया। इस संबंध में थाना कठुआ में एफआईआर संख्या 36/2026, 37/2026 और 38/2026, धारा 223 बीएनएस के तहत दर्ज की गई हैं। यह अभियान पुलिस पोस्ट नगरी के प्रभारी पीएसआई रविंदर ठाकुर द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कठुआ राहुल चरक (जेकेपीएस), डीएसपी मुख्यालय रविंदर सिंह और थाना प्रभारी कठुआ निरीक्षक संदीप चिब की निगरानी में चलाया गया।

भगवान श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ पर कठुआ जिले में भव्य धार्मिक आयोजन

कठुआ, 22 जनवरी (हि.स.)। श्रीराम भगवान की प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर 22 जनवरी को जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले भर में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ अनेक धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में शोभा यात्राएं, भजन-कीर्तन, प्रवचन और विशाल भंडारों के माध्यम से यह पर्व भव्य रूप में मनाया गया।

जम्मू-कश्मीर के प्रवेश द्वार लखनपुर स्थित ऐतिहासिक किले वाले मंदिर में एक विशाल धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें गंगाधर जी महाराज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने उनका पारंपरिक ढंग से भव्य स्वागत किया। वहीं गंगा दास शास्त्री जी महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए श्रीराम के आदर्शों और मर्यादा पुरुषोत्तम के जीवन मूल्यों पर प्रेरक प्रवचन दिए। किले वाले मंदिर के महंत श्री श्री 1008 महंत शांति गिरी जी महाराज ने श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा के दो वर्ष पूर्ण होने पर समस्त श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपील की कि 22 जनवरी को प्रतिवर्ष 卐देव दिवाली卐 के रूप में मनाया जाए, ताकि समाज में धार्मिक चेतना और सांस्कृतिक एकता और अधिक सुदृढ़ हो सके। कठुआ जिले के विभिन्न हिस्सों में विशाल भंडारों का आयोजन किया गया जहां श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर सेवा कार्य में हिस्सा लिया। जगह-जगह भव्य शोभा यात्राएं निकाली गईं जिनमें जय श्री राम के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। कठुआ शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी गांव-गांव में पूजा-अर्चना, लंगर सेवा और शोभा यात्राओं के माध्यम से श्रीराम की महिमा का गुणगान किया गया। पूरे जिले में आयोजित इन कार्यक्रमों ने न केवल धार्मिक आस्था को प्रबल किया बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक समरसता का भी सुंदर संदेश दिया।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, MECHANICAL & HOSPITAL DIVISION JAMMU

NOTICE INVITING TENDER

(Short Term)

MHDJ/e-NIT 330 of 2025-26 **Dated: 21.01.2026** **Due : 28.01.2026**

On behalf of the President of India, e-tenders in two cover system on turnkey basis are invited from registered/reputed firms having sufficient relevant experience for the work mentioned below:

S. No	Description of work	Project Authority	Estt	Earnest Money Deposit	Cost of tender document	Time of completion	Eligibility Criterion of Bidder
	Repair and Service of Tata Bus Registration No JK02BX 3471 of GMCH Jammu .	Principal GMCH Jammu	1.55 LACS	Rs 4000.00 in the Shape of CDR/FDR/TDR valid for 12 months pledged to the Executive Engineer MH Division Jammu	Rs 200.00 in the shape of Challan through J&K Govt. Treasury indicating Treasury Voucher No. & date and also indicating the name of work duly credited to 0059-PWD (Revenue) and uploading a copy of treasury challan / receipt on e-tendering portal. OR The bidder may deposit tender fee in the shape of e-Challan through Account no. 0097010100002163 in the name of Executive Engineer Mechanical & Hospital Division Jammu Name of Bank: J&K Bank Town Hall Jammu Branch Code:0097 IFSC code: JAKA0TNHALL MICR CODE: 180051025	15 days	OEM/Authorized /Registered & Reputed firms having sufficient experience as per Annexure "C" Similar nature of work

THE NIT CONSISTING OF Qualifying INFORMATION, ELGIBILITY CRITERIA, BILL OF QUANTITIES (BOQ) SETS OF TERMS & CONDITIONS OF CONTRACT & OTHER DETAILS CAN BE VIEWED / DOWNLOADED FROM THE WEBSITE www.jktenders.gov.in

DIP/J-10535/25
Dtd: 22-1-2026

Sd/-
(Er. Vishal Mahajan)
Executive Engineer
Mechanical & Hospital Division
Jammu

संपादकीय

आवारा कुत्तों के आतंक से निपटना

राजौरी के थंडीक्स्सी क्षेत्र से आवारा कुत्तों के हमले का एक और चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक वर्ष के मासूम बच्चे को कुत्ते ने काटकर घायल कर दिया। बताया गया है कि बच्चे को तुरंत जीएमसी राजौरी के एंटी-रेबीज सेक्शन में लाया गया, जहां उसके चेहरे पर दाहिनी आंख के नीचे कैटेगरी-III डॉग बाइट की चोट का समय पर और उचित इलाज किया गया। हालांकि बच्चे को तत्काल चिकित्सा सहायता मिल गई, लेकिन यह घटना एक बार फिर आवारा कुत्तों के बढ़ते खतरे को उजागर करती है, जिस पर देश की सर्वोच्च अदालत पहले ही दिशा-निर्देश दे चुकी है।

सूत्रों के अनुसार, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एन.वी. अंजारिया की पीठ ने हाल ही में संकेत दिया है कि कुत्तों के काटने से होने वाली चोटों या मौत के मामलों में राज्यों पर भारी मुआवजा लगाया जा सकता है और आवारा कुत्तों को खाना खिलाने वाले व्यक्तियों की भी जवाबदेही तय की जा सकती है। अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि जो लोग आवारा कुत्तों को भोजन कराते हैं, उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ये कुत्ते उनके घरों या परिसरों तक ही सीमित रहें और बाहर लोगों के लिए खतरा न बनें।

देश की शीर्ष अदालत ने इस मामले को अत्यंत गंभीरता से लिया है, लेकिन इसके बावजूद जमीनी स्तर पर स्थिति में कोई खास बदलाव नजर नहीं आ रहा है। कुछ ही दिन पहले सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर एक पॉडकास्ट के दौरान अपनी टिप्पणियों पर की गई टिप्पणी को लेकर पशु अधिकार कार्यकर्ता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी को कड़ी फटकार भी लगाई थी।

जब अधिकांश लोग, जिनमें संबंधित अधिकारी भी शामिल हैं, इस समस्या को लेकर उदासीन बने हुए हैं और कई तथाकथित पशु प्रेमी भी सर्वोच्च अदालत की टिप्पणियों को सही दृष्टिकोण से नहीं ले रहे हैं, तो ऐसे में आम नागरिक के लिए स्वयं सतर्क रहना आवश्यक हो जाता है। कुत्ते के काटने या हमले की स्थिति में तुरंत चिकित्सकीय सहायता लेना, घाव को अच्छी तरह धोना, एंटी-रेबीज वैक्सीन (एआरवी) और एंटी-रेबीज सीरम (एआरएस) निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार लगवाना बेहद जरूरी है। आवारा कुत्तों के काटने के मामलों को अत्यधिक गंभीरता से लेना चाहिए क्योंकि रेबीज एक जानलेवा बीमारी है, जिसके लक्षण प्रकट होने के बाद मृत्यु दर लगभग 100 प्रतिशत होती है, हालांकि समय पर और सही इलाज से यह 100 प्रतिशत रोकी जा सकती है।

जहां तक जम्मू-कश्मीर सरकार का सवाल है, तो इस गंभीर समस्या को लेकर ढिलाई छोड़ना और आवारा कुत्तों की आबादी के

आबादी के बोझ से दबी दिल्ली

दिल्ली विकास प्राधिकरण(डीडीए) की स्थापना दिल्ली को व्यवस्थित करने की योजना बनाने के लिए की गई, मकान बना कर बेचना उसने अपना मुख्य काम बना लिया। धीरे-धीरे उसके मास्टर प्लान बेकार साबित होने लगे और वह एक बड़ा बिल्डर जैसा बन गया। दुनिया के अमीर देश-अमेरिका और चीन बिजली बचाने के लिए अंतरिक्ष में डाटा सेंटर बना रहे हैं। अपने देश में अभी तक एक दूसरे राज्य से बिजली-पानी खरीदने-बेचने में ही लगे हुए हैं। दिल्ली अपनी जरूरत का केवल दस फीसदी पानी अपने से जुटा पाती है। बाकी के लिए तो दूसरे राज्यों पर ही निर्भरता है। फिर भी लगातार दिल्ली में पानी का संकट बना ही हुई है।

मनोज कुमार मिश्र

दिल्ली में बढ़ रही बेहिसाब आबादी से केवल मकान और रोजगार का संकट ही नहीं बढ़ रहा है बल्कि इसका असर बिजली-पानी की आपूर्ति से लेकर प्रदूषण बढ़ाने पर हो रहा है। दिल्ली का क्षेत्रफल 1915 से आज तक 1483 वर्ग किलोमीटर ही है लेकिन आबादी 2 लाख 38 हजार से बढ़कर करीब तीन करोड़ हो गई। इतना ही नहीं, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) की कुल आबादी चार करोड़ से ज्यादा हो गई है। दिल्ली की सीमा बढ़ने की कोई संभावना नहीं दिख रही है। ऐसे में दिल्ली से आबादी का दबाव कम करने और हर साल बाहर से आकर दिल्ली में बसने वाली औसतन पांच लाख की अतिरिक्त आबादी को दिल्ली में आने से रोकने के लिए दिल्ली जैसी सुविधा दिल्ली के बाहर उपलब्ध कराना सरकारों के लिए बड़ी चुनौती है। ऐसा न होने पर दिल्ली में मूलभूत सुविधाओं का संकट बढ़ता जाएगा, प्रदूषण की समस्या और बड़ी और स्थाई होती जाएगी।आबादी के दबाव से अनधिकृत कालोनी बढ़ती जाएगी और यमुना कभी भी साफ नहीं हो पाएगी।

राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव और वोट की राजनीति में पिछड़ने के भय से पहले की सरकारों ने दिल्ली पर आबादी के बोझ को कम करने के फैसले लिए लेकिन उस पर अमल नहीं हो पाया। सत्तर के दशक में करीब पचास बड़े सरकारी दफ्तर दिल्ली से बाहर ले जाने का फैसला हुआ। एक को उसमें से गए ही गिनती के, जो गए भी उनके मुख्य दफ्तर से ज्यादा उनकी दिल्ली शाखा का दफ्तर बड़ा होता गया। उसी तरह 1985 में एनसीआर योजना बोर्ड बनी। उसे 1988 से लागू करना शुरू किया गया।

बोर्ड के पास कार्रवाई का ठोस अधिकार न होने से वह काम शुरू करने से पहले ही विफल हो गया। यह बात बोर्ड के सदस्य सचिव रहे वरिष्ठ आईएएस अधिकारी ओमेश सहगल ने सदस्य सचिव रहते 1996 में भी कही जो बाद में दिल्ली के मुख्य सचिव भी रहे।

उनका कहना था कि साल 1971-72 में केन्द्र सरकार ने सरकारी और अर्ध सरकारी करीब 50 संस्थानों के दफ्तर दिल्ली से बाहर भेजना तय किया। ओएनजीसी की मुख्यालय देहरादून, कोल इंडिया लिमिटेड का कोलकाता, भारत पेट्रोलियम, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम और भारतीय स्टेट बैंक आदि के मुख्यालय मुंबई इत्यादि बाहर गए तो लेकिन न जाने वालों की संख्या ज्यादा रही। जो गए भी उनके क्षेत्रीय दफ्तर मुख्यालय से ज्यादा बड़े हो गए। उसके कर्मचारी और संबंधित लोग दिल्ली में रह गए। सालों पहले अदालत ने साफ तौर पर दिल्ली में उद्योग लगाने पर पाबंदी लगाई। माना गया कि केवल सेवा क्षेत्र के काम-स्कूल, अस्पताल, होटल इत्यादि ही दिल्ली में लगेंगे। वास्तव में ऐसा हुआ नहीं। जब एनसीआर योजना बनी तब दिल्ली में और पड़ोस के राज्यों में कांग्रेस की सरकारें थीं। बावजूद योजना ठीक से लागू नहीं हो पाई।

ओमेश सहगल इसका एक बड़ा कारण मानते हैं कि बोर्ड के पास कोई ठोस अधिकार है ही नहीं। वह किसी को सजा दे ही नहीं सकती। इसलिए योजना कागजों पर ही रही और बेहिसाब तरीके से आबादी बढ़ती गई। इतना ही नहीं कोई राज्य सरकार दिल्ली के उपयोग के लिए अपनी जमीन देना तो दूर अपने राज्य सरकार के अधिकारों में कोई हस्तक्षेप नहीं करने देती। सबसे बड़ी समस्या तो यह है कि पूरे एनसीआर ही नहीं पड़ोसी शहरों के लोग नागरिक सुविधाओं के लिए दिल्ली आने पर मजबूर हैं। हवाई अड्डा (अब जेवर में शुरू होने वाला है), बड़े रेलवे स्टेशन, बड़े अस्पताल, बढ़िया स्कूल-कालेज के लिए तो लोगों को दिल्ली ही आना पड़ रहा है। लोग आएंगे तो गाड़ियां आएंगी।

उससे प्रदूषण बढ़ेगा। इसलिए बिना ठोस योजना और राजनीतिक इच्छा शक्ति के दिल्ली पर से आबादी का बोझ कम ही नहीं हो सकता। वे कहते हैं कि दो बार दिल्ली की अनधिकृत कालोनियों को नियमित किया गया। जब वे मुख्य सचिव थे तब पता नहीं कैसे एरियल सर्वे में एक भी अनधिकृत कालोनी नहीं दिखी और आज यह संख्या तीन हजार पार कर गई। सवाल है कि यह सारी कालोनियां या दिल्ली के हर इलाके में अनधिकृत निर्माण कैसे और किसने किए, इस पर ठोस कारवाई हुए बिना दिल्ली को बचाया नहीं जा सकता है।

दिल्ली में आबकारी आयुक्त रहे एके सिंह कहते हैं कि कोई भी राज्य आपकी सलाह मानने को तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि आबकारी आयुक्त रहते हुए शराब की तस्करी को रोकने के लिए उन्होंने हरियाणा के आबकारी आयुक्त से आबकारी कर समान करने के लिए पहल करने को कहा, वे इसके लिए तैयार नहीं हुए। दिल्ली में अपने आप ही आबादी बेहिसाब बढ़ रही है, ऊपर से पड़ोस के इलाकों से हर रोज पचास से साठ लाख लोग आते हैं। वे पैदल तो आते नहीं। उनके वाहन पहले से बढ़े प्रदूषण को बढ़ाने में योगदान दे रहे हैं। दिल्ली की अपनी सरकारी एजेंसियों में तालमेल न होने के चलते भी दिल्ली का नुकसान होता जा रहा है।

दिल्ली विकास प्राधिकरण(डीडीए) की स्थापना दिल्ली को व्यवस्थित करने की योजना बनाने के लिए की गई, मकान बना कर बेचना उसने अपना मुख्य काम बना लिया। धीरे-धीरे उसके मास्टर प्लान बेकार साबित होने लगे और वह एक बड़ा बिल्डर जैसा बन गया। दुनिया के अमीर देश-अमेरिका और चीन बिजली बचाने के लिए अंतरिक्ष में डाटा सेंटर बना रहे हैं। अपने देश में अभी तक एक दूसरे राज्य से बिजली-पानी खरीदने-बेचने में ही लगे हुए हैं। दिल्ली अपनी जरूरत का केवल दस फीसदी पानी अपने से जुटा पाती है। बाकी के लिए तो दूसरे राज्यों पर ही निर्भरता है। फिर भी लगातार दिल्ली में पानी का संकट बना ही हुई है। हिमाचल प्रदेश के रेणुका बांध से दिल्ली को पानी मिलने का भरोसा सालों से मिल रहा है। यह कैसे संभव है कि दूसरे राज्य अपने पानी न लेकर सारा ही पानी दिल्ली को देने लगेंगे।

हालात इस बार बदले हुए हैं। एनसीआर योजना के समय दिल्ली और पड़ोस के राज्यों में कांग्रेस की सरकार थी तो अभी हर जगह भाजपा की सरकार है। इतना ही नहीं गजब राजनीतिक इच्छाशक्ति वाले नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री हैं। दिल्ली पर यातायात का दबाव घटाने के लिए मोदी सरकार ने ईस्टर्न पेरिफेरियल एक्सप्रेसवे, वेस्टर्न पेरिफेरियल एक्सप्रेसवे, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे और दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे बनाया। दिल्ली मेट्रो रेल दिल्ली और एनसीआर में 295 किलोमीटर तक बन चुका है। चौथे चरण में इसमें करीब 48 किलोमीटर और जुड़ जाएगा। इस पर भी काम शुरू हो गया है। दिल्ली मेट्रो से हर रोज यात्रा करने वालों की औसत संख्या पचास लाख से ऊपर है। यह संख्या 70 लाख भी पार कर जाती है। दिल्ली-मेरठ नमो भारत रेल कोरिडोर के बाद दिल्ली-करनाल और दिल्ली-अरवल कोरिडोर बनने वाला है। इन सभी का लाभ तो दिल्ली को होगा ही।

दिल्ली की समस्या यह है कि दिल्ली का अपना ज्यादा कुछ नहीं है। मौसम भी पड़ोसी राज्यों पर निर्भर है। इतना ही नहीं दिल्ली अपनी जरूरतों को पूरा करने के संसाधनों के लिए भी दूसरे राज्यों पर निर्भर है। 1911 में दिल्ली देश की राजधानी बनी तब दिल्ली की आबादी करीब 2,38 हजार थी, जो 1947 में बढ़कर 6,95 हजार हो गई थी। अब आबादी करीब तीन करोड़ है और एनसीआर की कुल आबादी की करीब साढ़े चार करोड़ हो गई है। एनसीआर की आबादी भी मूल रूप से दिल्ली की आबादी ही है। दिल्ली से बाहर बसने वाले ज्यादातर लोग आज भी दिल्ली से ही जुड़े हुए हैं। उनमें ज्यादातर के कारोबार या नौकरी दिल्ली में ही है। राजधानी बनने के बाद 1915 में यमुना पार के 65 गांव दिल्ली में जुड़े। तब से दिल्ली का इलाका 1483 किलोमीटर ही बना हुआ है। निकट भविष्य में इसमें बढ़ोतरी होने की संभावना नहीं दिख रही।

दिल्ली से आबादी का दबाव घटाने और अब बेकार मानी जाने वाली डीडीए को सहयोग देने के लिए डीडीए की तरह ही केन्द्रीय शहरी विकास मंत्रालय के अधीन एनसीआर बनाने की योजना तो 1962 में ही बनी लेकिन उसका गठन 1985 में हो पाया। केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री इसके अध्यक्ष और दिल्ली के उप राज्यपाल के अलावा उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के मुख्यमंत्री इसके सदस्य बनाए गए। एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी इसके सदस्य सचिव होते हैं। 1985 में बोर्ड बनने पर 2001 की आबादी को लक्ष्य मानकर 1988 में काम शुरू हुआ तब तक योजना से ज्यादा आबादी हो गई थी। एनसीआर के शहरों और दिल्ली के बीच में एक किलोमीटर का गलियारा हरियाली के लिए छोड़ना था। यानि एनसीआर बसना था दिल्ली से हट कर वे बस गए दिल्ली से सटकर। इतना ही नहीं दिल्ली में एक तरह से हर किसी को हर जगह एक तरह से अवैध निर्माण करने की छूट दे दी गई। जो योजनाएं पहले से बनी उसमें तो केवल खामियां ही खामियां हैं। दुनिया के सबसे महंगे इलाके कनाट प्लेस में हर वर्ग के सरकारी कर्मचारियों के लिए फ्लैट बना दिए गए।

यह तो मान भी लिया जाए कि गरीब लोगों को खाली जगह मुफ्त में सरकार आवास उपलब्ध करवाए लेकिन अमीरों की कई-कई करोड़ की एक-एक अवैध सैनिक फार्म हाऊस को भी न तोड़ा जाए, यह समझ से परे है। एनसीआर के गठन के समय इसे दिल्ली के 1483 के अलावा हरियाणा के छह जिलों के 13,413, उत्तर प्रदेश के चार जिलों के 10,885 और राजस्थान के 4,493 यानि 30, 240 वर्ग किलोमीटर इलाके को एनसीआर में शामिल किया गया। तब योजना थी कि 2001 में दिल्ली की हो जाने वाली 1,32 लाख आबादी में से 20 लाख आबादी को इन इलाकों में भेजा जाए। इसके लिए इन सभी जगहों में दिल्ली जैसी सुविधा उपलब्ध कराई जाए। ऐसा कुछ भी नहीं हो पाया और दिल्ली की आबादी लगातार बढ़ती गई। यह सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रही है। लोगों को भरोसा है कि तीसरी बार भारी जनादेश से प्रधानमंत्री अपनी कार्यशैली से इस बदल पाएं।

(लेखक, जाने-माने वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

नूतन ऊर्जा और ऊष्मा का संचरण करती है वसंतपंचमी

-आचार्य पं. पृथ्वीनाथ पाण्डेय

वसंत ऋतु की मस्ती और उल्लास के क्षण में वसंतपंचमी का पर्व मनाया जाता है। यह पर्व मानव-हृदय मे नूतन ऊर्जा और ऊष्मा का संचरण करता है। सरस्वती की आराधना इस पर्व की विशेषता है। वस्तुत- सरस्वती कला और साहित्य की देवी हैं, जिनका भारतीय संस्कृति में शीर्ष स्थान है। हमारे पौराणिक ग्रन्थों में सरस्वती नागेश्वरी, भारती, शारदा, हंसवाहिनी, वीणावादिनी इत्यादिक नामों से विश्रुत हैं तथा अत्यन्त विस्तारपूर्वक उनकी महिमा का वर्णन भी किया गया है। इसी आधार पर देश के विभिन्न भू-भागों में वसंतपंचमी के अलौकिक अवसर पर माँ शारदा का अर्चन-पूजन-स्तवन अतीव श्रद्धापूर्वक किया जाता है। वसंतपंचमी का पर्व भगवती सरस्वती को समर्पित रहता है।

अब आइए! वसंतपंचमी का व्याकरणिक ज्ञान प्राप्त करें। वसंतपंचमी में दो शब्द हैं :- वसंत और पंचमी। हम पहले वसंत शब्द को समझेंगे। यह वस् धातु का शब्द है, जिसमे झ प्रत्यय जुड़ा हुआ है। इस प्रकार वसंत शब्द का सर्जन होता है। हेमन्त और ग्रीष्म के मध्य की ऋतु वसंत है। अब समझते हैं, पंचमी को। पंचम शब्द मे ङीष् प्रत्यय के जुड़ने से पंचमी शब्द की रचना होती है। चान्द्रमास के प्रत्येक पक्ष की पाँचवीं तिथि पंचमी कहलाती है। इस प्रकार वसंतपंचमी का अर्थ हुआ- माघमास की शुक्लपंचमी। इसे श्रीपंचमी भी कहा गया है। यदि आप वसंतपंचमी को अलग-अलग करके वसंत पंचमी लिखते हैं तो आपका लेखन अशुद्ध माना जायेगा। आप इसे शुद्धतापूर्वक दो प्रकार से लिख सकते हैं :- (1) वसंतपंचमी (2) वसंत-पंचमी।

वसंतपंचमी पर्व-आयोजन के मूल में एक मोहक कथा है। आप भी श्रवण करें

जब सृष्टि का आरम्भ होने का समय आ गया था तब भगवान् विष्णु ने ब्रह्मा को अपने पास बुलाया और उन्हें आदेश किया था- आप मनुष्य-योनि की रचना आरम्भ करें। ब्रह्मा ने भगवान् विष्णु का आदेश ग्रहण करने के पश्चात् मनुष्य-योनि की रचना की थी; परन्तु ब्रह्मा अपनी उस रचना से संतुष्ट नहीं थे। वे भगवान् विष्णु के पास पहुँचे और उनसे पुनः रचना करने के लिए अनुमति माँगी थी। विष्णु ने अपनी अनुमति दे दी थी। वे अपने लोक ब्रह्मलोक लौट आये। अब वे सृष्टिरचना-प्रक्रिया से जुड़ गये। उन्होंने अपने कमण्डल से जल निकालकर उसे पृथ्वी पर छिड़क दिया था, जिसके कारण पृथ्वी में प्रतिक्रिया होने लगी, फलस्वरूप पृथ्वी पर कम्पन होने लगा तथा देखते-ही-देखते, एक अद्भुत शक्ति प्रकट हो गयी, जिसकी चार भुजाएँ थीं, जो सुदर्शना थी। उस चतुर्भुजी देवी के एक हाथ में वीणा और दूजा हाथ वर देने की मुद्रा में था। उनके अन्य दो हाथों में पुस्तक और माला थी। उस चतुर्भुजी देवी ने अपने प्रकट होते ही वीणा का सुमधुर झंकार किया था, जिससे संसार के समस्त जीवधारियों को वाणी प्राप्त हो गयी थी। उस प्रभाव का अनुभव करते ही, ब्रह्मा ने उस देवी का वाग्देवी/वाग्देवी/वाणी की देवी सरस्वती का नामकरण किया था।

माँ सरस्वती की सर्वप्रथम आराधना करके सरस्वती-पूजन का समारम्भ श्री कृष्ण ने किया था। इसके लिए सिर पर मुकुट, गले में वैजयन्तीमाला, हाथों में मुरली धारण करते हुए, उन्होंने सर्वप्रथम देवी सरस्वती की अभ्यर्थना की थी।

ब्रह्मवैवर्तपुराण के प्रकृति- खण्ड में कहा गया है कि श्री कृष्ण द्वारा पूजित होने पर माँ सरस्वती समस्त लोक मे सबके द्वारा पूजी जायेंगी। इसी अवसर पर श्री कृष्ण ने सरस्वती को यह वर दिया था- हे सरस्वती! अब तुम्हारी पूजा सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड में प्रत्येक माघमास की शुक्लपंचमी की तिथि से समारम्भ हो जायेगी, जो यही विद्यारम्भ की तिथि भी कहलायेगी।

वास्तव में, सरस्वती जलदेवी हैं। सरस्वती नदी के नाम पर ही उनका उल्लेख किया जाता है। उनका जल हिमालय से निर्गत होता है, जो दक्षिण-पूर्व प्रवहमानता के साथ तीर्थराज प्रयाग-स्थित गंगा-यमुना के साथ संगम कर, त्रिवेणी के नाम से अभिहित होने लगता है। सरस्वती को वाग्देवी और ज्ञानदेवी की संज्ञा से भी विभूषित किया गया है। उल्लेखनीय है कि प्राचीनकाल में इसी सारस्वत अवसर पर गुरुकुलों और आश्रमों के स्नातकों के दीक्षान्त-समारोह आयोजित किये जाते थे।

वसंत को ऋतुराज भी कहा जाता है। यों तो सिद्धान्ततः वसंत ऋतु तीन महीने की होती है; तापमान सामान्य रहता है; न तो अधिक शीत की ठिठुरन और न ही अधिक ग्रीष्म की तपन।

फाल्गुन (फागुन का तत्सम शब्द)- मास है; शिशिर ऋतु का अन्त हो रहा है। वह शीत, जिसने क्या मनुष्य, पशु, पक्षी, पौधे-पेड़; अर्थात् समस्त जड़-चेतनजगत् मे अपने तीक्ष्ण प्रहारों से ठिठुरन ला दी थी, अब वही आतंकी शीत अन्तिम श्वास ले रहा है। हवा में गरमाहट आ गयी है। वसंत का आगमन हो रहा है। उसके स्वागत और अभिनन्दन के लिए लताओं और वृक्षों ने नूतन परिधान धारण कर लिये हैं। सरसों वासंती साड़ी पहन इतरा रही है; इठला रही है तथा वसुधा पर सर्वत्र बिछी हरीतिमा पर अठखेलियाँ खेल रही है। ऐसा प्रतीत होता है, मानो क्षितिज वसुन्धरा के साथ संवाद करने और अभिरम्भ (भींचकर गले लगाने के लिए उद्यत) करने के लिए मचल हो उठा हो; नभ में विहगवृन्द उन्मुक्त भाव के साथ अपने वक्षप्रान्त को लहरा-लहराकर यों उड़ान भर रहे हैं, मानो अवनि और अम्बर-तल में स्वछ चाँदनी सम्पूर्ण आभा और प्रभा के साथ अपनी समुपस्थिति अंकित करा रही हो; पक्षियों का कलरव यों प्रतीत होता है, मानो उनका वृन्द (समूह) समवेत स्वर मे स्वागत-गान कर रहा हो; भौंरे विरुदावली गुनगुना रहे हैं; बौर की सम्पन्नता से आम की डालियाँ विनम्रतापूर्वक नतमस्तक हो रही हैं; वहीं पुष्पवाटिका मे रंग-विरंगे पुष्पों से सुशोभित पौधे यत्र-तत्र-सर्वत्र अपना सौरभ बिखेर रहे हैं। मन-प्राण को सम्मोहित करनेवाले ऐसे प्रफुल्ल वातावरण मे कुसुमाकर वसंत का पादप्रक्षेप (पदार्पण) होता है।

वसंतऋतु में प्रकृति अपना नव शृंगार करती है। रंग-विरंगे पुष्पों से अलंकृत उसका कोमल शरीर दर्शकगण को मन्त्रमुग्ध कर लेता है। ऐसे वातावरण की सृष्टि होती है, मानो प्रकृति नव वधू-सी प्रतीत हो रही हो, जिससे प्रेरित होकर ही कोकिल कूजती है; भ्रमर गुनगुनाते हैं; अन्य पक्षी कलरव कर, उसका यशोगान करते हैं तथा मानव रागरंग और और वसंत की मादक गन्ध से मस्त हो जाते हैं। मस्ती के ऐसे ही क्षण मे फाग का स्वर स्वतः फूट पड़ता है।

सृष्टि-सौन्दर्य की झाँकी वनो, उपवनो, पर्वतीय क्षेत्रों तथा ग्राम्यांचलों में ही देखने को मिलती है, जहाँ प्रकृति एवं निसर्ग के मनोहारी रूप के दर्शन होते हैं।

विदेशी निवेश, संयुक्त राष्ट्र और भारत

– डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत की अर्थव्यवस्था इन दिनों वैश्विक निवेशकों की नजरों में छाई हुई है। संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन (यूएनसीटीएडी) की सामने आई 'ग्लोबल इन्वेस्टमेंट ट्रेंड्स मॉनिटर' रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ष 2025 में भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में 73 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की है। कुल 47 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आकर्षित करने वाला भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ने वाले देशों में शीर्ष पंक्ति में नजर आ रहा है।

वस्तुतः यह वृद्धि मुख्य रूप से सेवा क्षेत्र में बड़े निवेशों से प्रेरित रही, जहां वित्तीय सेवाएं, आईटी, अनुसंधान एवं विकास जैसे क्षेत्रों ने प्रमुख भूमिका निभाई। उत्पादन क्षेत्र में भी निवेश बढ़ता हुआ दिखा है। कहना होगा कि इस निवेश उछाल के पीछे केंद्र की मोदी सरकार के दूरदर्शी प्रयास दिखाई देते हैं। साल 2014 के दौरान 'मेक इन इंडिया' अभियान से ही भारत ने अपने को विनिर्माण हब बनाने की दिशा में आगे बढ़ा दिया था, जिसके कि अब 10 साल बाद सार्थक परिणाम सामने आने लगे हैं। क्योंकि जब इस पहल ने 25 क्षेत्रों में स्वतः अनुमोदन मार्ग से एफडीआई खोल दिया, तब कुल एफडीआई स्टॉक एक ट्रिलियन डॉलर को पार कर गया।

सरकार ने रक्षा, रेलवे और बीमा जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में भी एफडीआई सीमा 74 प्रतिशत तक बढ़ाई है। यही वजय है कि प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम ने 14 क्षेत्रों में 1.97 लाख करोड़ रुपये के प्रोत्साहन दिए, जिसके फलस्वरूप ऐपल, सैमसंग जैसी कंपनियां भारत में बड़े प्लांट लगा रही हैं। डेटा सेंटर्स के क्षेत्र में 2025 की पहली तीन तिमाहियों में ही सात अरब डॉलर का निवेश भारत आ चुका है, जिसका परिणाम यह हुआ कि ये भारत को वैश्विक सूची में सातवें स्थान पर ले गया। चौथी तिमाही में यह और तेज हुआ है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2014 से 2025 के बीच एफडीआई इक्विटी प्रवाह 7 लाख 27 हजार करोड़ रुपये से अधिक हो गया, जो पूर्व यूपीए शासन के मुकाबले दोगुना है।

अक्टूबर 2025 में गूगल ने आंध्र प्रदेश में एआई हब के लिए 15 अरब डॉलर का निवेश घोषित किया, जो अब जमीन पर उतारा जा रहा है। दिसंबर में माइक्रोसॉफ्ट ने एआई, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर और डेटा सेंटर्स में 17.5 अरब डॉलर तथा अमेजन ने एआई एवं अन्य क्षेत्रों में 35 अरब डॉलर निवेश की पेशकश की गई है। एक तरह से देखें तो ये सभी घोषणाएं आज 'डिजिटल इंडिया' और 'नेशनल डेटा सेंटर पॉलिसी' का प्रत्यक्ष परिणाम हैं।

राज्यों के प्रयास बहुत सराहनीय है

यहां यह भी उल्लेख करना जरूरी लगता है कि इसमें केंद्र की नीतियां जितनी प्रभावी हैं, उतने ही महत्वपूर्ण हैं राज्य सरकारों के प्रयास, जिन्होंने निवेशकों को जमीन से जोड़ने सफलता प्राप्त की। उदाहरण स्वरूप आज हम मप्र और उप्र के प्रयासों को देख सकते हैं, ऐसे ही अन्य राज्यों में पिछले दिनों हुए कार्य हैं। मध्य प्रदेश (मप्र) ने 'इन्वेस्ट मप्र' पोर्टल के माध्यम से सिंगल विंडो सिस्टम लागू किया, जिससे 2025 में 1.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में 'ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025' में 420 अरब डॉलर के एमओयू साइन हुए, जिसमें डेटा सेंटर्स, सेमीकंडक्टर और रिन्यूएबल एनर्जी प्रमुख थे। भोपाल इंदौर कॉरिडोर में एचपी और फॉक्सकॉन जैसे निवेशक आ रहे हैं। मप्र ने पीएलआई स्कीम के तहत सोलर मैन्युफैक्चरिंग में 10 गीगावाट क्षमता जोड़ी, जिससे 50,000 नौकरियां सृजित हुईं। राज्य की 'नीति 25' ने भूमि बैंक तैयार किया, जिसके माध्यम से निवेशकों को तत्काल जमीन उपलब्ध हो रही है। उत्तर प्रदेश (यूपी) ने निवेश आकर्षण में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की 'उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023' के बाद 2025 में 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश फलीभूत हुए। 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' में टॉप रैंकिंग हासिल कर उप्र ने नोएडा और ग्रेटर नोएडा में डेटा सेंटर्स के लिए पांच अरब डॉलर आकर्षित किए। सेमीकंडक्टर पॉलिसी के तहत माइक्रोन ने एक अरब डॉलर का प्लांट लगाया, जबकि अदानी और हिरानंदानी ग्रुप ने सोलर प्रोजेक्ट्स में 20,000 करोड़ निवेश किया। उप्र की 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' योजना ने एफडीआई को ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाया। परिणाम स्वरूप दोनों राज्यों ने जीएसटी संग्रह में वृद्धि दर्ज की, मप्र में 20 प्रतिशत और यूपी में 25 प्रतिशत, जोकि निश्चित ही निवेश के सकारात्मक प्रभाव को दर्शा रहा है। इसी प्रकार के प्रयास अन्य राज्यों के भी कम-अधिक रहे हैं। यही कारण है कि सामने आई ये यूएनसीटीएडी रिपोर्ट वैश्विक एफडीआई में 14 प्रतिशत वृद्धि दिखाती है, जोकि 1.6 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया। इसमें डेटा सेंटर्स ने निवेश को नई दिशा दी है, कुल नए प्रोजेक्ट्स का 20 प्रतिशत हिस्सा इन्हीं से जुड़ा हुआ है। एआई इंफ्रास्ट्रक्चर पर 270 अरब डॉलर से अधिक घोषित हुए। सेमीकंडक्टर में 35 प्रतिशत वृद्धि हुई। इसमें भी खास बात यह है कि ये वृद्धि वस्त्र, इलेक्ट्रॉनिक्स और मशीनरी में 25 प्रतिशत गिरावट के सामने आने के बाद है । यहां भारत की यदि हम अन्य देशों से तुलना करें तो विकसित देशों में 43 प्रतिशत उछाल से 728 अरब डॉलर निवेश पहुंचा, किंतु विकासशील देशों में दो प्रतिशत कमी के साथ ये 877 अरब डॉलर रहा।

आईसीसी वनडे रैंकिंग: विराट कोहली से नंबर-1 का ताज छीनकर डैरिल मिचेल बने शीर्ष बल्लेबाज़

एजेंसी

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज़ डैरिल मिचेल ने ताज़ा आईसीसी वनडे रैंकिंग में विराट कोहली को पीछे छोड़ते हुए नंबर-1 बल्लेबाज़ का स्थान हासिल कर लिया है। मिचेल ने यह उपलब्धि भारत के खिलाफ हाल ही में संपन्न वनडे सीरीज़ में शानदार प्रदर्शन के दम पर हासिल की, जिसमें न्यूजीलैंड ने ऐतिहासिक रूप से 2-1 से सीरीज़ अपने नाम की। 34 वर्षीय डैरिल मिचेल ने तीन मैचों की इस सीरीज़ में 84, नाबाद 131 और 137 रनों की पारियां खेलते हुए कुल 352 रन बनाए। यह किसी तीन मैचों की वनडे सीरीज़ में किसी न्यूजीलैंड बल्लेबाज़ द्वारा बनाए गए सर्वाधिक रन हैं। ओवरऑल रिकॉर्ड में यह तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उनसे आगे केवल पाकिस्तान के बाबर आज़म (2016 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 360 रन) और भारत के शुभमन गिल (2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 360 रन) हैं। हालांकि न्यूजीलैंड को वडोदरा में खेले गए पहले वनडे में चार विकेट से हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन टीम ने शानदार वापसी करते हुए राजकोट में दूसरा मुकाबला सात विकेट से जीता और इंदौर में निर्णायक मैच 41 रनों से जीतकर सीरीज़ अपने नाम की।

टी20 विश्व कप: आईसीसी ने बांग्लादेश की भारत से बाहर मैच कराने की मांग खारिज की, अंतिम निर्णय के लिए दिया एक और दिन का समय

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) को टी20 विश्व कप 2026 में भारत आकर खेलने को लेकर अंतिम निर्णय लेने के लिए एक दिन का और समय दिया है। यदि बांग्लादेश सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत आने से इनकार करता है, तो आईसीसी बोर्ड ने टीम रैंकिंग के आधार पर स्कॉटलैंड को उसकी जगह टूर्नामेंट में शामिल करने का फैसला किया है। यह निर्णय हुई आईसीसी बोर्ड बैठक में लिया गया, जहां अधिकांश निदेशकों ने बांग्लादेश की जगह वैकल्पिक टीम को शामिल करने के पक्ष में मतदान किया। बैठक में मौजूद 15 निदेशकों में से केवल पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बीसीबी के रुख का समर्थन किया। यह बैठक उस समय बुलाई गई, जब पीसीबी ने मंगलवार को आईसीसी और अन्य क्रिकेट बोर्डों को पत्र लिखकर बांग्लादेश के पक्ष में अपना समर्थन जताया था। आईसीसी बोर्ड की बैठक में सभी फुल मेंबर देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में आईसीसी चेयर जय शाह के अलावा बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम, बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया, श्रीलंका क्रिकेट अध्यक्ष शम्मी सिल्वा, पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नक़वी, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया अध्यक्ष माइक बेयर्ड, जिम्बाब्वे क्रिकेट अध्यक्ष तवेंगा मुखुहलानी, वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड अध्यक्ष किशोर शैलो, क्रिकेट आयरलैंड चेयर ब्रायन मैकनीस, न्यूजीलैंड के प्रतिनिधि रोजर ट्वोज़, ईसीबी चेयर रिचर्ड थॉम्पसन, दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधि मोहम्मद मूसा जी और अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड अध्यक्ष मीरवाइस अशरफ मौजूद रहे।

भारत बनाम नीदरलैंड्स डेविस कप क्वालिफायर्स: शेड्यूल और टिकट बिक्री का ऐलान

बेंगलुरु। भारत और नीदरलैंड्स के बीच डेविस कप क्वालिफायर्स राउंड-1 मुकाबले का कार्यक्रम और टिकट से जुड़ी जानकारी आधिकारिक रूप से घोषित कर दी गई है। यह हाई-वोल्टेज मुकाबला 7 और 8 फरवरी 2026 को खेला जाएगा, जिसमें दो दिनों तक रोमांचक टीम टेनिस देखने को मिलेगा। दो दिवसीय इस टाई के पहले दिन, शनिवार (7 फरवरी) को दो एकल मुकाबले खेले जाएंगे, जबकि दूसरे दिन, रविवार (8 फरवरी) को युगल मुकाबले के बाद रिवर्स सिंगल्स होंगे। मुकाबले से पहले 6 फरवरी 2026 को आधिकारिक ड्रा सेरेमनी आयोजित की जाएगी, जिससे मुकाबले की तस्वीर पूरी तरह साफ हो जाएगी।विश्व रैंकिंग में 33वें स्थान पर काबिज भारतीय टीम के सामने कड़ी चुनौती होगी, क्योंकि नीदरलैंड्स की टीम इस समय दुनिया में चौथे स्थान पर है और 2024 डेविस कप की उपविजेता भी रह चुकी है। भारत की ओर से एकल मुकाबलों में सुमित नागल की अगुआई में दक्षिणेश्वर सुरेश और करण सिंह उतरेंगे, जबकि युगल में युकी भांबरी और ऋत्विक बोल्लिपल्ली जिम्मेदारी संभालेंगे। भारतीय टीम के कप्तान रोहित राजपाल होंगे, जबकि कोच की भूमिका में अशुतोष सिंह रहेंगे।

संघर्ष, समर्पण और खेलो इंडिया: स्करमा त्सुल्टिम बनीं लद्दाख की पहली अंतरराष्ट्रीय स्पीड स्केटर

लेह (लद्दाख)। लद्दाख की बेटी स्करमा त्सुल्टिम आज अंतरराष्ट्रीय स्पीड स्केटिंग में अपनी पहचान बना चुकी हैं, लेकिन उनकी यह यात्रा किसी बड़े सपने या योजना से शुरू नहीं हुई थी। साल 2018 की सर्दियों में, जब उन्होंने पहली बार आइस स्केटिंग के जूते पहने, तब वह महज एक स्कूली छात्रा थीं और 15 दिवसीय विंटर स्पोर्ट्स प्रशिक्षण शिविर में अन्य बच्चों की तरह हिस्सा ले रही थीं। स्केटिंग उन्हें न डरावनी लगी, न भारी—बल्कि स्वाभाविक लगी। यहीं से एक विचार ने जन्म लिया, जिसे आगे चलकर खेलो इंडिया विंटर गेम्स ने नई दिशा दी। हर सर्दी में स्केटिंग और मौसम खत्म होते ही सामान्य जीवन का सिलसिला 2021 तक चला। लद्दाख में सर्दियों के दौरान स्कूल बंद रहते हैं और जमी हुई गुपुख झीलें बच्चों के खेल के मैदान बन जाती हैं। स्करमा भी अपने भाई के साथ वहीं अभ्यास कर रही थीं, तभी कोच अब्बास नोरडाक की नजर उन पर पड़ी। प्रतिभा पहचानते हुए ।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026: जोकोविच ने क्वालिफ़ायर माएस्ट्रेल्ली को हराकर तीसरे राउंड में किया प्रवेश

एजेंसी

मेलबर्न। नोवाक जोकोविच ने इतालवी क्वालिफ़ायर फ्रांसेस्को माएस्ट्रेल्ली को 6-3, 6-2, 6-2 से हराते हुए ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे राउंड में जगह बना ली। रोड़ लैवर एरीना में अपनी शानदार यात्रा जारी रखते हुए 38 वर्षीय जोकोविच रिकॉर्ड-तोड़ 11वां मेलबर्न पार्क खिताब और कुल 25वें ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी की दिशा में एक कदम और बढ़ गए। चौथे सीड जोकोविच ने दूसरे राउंड के मैच में पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा और उच्च गति में जाने की आवश्यकता महसूस नहीं हुई। 23 वर्षीय माएस्ट्रेल्ली के बारे में बात करते हुए जोकोविच ने कहा, 'मैं कुछ दिन पहले तक उनके बारे में ज्यादा नहीं जानता था, यह आजकल अक्सर होता है। लेकिन हमेशा सम्मान रहता है और मैंने उन्हें कम

नहीं आंका। उनके पास शानदार खेल है, केवल अनुभव की कमी है। उनका खेल उन्हें रैंकिंग में ऊँचाई तक ले जा सकता है और मैं उन्हें इसके लिए शुभकामनाएँ देता हूँ। ' जोकोविच ने पहले सेट में दूसरे गेम में ब्रेक लेकर पकड़ मजबूत की और दूसरे सेट के पहले गेम में फिर से हमला करके विश्व रैंकिंग में 141वें नंबर के माएस्ट्रेल्ली पर दबाव बनाया। माएस्ट्रेल्ली ने कुछ मौके भुनाने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सके। जोकोविच ने सेट प्वाइंट एक शानदार बैकहैंड से बनाया और उसी फ्लैंक से अनरिटर्न्ड शॉट से सेट जीतकर ग्रैंड स्लैम में अपनी 399वीं जीत और मेलबर्न में 101वीं जीत दर्ज की, जो उन्हें रिकॉर्ड होल्डर रोजर फेडरर से केवल एक जीत पीछे छोड़ती है। तीसरे सेट में माएस्ट्रेल्ली ने दो ब्रेक गंवाने के बाद एक बार वापसी की, लेकिन जोकोविच ने फिर अपना स्तर बढ़ाया और जीत दर्ज कर डच खिलाड़ी बोतिक वान दे जांद्सचल्प के साथ तीसरे राउंड में मुकाबले का रास्ता साफ कर लिया।

बरेली प्रीमियर टी-20 क्रिकेट लीग का बिगुल

एजेंसी

बरेली। शकुंतला देवी की स्मृति में आयोजित सातवीं बरेली प्रीमियर टी-20 प्राइजमनी क्रिकेट लीग का आयोजन 23 से 30 जनवरी तक निशांत पटेल स्पोर्ट्स स्टेडियम (जीपी), दोहरा रोड पर किया जाएगा। प्रतियोगिता का शुभारम्भ 23 जनवरी को सुबह 9 बजे से होगा। आयोजन को लेकर हुई पत्रकार वार्ता में अध्यक्ष सुनील सक्सेना और सचिव प्रशांत रायजादा ने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी लीग का आयोजन पूरे जोश और भव्यता के साथ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में कुल 12 टीमें भाग लेंगी, जिनमें स्थानीय टीमों को भी मौका दिया गया है।लीग के विजेता को एक लाख रुपये जबकि उपविजेता टीम को 50 हजार रुपये की प्राइजमनी दी जाएगी। सभी टीमें कलर किट में मैदान पर उतरेंगी, जो आयोजन समिति की ओर से उपलब्ध कराई जाएंगी। यह लीग बरेली क्रिकेट एसोसिएशन से संबद्ध है। आयोजकों ने बताया कि इस लीग से कई बड़े खिलाड़ी निकलकर सामने आए हैं। पूर्व में यहां आईपीएल खिलाड़ी समीर रिजवी, आर्यन जुयाल, दीक्षांशु नेगी समेत रणजी स्तर के मो. कैफ, अनूप अहलावत, मयंक मिश्रा, सौरभ रावत, सागर रावत, सत्यम सांगू, शिवम शर्मा और शिवा सिंह जैसे नामचीन खिलाड़ी अपना हुनर दिखा चुके हैं। इस बार भी युवा क्रिकेटरों से शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है। पत्रकार वार्ता में मीडिया प्रभारी विवेक मिश्रा, संरक्षक संजय सक्सेना, अजीत सक्सेना, ओ.पी. कोहली और क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी चंचल मिश्रा मौजूद रहे। आयोजकों ने शहरवासियों से बड़ी संख्या में पहुंचकर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने की अपील की।

हर्षिता मोर की प्रेरक जीत से महाराष्ट्र केसरी ने यूपी डॉमिनेटर्स को कड़े मुकाबले में हराया

एजेंसी

नोएडा। हर्षिता मोर ने निर्णायक क्षण में शानदार प्रदर्शन करते हुए महाराष्ट्र केसरी को प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) 2026 के मैच 9 में यूपी डॉमिनेटर्स पर रोमांचक 5-4 की जीत दिलाई। नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले गए मैचडे सात के इस मुकाबले में महिलाओं के 76 किग्रा वर्ग में हर्षिता का शानदार फॉल निर्णायक साबित हुआ। इस जीत के साथ महाराष्ट्र केसरी चार अंकों और 14 बाउट जीत के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। वहीं, करीबी हार के बावजूद यूपी डॉमिनेटर्स चार अंकों और बेहतर 16 बाउट जीत के साथ तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है। हर्षिता मोर को प्लेयर ऑफ द मैच, जबकि यूपी डॉमिनेटर्स की अंडर-20 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियन तपस्या गहलावत को फाइटर ऑफ द मैच चुना गया। यूपी डॉमिनेटर्स ने मुकाबले की मजबूत शुरुआत की। पुरुषों के 86 किग्रा वर्ग में मिखाइलोव वासिल ने अमित के खिलाफ शुरुआती बढ़त बनाई। एक शुरुआती पुश-आउट गंवाने के बाद वासिल ने लगातार टेकडाउन

और टर्न-एंड-एक्सपोज़र के जरिए पहले पीरियड में नियंत्रण हासिल किया और दूसरे पीरियड में बढ़त बनाए रखते हुए 15-3 से आसान जीत दर्ज की। इसके बाद महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में तपस्या गहलावत ने मनीषा भानवाला के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए पावर मिनट में निर्णायक टेकडाउन-एंड-टर्न के दम पर हाई-स्कोरिंग मुकाबला 12-9 से अपने नाम किया। महाराष्ट्र केसरी की ओर से हेवीवेट वर्ग में कप्तान रॉबर्ट बारान ने जवाब दिया। बारान ने सटीक टेकडाउन और अंतिम चरण में निर्णायक एक्सपोज़र के साथ जसपूरन सिंह को 10-2 से हराकर टीम को मुकाबले में वापस ला दिया। इसके बाद पुरुषों के 74 किग्रा वर्ग में यश ने संयमित और नियंत्रित प्रदर्शन किया। पुश-आउट्स और एक्टिविटी पॉइंट्स का लाभ उठाते हुए उन्होंने अंतिम क्षणों में टेकडाउन कर 5-2 से जीत दर्ज की और स्कोर बराबर कर दिया।

भारत ने न्यूजीलैंड को 48 रन से हराया, टी20 सीरीज में 1-0 की बढ़त

एजेंसी

नागपुर। भारत ने पहले टी20 मुकाबले में न्यूजीलैंड को 48 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 238 रन बनाए, जो न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत का टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वोच्च स्कोर है।

भारत की पारी की शुरुआत खराब रही और टीम ने 27 रन पर दो विकेट गंवा दिए। इसके बाद अभिषेक शर्मा और कप्तान सूर्यकुमार यादव ने तीसरे विकेट के लिए 47 गेंदों में 99 रन जोड़कर पारी को संभाला। सूर्यकुमार ने 22 गेंदों में 32 रन बनाए, जबकि अभिषेक शर्मा ने 35 गेंदों में 8 छक्के और 5 चौकों की मदद से 84 रन की विस्फोटक पारी खेली। अंत में रिंकू सिंह ने 20 गेंदों में नाबाद 44 रन बनाकर स्कोर को विशाल बनाया।

238 रन के लक्ष्य का पीछा

करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम 7 विकेट पर 190 रन ही बना सकी। ग्लेन फिलिप्स ने 78 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेली, लेकिन वह टीम को जीत तक नहीं ले जा सके। भारत की ओर से वरुण चक्रवर्ती और शिवम दुबे ने दो-दो विकेट लिए, जबकि अर्शदीप सिंह, हार्दिक पांड्या और अक्षर पटेल को एक-एक सफलता मिली।

यूईएफए चैंपियंस लीग: लोपेज के दो गोल, बार्सिलोना ने स्लाविया प्राग को 4-2 से हराया

एजेंसी

प्राग। यूईएफए चैंपियंस लीग में बुधवार देर रात बेहद ठंडे मौसम के बीच खेले गए मुकाबले में बार्सिलोना ने शानदार वापसी करते हुए स्लाविया प्राग को 4-2 से मात दी। फर्मिन लोपेज ने दो गोल दागे, जबकि दूसरे हाफ में दानी ओल्मो और रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। इस जीत के साथ बार्सिलोना 13 अंकों के साथ अंक तालिका में नौवें स्थान पर पहुंच गया है। टीम के अभी एक मैच बाकी है और वह शीर्ष आठ में जगह बनाकर सीधे अंतिम-16 में पहुंचने की दौड़ में बनी हुई है। वहीं स्लाविया प्राग सिर्फ तीन अंकों के साथ तालिका में नीचे से तीसरे स्थान पर है। प्राग में माइनस आठ डिग्री सेल्सियस के कड़ाके की ठंड वाले माहौल में स्लाविया प्राग ने शानदार शुरुआत की। 10वें मिनट में कॉर्नर से बनाए गए एक बेहतरीन मूव पर टोमास होलेस ने गेंद को पास पोस्ट से फॉर पोस्ट की ओर बढ़ाया, जहां फ्रेंकी डी यॉन्ग के दबाव के बीच वासिल कुसेय ने गेंद को लाइन के पार

पहुंचा दिया। बार्सिलोना ने 34वें मिनट में बराबरी हासिल की। फर्मिन लोपेज ने बॉक्स के अंदर से तेज कोण से शानदार शॉट लगाया, जो हल्के डिफ्लेक्शन के बाद गोलकीपर जिन्द्रिच स्टानेक को चकमा देते हुए पास पोस्ट से गोल में चला गया। लोपेज ने 42वें मिनट में अपना दूसरा गोल करते हुए बार्सिलोना को बढ़त दिला दी। बॉक्स के किनारे से लगाए गए सटीक शॉट ने सीधे निचले दाएं कोने में जगह बनाई और स्टानेक के पास बचाव का कोई मौका नहीं रहा। हालांकि बार्सिलोना की यह बढ़त ज्यादा देर तक कायम नहीं रह सकी। दो मिनट बाद ही एक दुर्भाग्यपूर्ण क्षण में स्लाविया प्राग ने बराबरी कर ली। कॉर्नर का बचाव करते समय रॉबर्ट लेवांडोव्स्की के कंधे से गेंद टकराकर खुद ही गोल में चली गई और पहला हाफ 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुआ। दूसरे हाफ में बार्सिलोना ने खेल पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया और लगातार हमले किए। राफिन्हा, पेद्री और लोपेज को अच्छे मौके मिले, लेकिन वे उन्हें भुना नहीं सके। 64वें मिनट में सब्स्टीट्यूट के रूप में आए दानी ओल्मो ने शानदार गोल दागते हुए बॉक्स के बाहर से जबरदस्त शॉट लगाकर गेंद को गोल के ऊपरी कोने में पहुंचा दिया। 70वें मिनट में लेवांडोव्स्की ने अपने पहले किए गए आत्मघाती गोल की भरपाई करते हुए टीम की जीत पर मुहर लगा दी। दूसरे हाफ में मैदान पर उतरे मार्कस रैशफोर्ड ने बाईं ओर से तेज दौड़ लगाकर शानदार क्रॉस दिया। लेवांडोव्स्की पहले गेंद को नियंत्रित नहीं कर पाए, लेकिन तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने गेंद को गोलकीपर के पास से निकालकर नेट में डाल दिया।

बीपीएमवायम क्रिकेट फाइनल में भागलपुर ने फारबिसगंज को 33 रन से हराया

एजेंसी

अररिया। बिहार प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच की ओर से आयोजित बीपीएमवाईएम स्पोर्ट्स कार्निवाल सीजन वन का फाइनल में भागलपुर ने फारबिसगंज को 33 रनों से हराकर ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमाया। फारबिसगंज हवाई फील्ड मैदान में आज खेले गए फाइनल मैच में फारबिसगंज ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए भागलपुर की टीम ने निर्धारित 15 ओवरों में मात्र 2 विकेट के नुकसान पर 222 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी फारबिसगंज की टीम ने संघर्षपूर्ण खेल का प्रदर्शन किया, परंतु 15 ओवरों में 8 विकेट खोकर 190 रन ही बना सकी और मुकाबला भागलपुर के नाम रहा। मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश एम.जैन के फारबिसगंज आगमन पर फारबिसगंज मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष गौरव जैन द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया गया। संस्कृति शाखा की अध्यक्ष मनीषा माहेश्वरी ने पारंपरिक तिलक लगाकर स्वागत किया तथा शाखा की सदस्यों द्वारा पुष्प वर्षा कर अभिनंदन किया गया।

क्रिकेट ग्राउंड में राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत अध्यक्ष गौरव जैन द्वारा अंगवस्त्र एवं मोमेंटो भेंट कर किया गया। इसी अवसर पर फारबिसगंज शाखा के सक्रिय सदस्य एवं प्रांतीय खेल-कूद संयोजक निशांत गोयल को अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में राष्ट्रीय संयोजक नियुक्त किया गया, जो पूरे बिहार प्रांत के लिए गर्व का विषय है। समापन समारोह में मौजूद कटिहार की मेयर उषा देवी अग्रवाल कार्यक्रम में उपस्थित रहीं।

सऊदी प्रो लीग 2025-26: रोनाल्डो के निर्णायक गोल से अल नसर ने दमाक को 2-1 से हराया

एजेंसी

नई दिल्ली । अब्हा स्थित प्रिंस सुल्तान बिन अब्दुल अजीज स्टेडियम में बुधवार देर रात खेले गए सऊदी प्रो लीग 2025-26 के मुकाबले में क्रिस्टियानो रोनाल्डो के निर्णायक गोल की बदौलत अल नसर ने दमाक को 2-1 से मात दी। अल नसर के लिए मुकाबले का पहला गोल अब्दुलरहमान घरीब ने किया, जबकि रोनाल्डो ने बढ़त को दोगुना किया। दमाक की ओर से जमाल हारकस ने एकमात्र गोल दागा। इस जीत के साथ अल नसर तालिका में शीर्ष पर काबिज अल हिलाल से अस्थायी रूप से चार अंक पीछे है। वहीं, दमाक को अब भी सीजन की दूसरी जीत का इंतजार है और टीम 15वें स्थान पर बनी हुई है, जो रेलीगेशन जोन से सिर्फ एक पायदान ऊपर है। अल हिलाल

गुरुवार को अल फैहा की मेजबानी करेगा। पिछले पांच मैचों में सिर्फ चार अंक जुटाने के बाद अल नसर इस मुकाबले में शुरुआत से ही आक्रामक नजर आया। इसका फायदा टीम को पांचवें मिनट में मिला, जब किंग्सले कोमान ने दाईं ओर से गेंद को गोल लाइन तक ले जाकर कट-बैक पास दिया। डिफ्लेक्शन के बाद गेंद घरीब के पास पहुंची और 28 वर्षीय खिलाड़ी ने बाएं पैर से शॉट का फेक देकर गेंद को निचले बाएं कोने में डालते हुए टीम को बढ़त दिला दीपांच मिनट बाद ही रोनाल्डो के पास बढ़त दोगुनी करने का मौका था, जब उन्होंने जोआओ फेलिक्स के शानदार क्रॉस पर हेडर लगाया, लेकिन गेंद सीधे गोलकीपर के पास चली गई। पहले हाफ के अंतिम क्षणों में फेलिक्स को लगातार दो मौके मिले, लेकिन एक शॉट उनके पैर से ऊपर निकल गया, जबकि दूसरे प्रयास में क्रॉसबार आड़े आ गया। दूसरे हाफ में भी अल नसर ने वही आक्रामक रवैया बरकरार रखा और शुरुआत के पांच मिनट बाद ही रोनाल्डो ने सीजन का अपना 16वां गोल दाग दिया। जोआओ फेलिक्स के पास पर 41 वर्षीय रोनाल्डो ने तंग कोण से पहली ही टच में गेंद को जाल में पहुंचा दिया। मैच के नियमित समय के आखिरी 20 मिनट से थोड़ा पहले दमाक ने वापसी की कोशिश की। कॉर्नर से आए क्रॉस पर बिना मार्क किए खड़े जमाल हारकस ने गेंद को गोल में डालकर अंतर कम किया। हालांकि यह गोल दमाक के लिए काफी नहीं साबित हुआ और अल नसर ने बढ़त बनाए रखते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026: डिफेंडिंग चैंपियन मैडिसन कीज़ और छठी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला तीसरे दौर में पहुंचीं

एजेंसी

मेलबर्न। मेलबर्न पार्क में खेले जा रहे ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में डिफेंडिंग चैंपियन मैडिसन कीज़ ने अपने खेल में उतार-चढ़ाव के बावजूद तीसरे दौर में जगह बना ली है। खेले गए दूसरे दौर के मुकाबले में कीज़ ने अपनी हमवतन एशलिन क्रूगर को 6-1, 7-5 से हराया। मैच की शुरुआत में कीज़ पूरी तरह हावी रहीं। उन्होंने सिर्फ 23 मिनट में पहला सेट जीत लिया, जिसमें उन्होंने सात विनर्स लगाए और मिले तीनों ब्रेक प्वाइंट्स को भुनाया। हालांकि दूसरे सेट में विश्व रैंकिंग में नौवें स्थान पर काबिज कीज़ का खेल कुछ समय के लिए लड़खड़ा गया। लगातार डबल फॉल्ट्स के कारण उन्होंने दो बार अपनी सर्विस गंवाई, जिससे 21 वर्षीय क्रूगर ने तीन गेम की बढ़त बना ली। इसके बाद कीज़ ने शानदार वापसी करते हुए लगातार पांच गेम जीते और मुकाबला अपने नाम कर

लिया। जीत के बाद कीज़ ने कहा, 'मैंने मैच की शुरुआत काफी अच्छी की थी और मुझे पता था कि एशलिन अपना स्तर जरूर बढ़ाएंगी। जैसे ही मुझे लय मिली, मैंने सेट में वापसी के लिए पूरी कोशिश की। '

दिन के एक अन्य मुकाबले में दो अमेरिकी खिलाड़ियों के बीच हुए मैच में छठी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने मैकार्टनी केस्लर को एकतरफा अंदाज में 6-0, 6-2 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। इस तरह अमेरिकी खिलाड़ियों का ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी है।

इंडोनेशिया मास्टर्स 2026: पी. वी. सिंधु और लक्ष्य सेन क्वार्टरफाइनल में पहुंचे

एजेंसी

जकार्ता। इंडोनेशिया मास्टर्स 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय शटलरों पी. वी. सिंधु और लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने प्री-क्वार्टरफाइनल मुकाबले जीतकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। पुरुष एकल वर्ग में लक्ष्य सेन ने हांगकांग के जेसन गुनावन को सीधे गेमों में 21-10, 21-11 से हराया। यह मुकाबला महज आधे घंटे से थोड़ा अधिक समय तक चला, जिसमें लक्ष्य ने शुरुआत से अंत तक पूरा नियंत्रण बनाए रखा। वहीं, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी. वी. सिंधु ने महिला एकल के राउंड ऑफ 16 मुकाबले में डेनमार्क की लाइन क्येरफेल्ड्ट को 21-19, 21-18 से शिकस्त दी। 43 मिनट तक चले इस मुकाबले में सिंधु ने अहम मौकों पर धैर्य दिखाते हुए जीत दर्ज की। यह क्येरफेल्ड्ट के खिलाफ सिंधु की छह मुकाबलों में पांचवीं जीत रही। अब क्वार्टरफाइनल में सिंधु का सामना टूर्नामेंट की शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व नंबर चार चीन की चेन यू फेई से होगा। अब तक दोनों खिलाड़ियों के बीच 13 मुकाबले खेले जा चुके हैं, जिसमें चेन यू फेई को 7-6 की मामूली बढ़त हासिल है। सिंधु की चेन यू फेई के खिलाफ आखिरी जीत साल 2019 में आई थी और वह इस रिकॉर्ड को बेहतर बनाने के इरादे से क्वार्टरफाइनल मुकाबले में उतरेंगी।

मेंस हीरो एचआईएल क्वालिफायर 1 प्रीव्यू: फाइनल का टिकट दांव पर, वेदांता कलिंगा लांसर्स और रांची रॉयल्स आमने-सामने

एजेंसी

भुवनेश्वर। मेंस हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2025-26 के क्वालिफायर 1 में रोमांच चरम पर होगा, जब लीग चरण की शीर्ष दो टीमें वेदांता कलिंगा लांसर्स और रांची रॉयल्स 23 जनवरी को कलिंगा हॉकी स्टेडियम में आमने-सामने होंगी। शाम 5 बजे (ढूस्ञ) से शुरू होने वाले इस अहम मुकाबले में जीतने वाली टीम सीधे फाइनल में प्रवेश करेगी। लीग चरण में वेदांता कलिंगा लांसर्स ने 16 अंकों के साथ अंक तालिका में पहला स्थान हासिल किया, जबकि रांची रॉयल्स 12 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रही। इसी के चलते दोनों टीमों को क्वालिफायर 1 में भिड़ने का मौका मिला है।

वेदांता कलिंगा लांसर्स का लीग चरण में प्रदर्शन बेहद मजबूत और संतुलित रहा। टीम को सात मैचों में सिर्फ एक हार का सामना करना पड़ा, वह भी अपने आखिरी लीग मुकाबले में, जब उन्हें जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब से 2-1 से हार मिली। हालांकि, इस हार का उनकी क्वालिफायर स्थिति पर कोई असर नहीं पड़ा। लांसर्स ने लीग में चार मैच नियमित समय में जीते, जबकि दो मुकाबले शूटआउट में अपने नाम किए। मजबूत डिफेंस उनकी सबसे बड़ी ताकत रही, जहां उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ 8 गोल गंवाए, जो किसी भी टीम से सबसे कम हैं।

बेल्जियम के ड्रैग-फ्लिक विशेषज्ञ अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स टीम के लिए सबसे अहम खिलाड़ी साबित हुए हैं। उन्होंने अब तक सभी 8 गोल पेनल्टी कॉर्नर से किए हैं। इसके अलावा, लांसर्स का पेनल्टी कॉर्नर कन्वर्जन रेट 28.1 प्रतिशत रहा है, जो लीग में दूसरा सर्वश्रेष्ठ है।

क्वालिफायर 1 से पहले टीम के कप्तान आर्थर वैन डोरेन ने कहा, 'हमने पूरे सीजन कड़ी मेहनत की है और अब सबसे अहम मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना हमारा लक्ष्य है। हमें रांची रॉयल्स की आक्रमण क्षमता का अंदाजा है, लेकिन हमें अपने डिफेंस और सेट पीस पर पूरा भरोसा है। भुवनेश्वर का माहौल हमेशा हमें अतिरिक्त ऊर्जा देता है और हम अपने समर्थकों को जीत का तोहफा देना चाहेंगे। 'रांची रॉयल्स इस सीजन की सबसे आक्रामक टीमों में से एक रही है। टीम ने अब तक कुल 25 गोल दागे हैं, जो लीग में सबसे ज्यादा हैं। रॉयल्स की आक्रमण पंक्ति की अगुवाई कप्तान टॉम बून कर रहे हैं, जो 15 गोल के साथ टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर हैं। इनमें 5 फील्ड गोल, 8 पेनल्टी कॉर्नर और 2 पेनल्टी स्ट्रोक शामिल हैं। लीग चरण में रांची रॉयल्स ने तीन मैच नियमित समय में और एक मुकाबला शूटआउट में जीता, जबकि दो मैच नियमित समय में और एक शूटआउट में गंवाया। क्वालिफायर 1 से पहले रांची रॉयल्स के कप्तान टॉम बून ने कहा, 'क्वालिफायर 1 जैसे मैच हर खिलाड़ी के लिए खास होते हैं। हमने लीग चरण में शानदार हॉकी खेली है, खासकर आक्रमण में। लांसर्स जैसी टीम के खिलाफ संयम और सही क्रियान्वयन बेहद जरूरी होगा। हमें अपनी टीम और खेल शैली पर भरोसा है और हम भुवनेश्वर में इस चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार हैं। ' लीग चरण में दोनों टीमों के बीच इस महीने चेन्नई में एक मुकाबला खेला गया था, जिसमें वेदांता कलिंगा लांसर्स ने 4-2 से जीत दर्ज की थी। उस मैच में रांची रॉयल्स ने टॉम बून और मनदीप सिंह के गोल से शुरुआती बढ़त बनाई थी, लेकिन इसके बाद अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स ने दो गोल किए, जबकि गुरसाहिबजीत सिंह ने भी दो गोल दागकर लांसर्स को शानदार जीत दिलाई। यह जीत लांसर्स को मनोवैज्ञानिक बढ़त जरूर देती है, लेकिन रांची रॉयल्स भुवनेश्वर में पासा पलटने की कोशिश करेगी। क्वालिफायर 1 का विजेता सीधे 26 जनवरी को होने वाले मेंस हीरो एचआईएल फाइनल में प्रवेश करेगा। वहीं, हारने वाली टीम को एक और मौका मिलेगा ।

दिल्ली कंज्यूमर फोरम ने एयर इंडिया को दिया खराब सर्विस के लिए 1.5 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया एयरलाइन को दिल्ली-न्यूयॉर्क फ्लाइट में खराब सीटों, गंदे वॉशरूम और खराब खाने के वजह से यात्रियों को हुए मानसिक कष्ट के लिए 1.5 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया गया है। दिल्ली जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने पिता-पुत्री को यह राशि देने का निर्देश दिया है, एयरलाइन ने आरोपों को बेबुनियाद बताया था। कंज्यूमर फोरम ने एयर इंडिया को साल 2023 में उसकी दिल्ली-न्यूयॉर्क उड़ान में टूटी हुई सीटें, गंदे वॉशरूम और खराब खानपान सेवा के साथ भयावह हालात का सामना करने का आरोप लगाने वाले एक पिता-पुत्री को 'मानसिक यातना और उत्पीड़न' के लिए 1.5 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। दिल्ली जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने एयर इंडिया को दोनों यात्रियों को कुल 1.5 लाख रुपये देने का आदेश दिया है। हालांकि, एयरलाइन ने इन सभी आरोपों को बेबुनियाद बताया था। एयरलाइन ने ये दावा किया था कि शिकायत करने वालों ने एयर इंडिया से 'गलत तरीके से फायदा उठाने' के लिए 'बेबुनियाद आरोप' लगाए थे।

बचत से सशक्तिकरण तकः सुकन्या समृद्धि योजना के जरिए भारत की बालिकाओं का सशक्तिकरण

नई दिल्ली। सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाई) देशभर में लाखों युवा लड़कियों के लिए आशा और सशक्तिकरण का एक सशक्त प्रतीक है। एसएसवाई, उनके सपनों को संजोने और उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए सरकार की गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस योजना की शुरुआत से दिसंबर, 2025 तक 4.53 करोड़ से अधिक खाते खोले जा चुके हैं, जबकि कुल जमा राशि 3.33 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। भारत सरकार की बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत 22 जनवरी, 2015 को शुरू की गई यह योजना महज बचत के लिए की गई पहल से कहीं अधिक है। इसे वित्तीय सुरक्षा और सामाजिक परिवर्तन के बीच एक सेतु के रूप में तैयार किया गया था। परिवारों को अपनी बेटियों की शिक्षा और कल्याण के लिए जल्दी योजना बनाने के लिए प्रोत्साहित करके, एसएसवाई ने जमीनी स्तर पर आत्मविश्वास, समावेश और दीर्घकालिक प्रगति की भावना पैदा करने में मदद की है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक 22 जनवरी, 2026 को सुकन्या समृद्धि योजना के 11 वर्ष पूरे हो गए हैं। यह लाखों परिवारों के अपनी बेटियों के उज्ज्वल भविष्य में सामूहिक विश्वास का प्रमाण है। इसकी शुरुआत से अब तक 4.53 करोड़ से अधिक खाते खोले जा चुके हैं। हर खाता बालिकाओं की क्षमता में भरोसे की कहानी कहता है।

डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरावट जारी, रिकॉर्ड लो पर पहुंची भारतीय मुद्रा

नई दिल्ली। ग्लोबल ट्रेड में लगातार हो रही उथल-पुथल, ग्रीनलैंड के मसले को लेकर यूरोपीय देशों को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दी गई धमकी, कमजोर ग्लोबल संकेतों और स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों की बिकवाली का असर आज भारत के मुद्रा बाजार में साफ नजर आया। मुद्रा बाजार में बने नकारात्मक माहौल के कारण रुपया आज डॉलर की तुलना में रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 73 पैसे फिसल कर 91.70 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को भारतीय मुद्रा 90.97 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 8 पैसे की कमजोरी के साथ 91.05 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद रुपये पर लगातार दबाव बढ़ता चला गया, जिसकी वजह से भारतीय मुद्रा भी कमजोर होती गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चल रही उठापटक के कारण विदेशी निवेशक भारत से अपने पैसे की निकासी करने में लगे रहे। खासकर, स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों ने आज चौतरफा बिकवाली कर अपने पैसे निकाले। ऐसा होने से डॉलर की मांग बढ़ी और रुपये पर दबाव बढ़ने लगा। डॉलर की मांग में तेजी आने के कारण मुद्रा बाजार में रुपया डॉलर की तुलना में अभी तक के सबसे निचले स्तर 91.76 तक पहुंच गया।

लोहिया कॉर्प लिमिटेड को पेटेंट उल्लंघन के खिलाफ अंतरिम रोक का आदेश

नई दिल्ली। लोहिया कॉर्प लिमिटेड को कोर्ट से एमएस फाइव फिंगर्स एक्सपोर्ट्स इंडिया, कोयंबटूर के खिलाफ अंतरिम रोक का आदेश मिला है। ये आदेश एमएस फाइव फिंगर्स को वाल्व बैग कन्वर्जन मशीनों या किसी भी ऐसी मशीन के निर्माण, बिक्री, निर्यात, आयात, उपयोग या किसी भी तरह से लेन-देन करने से रोकता है, जो लोहिया के भारतीय पेटेंट नंबर 431032 के तहत पेटेंट की गई टेक्नोलॉजी का उल्लंघन करती है। कंपनी के प्रवक्ता ने जारी एक बयान में कहा कि सभी संबंधित लोगों को एमएस फाइव फिंगर्स की उपरोक्त उल्लंघन करने वाली मशीनों के साथ किसी भी तरह का लेन-देन करने से सावधान किया है, ऐसा करने पर उन्हें अपने जोखिम पर कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है और उनके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जा सकती है। लोहिया कॉर्प लिमिटेड प्लास्टिक बुने हुए कपड़े और बोरियों के लिए मशीनरी और उपकरणों के अग्रणी निर्माताओं में से एक है, जिसकी लगभग 100 देशों में बाज़ार में उपस्थिति है। कंपनी बुने हुए कपड़े के पूरे इको-सिस्टम के लिए एंड-टू-एंड समाधान प्रदान करती है।

सुगम व्यापार नीतियों से विकास को मिलेगी नई गतिः डॉ. यादव

एजेंसी

दावोस/भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार निवेश और उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सुगम व्यापार वातावरण (ईज़ ऑफ़ डूइंग बिज़नेस) पर केंद्रित नीतियों के माध्यम से विकास को नई गति दे रही है। उन्होंने राज्य की सुदृढ़ अवसंरचना, बेहतर कनेक्टिविटी और जल, भूमि, श्रम और प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुर उपलब्धता को निवेशकों के लिए बड़ी ताकत बताया।

मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्विट्ज़रलैंड के दावोस में आयोजित 'वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम' में 'इन्वेस्ट इन इंडियाः मध्य प्रदेश - एक रणनीतिक निवेश केंद्र' पर आयोजित राउंडटेबल मीटिंग को संबोधित कर रहे थे। राउंड टेबल मीटिंग में मुख्यमंत्री ने मध्य प्रदेश को देश के प्रमुख और उभरते निवेश केंद्र के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में ऑटोमोबाइल, नवकरणीय ऊर्जा, फार्मास्यूटिकल्स, वस्त्र, आईटी-आईटीईएस, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क जैसे क्षेत्रों में निवेश के व्यापक अवसर उपलब्ध

हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय एवं घरेलू निवेशकों से इन क्षेत्रों में राज्य सरकार द्वारा दी जा रही नीतिगत सहायता और विभिन्न प्रोत्साहनों की जानकारी भी साझा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार उन उद्योगों और व्यवसायों को विशेष सहयोग देगी, जो मध्यप्रदेश में रोजगार और आजीविका के नए अवसर सृजित करेंगे। यदि किसी निवेश प्रस्ताव को विशेष या अनुकूलित समर्थन की आवश्यकता होगी, तो निवेश प्रोत्साहन के लिए गठित मंत्रिमंडलीय समिति (कैबिनेट कमेटी फॉर इन्वेस्टमेंट प्रमोशन) ऐसे प्रस्तावों पर सकारात्मक रूप से विचार करेगी। राउंडटेबल चर्चा में शामिल निवेशकों और उद्योग प्रतिनिधियों ने पर्यटन, मनोरंजन, डिजाइन, नवकरणीय ऊर्जा, निर्यात, रसायन, अल्कोहल, टेक्सटाइल पार्क, वित्तीय क्षेत्र, आईटी-आईटीईएस, जीसीसी और बौद्धिक संपदा जैसे क्षेत्रों में नीतियों को और अधिक प्रभावी बनाने को लेकर अपने सुझाव साझा किए। इनमें जिरोधा के सह-संस्थापक निखिल कामथ, हिताची इंडिया के कार्यकारी अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. भारत कौशल, एमेविया की सह-संस्थापक एवं सीईओ कैरन बार्ट्ट, एंटोरा एनर्जी के सीईओ एंड्रयू पोनिक, एबी इनबेव (ब्ल्यूबर्ड) के ग्लोबल वाइस प्रेसिडेंट (कॉर्पोरेट अफेयर्स) एड्रिया पेनेटा, न्यू दिल्ली हब के संस्थापक एवं अध्यक्ष ईशान प्रताप सिंह, एचसीएल टेक्नोलॉजीज के ग्लोबल सीटीओ कल्याण कुमार शामिल रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी सुझावों का स्वागत करते हुए कहा कि सरकार निवेश अनुकूल नीतियों के माध्यम से मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश मानचित्र पर और सशक्त रूप से स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

दावोस में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से ग्लोबल रिटेल आउटलेट कंपनी लूलू ग्रुप के फाउंडर ने की मुलाकात

एजेंसी

रांची। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम 2026 में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से दुनियाभर में रिटेल आउटलेट के कार्य से जुड़ी कंपनी लूलू ग्रुप के फाउंडर एंड मैनेजिंग डायरेक्टर यूसुफ अली ने मुलाकात की।

मुख्यमंत्री से मुलाकात और संवाद के क्रम में उन्होंने झारखण्ड के कृषि आधारित उत्पाद, वनोत्पाद आदि से जुड़े उत्पादों को आउट सोर्स करने का प्रस्ताव दिया। जिससे झारखण्ड का उत्पाद देश एवं दुनिया भर के बाजार तक पहुंचाया जा सके और यहां के किसानों, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं और वनोत्पाद के कार्य से जुड़े राज्य के लोगों को लाभ मिले। लूलू ग्रुप झारखण्ड में उत्पादित उन उत्पादों और वस्तुओं के प्रति रुचि दिखाई है जो उनके वैल्यू चेन में आते हैं। ग्रुप द्वारा झारखण्ड में इसके लिए कैपेसिटी बिल्डिंग के क्षेत्र में भी कार्य करने के प्रति इच्छा जताई है।

मुख्यमंत्री सचिवालय की ओर से बताया गया कि इस मुलाकात और संवाद को आगे बढ़ाने तथा यहां के उत्पादों के अध्ययन के लिए लूलू ग्रुप का उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल जल्द झारखण्ड का दौरा करेगा। झारखण्ड का प्रयास है कि वह लूलू ग्रुप का प्राइमरी सप्लायर बने। उल्लेखनीय है कि देश भर के 21 राज्यों और दुनिया के कई देशों में लूलू ग्रुप के रिटेल आउटलेट हैं।

वेलस्पन वर्ल्ड का झारखंड में प्लास्टिक उद्योग क्षेत्र में 300 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव

एजेंसी

रांची। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम 2026 दावोस से झारखंड के औद्योगिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ी है। इस दौरान मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और वेलस्पन वर्ल्ड के संस्थापक एवं चेयरमैन बी.के. गोयनका के बीच उच्च स्तरीय बैठक आयोजित हुई, जिसमें वेलस्पन वर्ल्ड की ओर से झारखंड में प्लास्टिक उद्योग के क्षेत्र में लगभग 300 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव दिया गया। मुख्यमंत्री सचिवालय की ओर से बताया गया कि बैठक के दौरान मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य प्रतिनिधिमंडल ने वेलस्पन के प्रतिनिधियों को देवघर स्थित प्रस्तावित प्लास्टिक पार्क की जानकारी दी तथा वहां निवेश की संभावनाओं से अवगत कराया। इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से वेलस्पन की टीम शीघ्र ही झारखंड का दौरा कर स्थल निरीक्षण और विस्तृत अध्ययन करेगी। वेलस्पन वर्ल्ड ने झारखंड में क्रिटिकल मिनरल्स तथा लॉजिस्टिक्स सेक्टर

में भी निवेश की संभावनाओं में रुचि व्यक्त की। राज्य प्रतिनिधिमंडल द्वारा धनबाद स्थित लॉजिस्टिक पार्क, राज्यभर में उपलब्ध वेयरहाउसिंग एवं स्टोरेज सुविधाओं की जानकारी साझा की गई। दोनों पक्षों के बीच निरंतर संवाद बनाए रखते हुए इन प्रस्तावों को धरातल पर उतारने को लेकर सहमति बनी। यह बैठक झारखंड को औद्योगिक निवेश का एक उभरता हुआ केंद्र बनाने तथा राज्य में रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को नई गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एआई की ताकत मॉडल के आकार से नहीं बल्कि व्यावहारिक उपयोग और उत्पादकता सेः वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि एआई में निवेश पर लाभ केवल बड़े मॉडल बनाने से नहीं बल्कि उनके व्यावहारिक उपयोग और उत्पादकता से आता है। उनके अनुसार लगभग 95 प्रतिशत एआई उपयोग मामलों को 20 से 50 अरब पैरामीटर वाले मॉडल से हल किया जा सकता है। यह भारत के पास पहले से उपलब्ध हैं और विभिन्न क्षेत्रों में तैनात किए जा रहे हैं। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दावोस में विश्व आर्थिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) के दौरान आयोजित एक पैनल चर्चा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को लेकर भारत के दृष्टिकोण को स्पष्ट किया। 'एआई पावर प्ले, नो रेफरीज' विषय पर हुई इस चर्चा में उन्होंने एआई के व्यापक उपयोग, उसकी आर्थिक व्यवहार्यता और तकनीकी-कानूनी शासन पर जोर दिया।

वैश्विक एआई गठबंधनों और भू-राजनीति से जुड़े प्रश्न पर मंत्री ने

कहा कि भारत एआई विकसित देशों के अग्रणी समूह में शामिल है। उन्होंने बताया कि एआई ढांचे के पांच प्रमुख स्तर होते हैं एप्लिकेशन, मॉडल, चिप, अवसंरचना और ऊर्जा। भारत इन सभी क्षेत्रों में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि एप्लिकेशन स्तर पर भारत विश्व का सबसे बड़ा सेवा प्रदाता बन सकता है। भू-राजनीति में एआई की भूमिका पर बोलते हुए उन्होंने बहुत बड़े मॉडलों के स्वामित्व को शक्ति का एकमात्र मापदंड मानने से सावधान किया। उन्होंने कहा कि प्रभावी एआई तैनाती कम लागत, छोटे मॉडल, तेज सीपीयू और कस्टम सिलिकॉन पर आधारित होगी, जिससे किसी एक देश पर निर्भरता कम होगी। भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का उल्लेख करते हुए मंत्री ने बताया कि जीपीयू की कमी को दूर करने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत 38 हजार जीपीयू की साझा राष्ट्रीय कंप्यूटिंग सुविधा विकसित की गई है, जो छात्रों, शोधकर्ताओं और स्टार्टअप्स को किफायती दरों पर उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने एआई नियमन के लिए तकनीकी-कानूनी दृष्टिकोण पर बल देते हुए कहा कि डीपफेक और पूर्वाग्रह जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए मजबूत तकनीकी समाधान आवश्यक हैं।

उधमपुर की डेयरी उत्पाद 'कलाड़ी' को मिलेगी नई पहचान, आधुनिक खाद्य तकनीक से बढ़ाया जाएगा आगे

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले की पारंपरिक डेयरी उत्पाद कलाड़ी को आधुनिक खाद्य तकनीक की मदद से आगे बढ़ाया जाएगा। कलाड़ी को हाल ही में जियोग्राफिकल इंडिकेशन (जीआई) टैग मिला है और इसे सरकार की एक जिला एक उत्पाद योजना के तहत चुना गया है। इस संबंध में कर्तव्य भवन में केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले की पारंपरिक डेयरी उत्पाद कलाड़ी को आधुनिक खाद्य तकनीक की मदद से आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि कलाड़ी का स्वाद, बनावट और पोषण बिल्कुल वैसे ही बनाए रखते हुए इसे नए-नए खाद्य रूपों और व्यंजनों में इस्तेमाल किया जाए। इससे स्थानीय किसानों और कारीगरों की आमदनी बढ़ने की

संभावना है। लेकिन कलाड़ी की सबसे बड़ी समस्या इसकी कम शेल्फ लाइफ है। यह कुछ ही दिनों में खराब हो जाती है, खासकर अगर इसे ठंडे तापमान में न रखा जाए। इसी वजह से इसे दूर-दराज के बाजारों तक पहुंचाना मुश्किल होता है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने अधिकारियों से कहा कि वैज्ञानिक तरीके से इसकी शेल्फ लाइफ बढ़ाई जानी चाहिए, ताकि इसे देश और विदेश के बाजारों में भेजा जा सके। उन्होंने साफ कहा कि किसी भी तरह की तकनीक अपनाते समय यह ध्यान रखा जाए कि कलाड़ी का पारंपरिक स्वाद, दूधिया खुशबू और खिंचने वाली बनावट खराब न हो। कलाड़ी को अक्सर 'जम्मू की मोज़रेला चीज़' भी कहा जाता है, इसलिए इसकी पहचान बनी रहनी चाहिए। इस काम के लिए सीएसआईआर की दो प्रमुख संस्थाओं–मैसूरु स्थित सीएफटीआरआई और जम्मू स्थित आईआईआईएम को साथ मिलकर काम करने के निर्देश दिए गए हैं। ये संस्थान कलाड़ी के पोषण तत्वों की जांच, स्वाद की पुष्टि, शेल्फ लाइफ बढ़ाने और पैकेजिंग पर काम करेंगे। शुरुआती रिपोर्ट कुछ हफ्तों में और पूरी परियोजना छह महीने में पूरी होने की उम्मीद है।

उल्लेखनीय है कि कलाड़ी आमतौर पर कच्चे फुल-फैट दूध से बनाई जाती है और इसमें मट्ठे के पानी का इस्तेमाल होता है। कलाड़ी को अक्सर 'जम्मू की मोज़रेला चीज़' भी कहा जाता है,जीआई टैग मिलने के बाद इसकी मांग बढ़ी है, जिससे ग्रामीण युवाओं को रोजगार भी मिला है।

दूरसंचार विभाग ने पेंशनभोगियों को दी डिजिटल दस्तावेजों की बड़ी सुविधा, सम्पन्न पेंशन पोर्टल को डिजिलॉकर से जोड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग के तहत आने वाले पेंशनरों के लिए एक बड़ी डिजिटल सुविधा शुरू की गई है। संचार लेखा महानियंत्रक कार्यालय द्वारा विकसित सम्पन्न पेंशन पोर्टल को अब डिजिलॉकर से जोड़ दिया गया है। इससे पेंशनरों को अपने जरूरी दस्तावेज कभी भी और कहीं से मोबाइल या कंप्यूटर पर मिल सकेंगे। केंद्रीय संचार मंत्रालय के अनुसार इस नई व्यवस्था के तहत पेंशनर डिजिलॉकर खाते में लॉग इन कर ई-पेंशन भुगतान आदेश (ई-पीपीओ), ग्रेच्युटी स्वीकृति आदेश, कम्युटेशन आदेश और फॉर्म-16 जैसे दस्तावेज सीधे डाउनलोड कर सकेंगे। अब इन कागजात के लिए दफ्तरों या बैंकों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होगी। दिल्ली के प्रधान संचार लेखा नियंत्रक आशीष जोशी ने बताया कि इस पहल से कागजी प्रक्रिया खत्म होगी और पेंशनरों का समय व मेहनत बचेगी। यह कदम पेंशनरों को डिजिटल रूप से आत्मनिर्भर बनाता है और सरकार के डिजिटल इंडिया विजन के अनुरूप है। पेंशनर डिजिलॉकर की वेबसाइट या मोबाइल ऐप पर आधार से लॉग इन कर अपना पीपीओ नंबर लिंक करके तुरंत दस्तावेज प्राप्त कर सकते हैं। किसी भी मदद के लिए हेल्पलाइन और सम्पन्न पोर्टल की सुविधाएं पहले की तरह उपलब्ध रहेंगी। सम्पन्न पोर्टल को 29 दिसंबर 2018 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र को समर्पित किया था। यह पोर्टल पेंशन से जुड़ी पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन करता है। पेंशन स्वीकृति से लेकर भुगतान, शिकायत दर्ज कराने, जीवन प्रमाण पत्र देने और विवरण अपडेट करने तक की सभी सुविधाएं अब घर बैठे उपलब्ध हैं। डिजिलॉकर से जुड़ने के बाद अब पेंशनरों को बैंक, अस्पताल या अन्य जगहों पर दस्तावेज दिखाने के लिए फिजिकल कॉपी रखने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

एआई अब दूरसंचार के भविष्य के साथ वर्तमान की जरूरत भीः ट्राई

एजेंसी

नई दिल्ली। दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) और भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क (एसटीपीआई) द्वारा आयोजित सम्मेलन में बताया गया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से ग्राहक अनुभव बेहतर हो रहा है और पारदर्शिता व उपभोक्ता विश्वास बनाए रखने के लिए जिम्मेदार एआई ढांचे की जरूरत है।

केंद्रीय संचार मंत्रालय के अनुसार, कार्यक्रम में ट्राई अध्यक्ष अनिल कुमार लाहोटी, सदस्य ऋतु रंजन मित्तर और डॉ. एमपी तंगिराला, सचिव अतुल कुमार चौधरी, एसटीपीआई महानिदेशक अरविंद कुमार तथा आईआईटी गांधीनगर निदेशक प्रो. राजत मूना मौजूद रहे। एसटीपीआई महानिदेशक अरविंद कुमार ने कहा कि पहले नेटवर्क को केवल पाइप कहा जाता था, लेकिन अब कृत्रिम

बुद्धिमत्ता की वजह से यह 'बुद्धिमान पाइप' बन गया है। ट्राई सचिव अतुल कुमार चौधरी ने कहा कि एआई से सेवा की गुणवत्ता बेहतर होगी और इसके लिए उचित नियम कानून आवश्यक हैं। ट्राई अध्यक्ष अनिल कुमार लाहोटी ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता भविष्य की बात नहीं है बल्कि दूरसंचार का आधार बन चुकी है। नेटवर्क स्वचालन से लेकर स्पैम कॉल रोकने तक, एआई पहले ही सेवाओं को बदल रहा है। इसका प्रयोग पारदर्शी, जिम्मेदार और निष्पक्ष तरीके से होना चाहिए ताकि उपभोक्ता का विश्वास बना रहे।

कार्यक्रम में इस बात पर सहमति बनी कि दूरसंचार क्षेत्र में तेजी से कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रयोग को देखते हुए इसके लिए सुरक्षित तैनाती, स्वदेशी शोध और क्षमता निर्माण पर ध्यान देना होगा।

तकनीकी चर्चाओं में बताया गया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से नेटवर्क की देखभाल, यातायात प्रबंधन और गड़बड़ी पहचान आसान हो रही है। विशेषज्ञों ने कहा कि 5जी और फाइबर नेटवर्क में एआई की मदद से कंपनियां अब केवल प्रतिक्रिया देने वाली नहीं बल्कि भविष्यवाणी करने वाली और स्वयं सुधार करने वाली प्रणालियां बना रही हैं। एक अन्य सत्र में जिम्मेदार एआई पर विचार हुआ जिसमें बताया गया कि एआई आधारित विश्लेषण और सुझाव इंजन से ग्राहकों को बेहतर योजनाएं, स्मार्ट डेटा पैक और लक्षित प्रस्ताव दिए जा रहे हैं। साथ ही स्पैम कॉल रोकने, अनचाहे संदेश छांटने और सुरक्षित सामग्री उपलब्ध कराने पर भी चर्चा हुई।

महाराष्ट्र ने दावोस में एक लाख करोड़ के एमओयू पर हस्ताक्षर किए

एजेंसी

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि दावोस में एक लाख करोड़ रुपये के निवेश के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे तीसरी मुंबई खासकर रायगढ़-पेन ग्रोथ सेंटर क्षेत्र में विकास को मदद मिलेगी और लाखों की संख्या में रोजगार का सृजन होगा। मुख्यमंत्री सचिवालय के अनुसार स्विट्जरलैंड के दावोस में जारी वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में महाराष्ट्र के प्रतिनिधिमंडल ने रायगढ़-पेन ग्रोथ सेंटर बनाने का प्रस्ताव दिया था। इसके लिए दावोस में एक अहम समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए हैं। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि इससे महाराष्ट्र में न सिर्फ निवेश आएगा, बल्कि इस मौके पर आधुनिक टेक्नोलॉजी और ज्ञान भी भारत आएगा। दावोस में एमओयू से हम आने वाले दिनों में महाराष्ट्र में बड़े

पैमाने पर उद्योग लगा पाएंगे।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि दावोस में अर्बन प्लानिंग को लेकर महाराष्ट्र सरकार ने जो समझौते किए हैं, उनसे हमारी अर्बन प्लानिंग कैपेसिटी बढ़ेगी। साथ ही, यह निवेश आने वाले दिनों में महाराष्ट्र में कम्युनिकेशन के मामले में अच्छी सुविधाएं देने में मदद करेगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि रायगढ़-पेन ग्रोथ सेंटर प्रोजेक्ट में दुनिया की कई कंपनियों ने दिलचस्पी दिखाई है। इकोनॉमिक फोरम के पहले दिन 14.50 लाख करोड़ रुपये के समझौते पर हस्ताक्षर हुए। इससे राज्य में 1.5 मिलियन रोजगार के मौके बनने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि आज मुख्य रूप से रणनीतिक स्वरूप के समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। इनमें यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, यूनिवर्सिटी ऑफ बर्कले, टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ म्यूनिख, अर्बन फ्यूचर्स कलेक्टिव (लंदन), आईसीसीआई (इटली), आलॉन्ग ट्यूनिंग इंस्टीट्यूट, नॉर्वेजियन जियो-टेक्निकल इंस्टीट्यूट तथा सिंगापुर की सुबाना जुरॉन्ग के साथ तकनीकी सहयोग समझौते शामिल हैं।

सुधा मूर्ति ने एआई से तैयार अपने वीडियो को लेकर लोगों को किया आगाह

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा सदस्य और इंफोसिस फाउंडेशन की चेयरपर्सन सुधा मूर्ति ने इंटरनेट पर प्रसारित उन फर्जी वीडियो के प्रति लोगों को आगाह किया जिनमें वित्तीय योजनाओं और निवेश को बढ़ावा देने

के लिए उनकी पहचान का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ये 'डीपफेक' वीडियो हैं जो उनकी जानकारी या सहमति के बिना बनाए गए हैं। सुधा मूर्ति ने 'एक्स' पर लोगों को नकली एआई जनरेटेड वीडियो के बारे में अलर्ट करने के लिए पोस्ट किया, जिनमें धोखे से उन्हें फाइनेंशियल इन्वेस्टमेंट स्कीम को एंडोर्स करते हुए दिखाया गया है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि उन्होंने कभी भी निवेश को एंडोर्स नहीं किया है और जो वीडियो ऑनलाइन प्रसारित हो रहे हैं, वे पूरी तरह से झूठे हैं। सुधा मूर्ति ने अपनी छवि के दुरुपयोग पर दुख जताया है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा, एक नियम के तौर पर मैं कभी भी निवेश या पैसों से जुड़ी किसी गतिविधि पर बात नहीं करती हूं। मैं हमेशा काम, भारत की संस्कृति, महिलाओं और शिक्षा के बारे में बात करती हूं।

मैटर ने देश के पहले एआई-डिफाइंड व्हीकल प्लेटफॉर्म का किया उद्घाटन, कंपनी अगले 3 साल में कई नए मॉडल करेगी पेश

एजेंसी

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक दुपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी मैटर ने गुरुवार को देश का पहला कृत्रिम बुद्धिमत्ता-परिभाषित वाहन मंच (एआई-डिफाइंड व्हीकल प्लेटफॉर्म) उद्घाटन किया। इस घोषणा को कंपनी के संस्थापक और समूह सीईओ मोहाल लालभाई और सह-संस्थापक और समूह के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीटीओ) कुमार प्रसाद टेलिकेपल्ली ने तकनीकी दिवस 3.0 कार्यक्रम में किया।

कार्यक्रम में कंपनी के संस्थापक और समूह सीईओ मोहाल लालभाई ने कहा कि दुपहिया वाहन अब तक मशीनों से तय होते थे लेकिन अब बुद्धिमत्ता उन्हें परिभाषित करेगी। यह सिर्फ इलेक्ट्रिक वाहनों का बदलाव नहीं है बल्कि पूरी श्रेणी का पुनर्निर्धारण है। कंपनी के सीटीओ कुमार प्रसाद टेलिकेपल्ली ने कहा कि एआईडीवी से विकास की गति तेज होगी और वाहन हर किलोमीटर चलने के साथ सीखते जाएंगे।

प्रसाद टेलिकेपल्ली ने बताया कि कंपनी का कृत्रिम बुद्धिमत्ता-परिभाषित वाहन मंच मौजूदा विद्युत ढांचे का केवल उन्नयन नहीं है, बल्कि यह पूरी तरह नई सोच पर आधारित है। इसमें वाहन स्वयं सीखते हैं और समय के साथ बेहतर होते जाते हैं। इंजन की शक्ति, बैटरी की आयु और ताप को नियंत्रित करने की क्षमता, ये सब वास्तविक समय में बदलते और सुधरते रहते हैं। यह तकनीक वाहनों को अधिक टिकाऊ और किफायती बनाने में सहायक होगी।

कंपनी ने बताया कि इन वाहनों की पहचान केवल हार्डवेयर से नहीं होगी, बल्कि उनमें मौजूद कृत्रिम बुद्धिमत्ता ही असली गेमचेंजर होगा। एआईडीवी प्लेटफॉर्म के जरिए अगले तीन से चार साल में कई नए मॉडल

बाजार में उतारे जाएंगे। इसमें प्रदर्शन, सुरक्षा, ऊर्जा बचत और टिकाऊपन पर खास ध्यान दिया जाएगा। कंपनी का दावा है कि यह प्लेटफॉर्म वाहनों को लगातार बेहतर बनाता रहेगा और समय के साथ उनकी क्षमता बढ़ती जाएगी।कंपनी की अगले 36 से 48 महीनों में पांच नए सेगमेंट में उत्पाद उतारने की योजना है। इसमें स्ट्रीट मोटरसाइकिल, स्ट्रीट फाइटर मोटरसाइकिल, एडवेंचर मोटरसाइकिल, युवाओं के लिए कम्यूटर मोटरसाइकिल और इलेक्ट्रिक स्कूटर शामिल हैं। इस रणनीति के जरिए कंपनी भारत के दुपहिया बाजार के बड़े हिस्से को कवर करना चाहती है। कंपनी दावा है कि एआईडीवी प्लेटफॉर्म वाहनों को केवल इलेक्ट्रिक ही नहीं बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता भी होगी। यह तकनीक इंजन, बैटरी और अन्य हिस्सों को वास्तविक समय में नियंत्रित करेगी और वाहन को लगातार बेहतर बनाएगी। उल्लेखनीय है कि मैटर पहले ही एरा नामक गियर वाली इलेक्ट्रिक बाइक लॉन्च कर चुका है, जिसमें लिक्विड-कूल्ड मोटर और बैटरी जैसी कई नई तकनीकें दी गई थीं। कंपनी के पास 400 से ज्यादा तकनीकी नवाचार और 97 पेटेंट हैं। एरा पहले से ही सॉफ्टवेयर-डिफाइंड व्हीकल प्लेटफॉर्म है, जिसमें हर ओटीए अपडेट के साथ वाहन की क्षमता बढ़ती है।

पोप लियो को ट्रंप के 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होने का न्योता, कर रहे विचार

एजेंसी

वेटिकन सिटी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से प्रस्तावित 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होने के लिए पोप लियो को भी आमंत्रण मिला है। वेटिकन के शीर्ष राजनयिक अधिकारी कार्डिनल पित्रो पोरोलिन ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि पोप इस निमंत्रण पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। कार्डिनल पोरोलिन के अनुसार, पोप को आधिकारिक निमंत्रण प्राप्त हुआ है और इस पर फैसला लेने से पहले पर्याप्त समय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह ऐसा विषय है, जिस पर सोच-समझकर प्रतिक्रिया देना आवश्यक है। बताया गया है कि ट्रंप द्वारा गठित यह 'बोर्ड ऑफ पीस' शुरुआत में गाजा संघर्ष के समाधान के उद्देश्य से प्रस्तावित किया गया था, लेकिन बाद में राष्ट्रपति ट्रंप ने स्पष्ट किया कि इसका दायरा वैश्विक स्तर पर संघर्षों के समाधान तक विस्तारित किया जाएगा। कुछ देशों, जिनमें इजराइल और मिस्र शामिल हैं, ने इस पहल का स्वागत किया है, जबकि कई अन्य देशों ने इसे लेकर सतर्क रुख अपनाया है। कुछ राजनयिकों का मानना है कि यह पहल संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को प्रभावित कर सकती है। उल्लेखनीय है कि पोप लियो, जो पहले अमेरिकी मूल के पोप हैं, अब तक अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सीमित लेकिन प्रभावी कूटनीतिक भूमिका निभाते रहे हैं। वे गाजा में फिलिस्तीनियों की स्थिति को लेकर कई बार चिंता जता चुके हैं। सामान्य तौर पर पोप अंतरराष्ट्रीय बोर्डों में सीधे भाग नहीं लेते, हालांकि वेटिकन संयुक्त राष्ट्र में स्थायी पर्यवेक्षक के रूप में सक्रिय भूमिका निभाता है।

वियतनाम में ट्रक और तीन इलेक्ट्रिक साइकिल की टक्कर, दो की मौके पर हुई मौत

एजेंसी

हनोई । वियतनाम के सेंट्रल शहर ह्यू में एक हाई स्कूल के पास भीषण सड़क दुर्घटना सामने आई है। स्थानीय मीडिया की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, एक ट्रक और तीन इलेक्ट्रिक साइकिलों की टक्कर हो गई, जिसमें दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, मृतकों में एक स्टूडेंट और एक महिला थी। एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया और उसे हॉस्पिटल ले जाया गया। मामले की आगे की जांच की जा रही है। इसके अलावा, एक अलग घटना में, गुरुवार सुबह वियतनाम के दक्षिणी प्रांत डोंग नाई में एक इलेक्ट्रॉनिक्स स्टोर में आग लग गई, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और एक घायल हो गया था। सिन्हुआ के अनुसार, आग सुबह करीब 5 बजे लगी और दुकान के अंदर आग पकड़ने वाली चीजों की वजह से यह तेजी से फैल गई। रेस्क्यू टीम ने एक 26 साल की महिला और उसके एक साल के बेटे का शव बरामद किया है। 17 जनवरी की सुबह वियतनाम के उत्तरी पहाड़ी प्रांत सोन ला में एक पैसेंजर बस के सड़क किनारे बने ड्रेनेज पुलिया से टकराकर पलट जाने के बाद चार लोगों की मौत हो गई और एक घायल हो गया था। जिस दौरान हादसा हुआ, उस समय बस में लगभग 18 लोग सवार थे, जिनमें 14 पैसेंजर, दो ड्राइवर और दो अटेंडेंट शामिल थे। अधिकारियों ने बताया कि शुरुआती जांच में ड्राइवर के शराब और ड्रग्स लेने की रिपोर्ट नेगेटिव आई थी। हादसे के समय इलाके में बारिश और कोहरा था, जिससे सड़क फिसलन भरी थी। स्थानीय मीडिया तुओई ट्रे के अनुसार, 14 जनवरी को, सेंट्रल वियतनाम के थान होआ प्रांत में थान होआ-हनोई एक्सप्रेसवे पर एक ट्रैफिक एक्सीडेंट में चार लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। रिपोर्ट में कहा गया कि इस घटना में दो ट्रैक्टर-ट्रेलर और एक 15 सीटों वाला पैसेंजर कोच शामिल था। टक्कर में सभी गाड़ियां डैमेज हो गईं।

तारिक रहमान ने ससुराल से शुरू किया चुनाव प्रचार

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के अध्यक्ष तारिक रहमान ने आज सुबह सिलहट के दक्षिण सुरमा उपजिला के बिराइनपुर में अपने ससुराल से औपचारिक रूप से अपना चुनावी अभियान शुरू किया। हजरत शाहजलाल और हजरत शाह परान की दरगाहों पर प्रार्थना करने के बाद तारिक रहमान ने भीड़ को संबोधित किया। उन्होंने पार्टी के चुनाव निशान धान की बाली पर मुहर लगाने की अपील की। द डेली स्टार अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, 22 साल बाद तारिक कल दोपहर करीब 12:40 बजे अपनी पत्नी डॉ. जुबैदा रहमान के साथ ससुराल पहुंचे। ससुराल में हजारों लोगों ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बीएनपी की राजनीति का मकसद लोगों की जिंदगी को बेहतर बनाना है और अगर पार्टी सत्ता में आती है तो वह कम आय वाले परिवारों के लिए फैमिली कार्ड और कृषि क्षेत्र को सपोर्ट देने के लिए किसान कार्ड शुरू करेगी। उन्होंने कहा, सिलहट से बड़ी संख्या में युवा विदेश जाते हैं। हम उन्हें ट्रेनिंग देना चाहते हैं ताकि वे बेहतर पैसा कमा सकें। इससे देश की अर्थव्यवस्था को मदद मिलेगी। तारिक रहमान ने यह भी घोषणा की कि बीएनपी सिंचाई सुविधाओं को बढ़ाने और कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए दिवंगत राष्ट्रपति जिया-उर-रहमान के शुरू किए गए नहर खुदाई कार्यक्रम को फिर से शुरू करेगी। पिछले 16 साल के शासन की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा, तानाशाह ने लोगों से बोलने की आजादी और वोट देने का अधिकार छीन लिया। बीएनपी एक भरोसेमंद चुनाव के जरिए मतदाताओं को सत्ता वापस देकर उन अधिकारों को बहाल करना चाहती है।

डब्ल्यूईएफ दावोस में ट्रंप का मैक्रों पर तंज, दवाओं की कीमतों को लेकर पुराने विवाद का जिक्र

दावोस। स्विट्जरलैंड के दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) के मंच से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने संबोधन के दौरान फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों पर कटाक्ष कर एक नया विवाद खड़ा कर दिया। ट्रंप ने महंगाई, जीवन-यापन की लागत और वैश्विक व्यापार असंतुलन पर बात करते हुए कहा कि लंबे समय तक अमेरिका बाकी देशों को 'सब्सिडी' देता रहा, क्योंकि पूर्व राष्ट्रपतियों ने उन्हें ऐसा करने दिया। इसी क्रम में ट्रंप ने मैक्रों का जिक्र करते हुए दावोस में उनके सनग्लास पहनने पर तंज कसा। उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा कि उन्होंने मैक्रों को 'खूबसूरत सनग्लास' में देखा और पूछा कि आखिर ऐसा क्या हो गया। गौरतलब है कि मैक्रों आंखों की समस्या के कारण चश्मा पहनते हैं। ट्रंप ने इसके बाद दवाओं और प्रिस्क्रिप्शन ड्रग्स की कीमतों को लेकर फ्रांस के साथ हुए एक पुराने विवाद का जिक्र किया। उनके अनुसार, उन्होंने मैक्रों से कहा था कि फ्रांस समेत कई देश लंबे समय से दवाओं की कम कीमतों का फायदा उठाकर अमेरिका पर बोझ डाल रहे हैं। ट्रंप का दावा है कि जब मैक्रों ने दवाओं की कीमतें बढ़ाने से इनकार किया, तो उन्होंने फ्रांस पर 25 प्रतिशत आयात शुल्क और फ्रांसीसी वाइन व शैंपेन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की चेतावनी दी।

न्यूजीलैंड में भूस्खलन से मची तबाही, छुट्टी मनाने आए कई लोग लापता

जेंसी

न्यूजीलैंड । न्यूजीलैंड के बे ऑफ प्लेंटी क्षेत्र में माउंट मौंगानुई के नीचे स्थित एक हॉलिडे पार्क में गुरुवार को भूस्खलन हुआ, जिसमें कई लोग लापता हो गए। इनमें बच्चे भी शामिल हैं। यह हादसा उस समय हुआ, जब इलाके में भारी बारिश के बाद जमीन खिसक गई और छुट्टी मनाने आए लोगों के लिए बना कैंपग्राउंड मलबे की चपेट में आ गया। आपातकालीन प्रबंधन मंत्री मार्क मिचेल ने इस घटना को एक त्रासदी बताया। उन्होंने कहा कि बीचसाइड हॉलिडे पार्क में बचाव और खोज अभियान लगातार जारी है। न्यूजीलैंड अग्निशमन एवं आपातकालीन विभाग के कमांडर विलियम पाइके ने बताया कि शुरुआत में बचाव दल को मलबे के नीचे से कुछ आवाजें सुनाई दी थीं, लेकिन बाद में कोई आवाज नहीं आई। अब तक किसी भी जीवित व्यक्ति के मिलने की पुष्टि नहीं हुई है। स्थानीय समय के अनुसार सुबह करीब 9:30 बजे यह भूस्खलन हुआ। मलबा कैंपर वैन, कारों, टेंटों, हॉट पूल और एक शॉवर ब्लॉक पर आ गिरा। इसके बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोगों को तुरंत सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया।

आपातकालीन सेवाएं अब भी यह सुनिश्चित करने में जुटी हैं कि कोई व्यक्ति इलाके में फंसा न रह गया हो। यह भूस्खलन टौरंगा शहर में रिकॉर्ड तोड़ बारिश के बाद हुआ। आंकड़ों के अनुसार, सुबह 9 बजे तक के 24 घंटों में वहां 270 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। भारी बारिश और बाढ़ ने नॉर्थ आइलैंड के कई हिस्सों को रातभर प्रभावित किया। हजारों लोग बिजली के बिना रह गए हैं, जबकि पूर्वी तट और नॉर्थलैंड के कुछ इलाकों में समुदायों का संपर्क कट गया है। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने प्रभावित इलाकों के लोगों से स्थानीय प्रशासन की सुरक्षा सलाह मानने की अपील की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, 'नॉर्थ आइलैंड में मौसम खतरनाक हालात पैदा कर रहा है। सरकार प्रभावित लोगों की हरसंभव मदद कर रही है।' माउंट मौंगानुई क्षेत्र में इस हफ्ते भीषण तूफान और बाढ़ का असर देखा गया है। यहां 12 घंटों में ढाई महीने के बराबर बारिश दर्ज की गई, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है।

सीरिया से इराक लाए गए 150 आईएस कैदी

एजेंसी

बगदाद। इराक ने पहली बार सीरिया की जेलों में बंद इस्लामिक स्टेट (आईएस) के 150 कैदियों को अपने देश में स्वीकार किया है। इराकी अधिकारियों ने बुधवार (स्थानीय समय) को इसकी पुष्टि की। इन कैदियों में इराकी नागरिकों के साथ-साथ विदेशी नागरिक भी शामिल हैं, जिन पर इराकी आम लोगों की हत्या में गहरी भूमिका निभाने के आरोप हैं। इराकी सेना के कमांडर-इन-चीफ के प्रवक्ता सबाह अल-नुमान के बयान के मुताबिक ये कैदी पहले सीरिया के हसाका क्षेत्र में उन जेलों में बंद थे, जो सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेज (एसडीएफ) के नियंत्रण में हैं। अंतरराष्ट्रीय गठबंधन (जो आईएस के खिलाफ लड़ाई में जुटा है) के साथ समन्वय के बाद इन कैदियों को इराक को सौंपा गया।

सिन्हुआ न्यूज एजेंसी के रिपोर्ट में कहा गया है कि इन सभी कैदियों को इराक के आधिकारिक सरकारी सुधार गृहों (करैक्शनल इंस्टीट्यूशंस) में भेजा जाएगा। साथ ही यह भी साफ किया गया कि आगे कितने और कैदियों को कब लाया जाएगा, यह सुरक्षा हालात और आकलन पर निर्भर करेगा। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के अनुसार, इन कैदियों को सीरिया के हसाका स्थित एक हिरासत केंद्र से

इराक के एक सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया गया है। यह प्रक्रिया एक व्यापक योजना का हिस्सा है, जिसके तहत भविष्य में करीब 7,000 आईएस कैदियों को इराक के नियंत्रण वाली जेलों में लाया जा सकता है। सेंटकॉम ने अपने बयान में कहा कि इस तरह का सुरक्षित और व्यवस्थित स्थानांतरण बेहद जरूरी है ताकि किसी भी तरह की जेल से भागने की घटना को रोका जा सके, जो अमेरिका और पूरे क्षेत्र की सुरक्षा के लिए सीधा खतरा बन सकती है।

पिछले एक साल में अमेरिका और उसके साझेदार बलों ने सीरिया में 300 से ज्यादा आईएस सदस्यों को गिरफ्तार किया है और 20 से अधिक आतंकियों को मार गिराया है।

इंटरनेशनल सेंटर फॉर काउंटर-टेररिज्म थिंक टैंक के एसोसिएट फेलो एड्रियन श्टुनी के अनुसार, 2025 तक, यानी आईएस की स्थापना के करीब 21 साल बाद, इराक और सीरिया में संगठन की क्षेत्रीय पकड़ काफी कमजोर हो चुकी है। उन्होंने बताया कि अपने चरम पर आईएस के पास करीब 80,000 लड़ाके थे, जिनमें 120 से ज्यादा देशों के 42,000 से अधिक विदेशी आतंकवादी शामिल थे। इसके मुकाबले, 2025 के मध्य तक सीरिया और इराक में सक्रिय लड़ाकों की संख्या सिर्फ 1,500 से 3,000 के बीच आंकी जा रही है।

नेपाल-भारत के बीच सीमा शुल्क नियंत्रण को प्रभावी बनाने के लिए एमओयू

काठमांडू। नेपाल और भारत के बीच व्यापार को सुगम बनाने तथा सीमा शुल्क नियंत्रण को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से, निर्यात की जाने वाली वस्तुओं की जानकारी सीमा पर पहुंचने से पहले ही साझा करने संबंधी एक समझौता ज्ञापन(एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह समझौता भारत की राजधानी नई दिल्ली में आयोजित एक औपचारिक कार्यक्रम में नेपाल के सीमा शुल्क विभाग के महानिदेशक श्याम प्रसाद भंडारी और भारत के केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड के अध्यक्ष विवेक चतुर्वेदी के बीच हस्ताक्षरित किया गया। अंतरराष्ट्रीय प्रचलन के अनुरूप अब नेपाल अपने प्रमुख व्यापारिक साझेदार भारत के साथ निर्यात की जाने वाली वस्तुओं का विवरण अग्रिम रूप से साझा करेगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य जोखिम प्रबंधन के माध्यम से सीमा शुल्क जांच-पास प्रक्रिया को तेज और सरल बनाना है। समझौता ज्ञापन में जोखिम विश्लेषण के जरिए सीमा शुल्क नियंत्रण और व्यापार सहजीकरण को प्रभावी बनाने, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं में लगने वाले समय को कम करने तथा सुरक्षित अंतरराष्ट्रीय व्यापार सुनिश्चित करने का प्रावधान किया गया है।

नेपाल के संसदीय चुनाव में चार पूर्व प्रधानमंत्री मैदान में

काठमांडू। नेपाल की संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के पांच मार्च को होने वाले चुनाव में चार पूर्व प्रधानमंत्री चुनावी मैदान में हैं, जबकि दो पूर्व प्रधानमंत्रियों को उनकी पार्टियों ने उम्मीदवार नहीं बनाया है। चार पूर्व प्रधानमंत्रियों में- नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी) के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (नेकपा) के संयोजक पुष्पकमल दाहाल 'प्रचंड' एवं सह-संयोजक माधव कुमार नेपाल और प्रगतिशील लोकतांत्रिक पार्टी के नेता डॉ. बाबूराम भट्टराई हैं। इस बार दो पूर्व प्रधानमंत्रियों ने प्रतिनिधि सभा के चुनाव के लिए नामांकन नहीं किया है। चुनाव में टिकट नहीं मिलने से नेपाली कांग्रेस के निवर्तमान सभापति शेरबहादुर देउबा इस बार चुनाव नहीं लड़ेंगे। नेपाली कांग्रेस के विशेष महाधिवेशन को अवैध बताते हुए उच्चतम न्यायालय में कानूनी लड़ाई लड़ रहे देउबा को नेपाली कांग्रेस ने चुनाव में न उतारने का निर्णय लिया।

यूक्रेन ने रूसी बंदरगाह पर ड्रोन से किया हमला, तीन लोगों की मौत

एजेंसी

मॉस्को । रूस और यूक्रेन के बीच लगातार हमले जारी हैं। ताजा अपडेट में स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि रूस के क्रास्नोडार इलाके में पोर्ट पर यूक्रेन ने हमला किया। इस हमले में तीन लोगों की मौत हो गई। क्रास्नोडार के गवर्नर वेनामिन कोंद्रात्येव ने टेलीग्राम पर बताया कि हमला टेमर्युक जिले के वोल्ना गांव में पोर्ट टर्मिनल पर हुआ, जिसकी वजह से वहां पर आग लग गई, जिससे तेल प्रोडक्ट्स से भरे चार टैंकों में आग लग गई। आग बुझाने के लिए कड़ी मशक्कत की जा रही है। इसके साथ ही इमरजेंसी रिस्पॉन्स ऑपरेशन जारी है। हमले की वजह से आग पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स के चार टैंकों तक फैल गई, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई और आठ दूसरे लोग मामूली रूप से घायल हो गए। तामन पोर्ट रूस का तेल, पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स, कोयला, सल्फर, अमोनिया, कार्बामाइड और खाने के

सामान के लिए मुख्य एक्सपोर्ट हब है। इससे पहले 20 जनवरी की रात को, रूस के रिपब्लिक ऑफ अदिगिया के तख्तामुकेस्की जिले में एक ड्रोन हमले में कम से कम 11 लोग घायल हो गए थे। अदिगिया के प्रमुख मूरत कुम्पिलोव ने अपने टेलीग्राम चैनल पर इसकी जानकारी दी। कुम्पिलोव ने कहा कि घायलों में से नौ लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिसमें दो बच्चे भी शामिल थे। सभी पीड़ितों की हालत स्थिर बताई जा रही है और किसी के मरने की खबर नहीं है। यह हमला नोवाया अदिगेया गांव में हुआ था, जिसके बाद बड़ी आग लग गई और एक अपार्टमेंट बिल्डिंग और पास की पार्किंग को नुकसान पहुंचा। इस आग में 15 कारें जल गईं और 25 कारों को भी नुकसान पहुंचा। इससे पहले कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने मंगलवार को घोषणा की थी कि रूस के हवाई हमलों की वजह से यूक्रेन की राजधानी में बड़े पैमाने पर बिजली और पानी की सप्लाई में रुकावट आई है। क्लिट्स्को ने सोशल मीडिया टेलीग्राम पर लिखा कि रूस के रात भर के हवाई हमलों के बाद कीव में कुल 5,635 अपार्टमेंट बिल्डिंग बिना हीटिंग के रह गईं। क्लिट्स्को ने कहा कि हमलों की वजह से बिजली और पानी की सप्लाई में भारी रुकावट आई, जबकि यूटिलिटी और एनर्जी कर्मचारी हीटिंग, पानी और बिजली की सप्लाई को ठीक करने के लिए काम कर रहे थे। मेयर के मुताबिक, कीव में एक महिला घायल हो गई, जबकि इमारतों और गाड़ियों को नुकसान हुआ।

पाकिस्तान के कराची में शॉपिंग प्लाजा की आग में मृतकों की संख्या बढ़कर 61 हुई

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कराची में एमए जिन्ना रोड पर स्थित गुल शॉपिंग प्लाजा में लगी भीषण आग से मरने वालों की संख्या बढ़कर 61 हो गई। अधिकारियों ने पुष्टि की कि इमारत के अंदर एक ही दुकान से 30 शव बरामद किए गए हैं। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस उप महानिरीक्षक (दक्षिण) असद रजा ने बताया कि शव एक क्रॉकरी की दुकान में मिले हैं। इसके बाद मलबे को हटाने का काम अस्थायी रूप से रोक दिया ताकि पहले शवों को निकाला जा सके। उन्होंने बताया कि ऐसा लगता है कि आग लगने के बाद कई लोगों ने धुएं और आग से बचने की कोशिश में खुद को दुकान के अंदर बंद कर लिया।

उपायुक्त (दक्षिण) जावेद नबी खोसो ने घोषणा की कि रेस्क्यू 1122 को प्लाजा में आखिरी तलाशी अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह अभियान पूरा होने के बाद बिल्डिंग को गिरा दिया जाएगा। ढांचे को गिराने की जिम्मेदारी सिंध बिल्डिंग कंट्रोल अथॉरिटी की होगी। वैसे भी प्लाजा का 40 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा ढह चुका है। प्लाजा की छत से 32 वाहन और कई बड़े जनरेटर हटा दिए हैं। उपायुक्त ने कहा कि पास के रामपा प्लाजा को अस्थायी रूप से सील कर दिया गया है। अधिकारियों ने आसपास की इमारतों को होने वाले संभावित खतरों का पता लगाने के लिए सिंध बिल्डिंग कंट्रोल अथॉरिटी से बिल्डिंग प्लान और संबंधित दस्तावेज मांगे हैं।

ग्रीनलैंड पर घमासान के बीच ट्रंप ने लिया यू-टर्न, बोले- यूरोपीय देशों पर एक फरवरी से नहीं लगेगा टैरिफ

एजेंसी

नई दिल्ली । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में अपनी शर्तों पर व्यापार करने के लिए दुनिया के कई देशों पर टैरिफ लगाया। भारत भी उन देशों में से एक है। ग्रीनलैंड को लेकर मामला गरमाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने यूरोपीय देशों पर 1 फरवरी से टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया था, लेकिन अब ट्रंप अपने फैसले से यू-टर्न लेते नजर आ रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि ग्रीनलैंड को लेकर उन्होंने नाटो महासचिव के साथ फ्रेमवर्क तैयार किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा, 'नाटो के सेक्रेटरी जनरल मार्क रूट के साथ मेरी बहुत अच्छी मीटिंग हुई, जिसके आधार पर हमने ग्रीनलैंड और असल में पूरे आर्कटिक इलाके के लिए भविष्य की डील का फ्रेमवर्क बनाया है। अगर यह सॉल्यूशन पूरा होता है, तो यह अमेरिका और सभी नाटो देशों के लिए बहुत अच्छा होगा।' ट्रंप ने आगे लिखा,

'इस समझ के आधार पर मैं वे टैरिफ नहीं लगाऊंगा जो 1 फरवरी से लागू होने वाले थे। ग्रीनलैंड से जुड़े मिसाइल डिफेंस शील्ड 'द गोल्डन डोम' के बारे में और बातचीत हो रही है। बातचीत आगे बढ़ने पर और जानकारी दी जाएगी। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो, खास दूत स्टीव विटकॉफ, और जरूरत पड़ने पर कई दूसरे लोग बातचीत के लिए जिम्मेदार होंगे। वे सीधे मुझे रिपोर्ट करेंगे।' इससे पहले ट्रंप ने दावोस में बंटे हुए यूरोप पर निराशा जाहिर की और अपने संबोधन की शुरुआत में उन्होंने कहा, 'यहां दूसरी बार इतने सारे दोस्तों और कुछ दुश्मनों के बीच आकर अच्छा लग रहा है।'

ट्रंप ने कहा कि यूरोप की इमिग्रेशन पॉलिसी और आर्थिक नीतियों के नतीजे विनाशकारी हुए हैं, जबकि इसके मुकाबले अमेरिका में 'आर्थिक चमत्कार' देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा, 'मुझे यूरोप से प्यार है और मैं चाहता हूं कि यूरोप आगे बढ़े, लेकिन वह सही दिशा में नहीं जा रहा है। लगातार बढ़ता सरकारी खर्च, बिना नियंत्रण का बड़े पैमाने पर प्रवासन और अंतहीन विदेशी आयात इसके लिए जिम्मेदार हैं।' ट्रंप ने कहा है कि आर्थिक मामलों में यूरोप को अमेरिका जैसा बनना चाहिए और वही करना चाहिए जो अमेरिका कर रहा है। इसके साथ ही ट्रंप ने 'बिना रोक-टोक के बड़े पैमाने पर माइग्रेशन' और यूरोप के ग्रीन एनर्जी फोकस पर हमला किया। उन्होंने दावा किया कि यूरोप में कुछ जगहें 'सच में पहचानने लायक नहीं रही हैं।' उन्होंने कहा कि दोस्त अलग-अलग जगहों से वापस आते हैं और नेगेटिव तरीके से कहते हैं कि मैं इसे पहचान नहीं पा रहा हूं।

नए एच-1बी नियम से अमेरिकी अर्थव्यवस्था को बड़े फायदे की उम्मीद पर लागू करने की समय-सीमा पर उठे सवाल

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका में एच-1बी वर्क वीजा से जुड़े नए नियम अगले 10 वर्षों में देश की अर्थव्यवस्था को बड़ा फायदा पहुंचा सकते हैं। अमेरिकी सरकार की निगरानी संस्था गवर्नमेंट अकाउंटेबिलिटी ऑफिस (जीएओ) के मुताबिक, इस नियम से साल 2026 से 2035 के बीच करीब 20 अरब डॉलर से ज्यादा का आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। हालांकि, जीएओ ने यह भी चेतावनी दी है कि यह नियम शायद कानून में तय समय-सीमा से पहले लागू किया जा रहा है। जीएओ की रिपोर्ट के अनुसार, होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट (डीएचएस) द्वारा बनाया गया नया एच-1बी चयन नियम करीब 303 मिलियन डॉलर की लागत से लागू होगा। इसके बावजूद विभाग का अनुमान है कि इससे जनता को लगभग 19.78 अरब डॉलर का शुद्ध लाभ मिलेगा। इसके अलावा, 10 साल की अवधि में कुल ट्रांसफर करीब 34.34 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। इस नियम की प्रभावी तारीख 27 फरवरी 2026 तय की गई है, लेकिन जीएओ ने कहा कि यह तारीख अमेरिकी कानून के तहत तय 60 दिनों की अवधि से कम है। अमेरिकी कांग्रेसनल रिव्यू एक्ट के मुताबिक, किसी भी बड़े संघीय नियम को कांग्रेस में पेश किए जाने या प्रकाशित होने के बाद कम से कम 60 दिन का समय दिया जाना चाहिए। जीएओ के अनुसार, यह नियम 29 दिसंबर 2025 को कांग्रेस को भेजा गया और उसी दिन फेडरल रजिस्टर में प्रकाशित किया गया। हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स को यह नियम 29 दिसंबर को, जबकि सीनेट को 5 जनवरी 2026 को मिला। इसी वजह से समय-सीमा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

जीएओ ने अपनी रिपोर्ट इस हफ्ते सीनेट और हाउस की ज्यूडिशियरी कमेटी के नेताओं को भेजी है, जो इमिग्रेशन नीति और डीएचएस की निगरानी करती हैं। नियम के तहत अब एच-1बी वीजा के लिए आवेदन करने वालों का चयन एक 'वेटेड सिस्टम' से होगा। डीएचएस का कहना है कि इस नई प्रक्रिया में ज्यादा कुशल और ज्यादा वेतन पाने वाले विदेशी कर्मचारियों को प्राथमिकता मिलेगी।

विभाग ने यह भी साफ किया है कि सभी वेतन स्तरों पर एच-1बी कर्मचारियों को रखने की सुविधा बनी रहेगी। उनका लक्ष्य इस कार्यक्रम को कांग्रेस की मंशा के अनुसार और बेहतर बनाना है।

ग्रीनलैंड विवाद के बीच यूरोपीय संसद ने रोका ईयू-यूएस ट्रेड डील पर वोट

एजेंसी

स्ट्रासबर्ग (फ्रांस)। ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयानों का असर अब यूरोप-अमेरिका व्यापार संबंधों पर भी दिखने लगा है। यूरोपीय संसद के एक अहम समूह ने ईयू-यूएस ट्रेड डील को मंजूरी देने के लिए होने वाले मतदान को रोक दिया। यह कदम ट्रंप द्वारा ग्रीनलैंड पर कब्जे की बात कहने और विरोध करने वाले देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की धमकी के बाद उठाया गया। यूरोपीय संसद की व्यापार समिति के अध्यक्ष बर्न्ड लैंगे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 'ईयू-यूएस डील अनिश्चितकाल के लिए बर्फ पर डाल दी गई है।' हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि पूरा व्यापार समझौता रद्द किया गया है या फिर इसके वे हिस्से लागू रहेंगे, जो पहले ही प्रभाव में आ चुके हैं। गौरतलब है कि यूरोपीय संघ और अमेरिका के बीच जुलाई में इस व्यापार समझौते पर प्रारंभिक सहमति बनी थी। इसके तहत कई प्रावधानों को औपचारिक हस्ताक्षर से पहले ही लागू कर दिया गया था। इस डील में यूरोपीय संघ से अमेरिका भेजे जाने वाले सामानों पर 15 प्रतिशत टैरिफ का प्रावधान था। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब ट्रंप ने दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के मंच से कहा कि वे ग्रीनलैंड हासिल करने के लिए बल प्रयोग नहीं करेंगे, लेकिन उन्होंने बार-बार यूरोप से ग्रीनलैंड अमेरिका को सौंपने की मांग दोहराई। इस बयान ने ईयू-यूएस रिश्तों में नई तल्खी पैदा कर दी है।

दावोस में लंबी बैठकों के बीच ट्रंप ने दिखाया अपना ह्यूमर, मजाकिया अंदाज पर लोगों की छूटी हंसी

एजेंसी

वॉशिंगटन । वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम 2026 में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर से सुर्खियां बटोरीं। दावोस में भी ट्रंप अपना ह्यूमर दिखाने से पीछे नहीं हटे। ट्रंप ने भूराजनीतिक से लेकर आर्थिक समेत तमाम मुद्दों पर अपनी बात रखी। स्थानीय समयानुसार लंबी बैठकों के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने बिजनेस लीडरों के रिसेप्शन को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'मेरे पास यह खूबसूरत भाषण है।' यह बोलते ही सबकी हंसी छूट पड़ी। आगे उन्होंने कहा, 'आखिरी चीज जो हम करना चाहते हैं वह है अपना टाइम वेस्ट करना और इसे दोबारा सुनना।' कमरे में जाने-पहचाने चेहरे देखकर उन्होंने टिकट डिमांड और सेलिब्रिटी अटेंडेंस के बारे में मजाक किया। उन्होंने कहा, 'जब आपके पास जॉनी है और मैंने आपको सुना तो मुझे अभी-अभी टिकटों की सेल्स पर एक रिपोर्ट मिली है। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।' ट्रंप की यह बात सुनते ही सब हंस पड़े।

ट्रंप ने अपने पास बैठे सीनियर अधिकारियों को चिढ़ाते हुए वित्त सचिव स्कॉट बेसेंट और कॉमर्स सेक्रेटरी हॉवर्ड लुटनिक को दो बिल्कुल उलटे लोग बताया और कहा, 'मुझे यह पसंद है।' इस पर भी हंसी गूंज सुनाई दी। उन्होंने बढ़ते वैल्यूएशन को लेकर कॉर्पोरेट नेताओं का भी मजाक उड़ाते हुए कहा, 'मैं घूमता हूं और कहता हूं, सबसे बड़े लोगों से मिलो, सबसे बड़े बिजनेस करने वालों से।' मैं कहता हूं, 'बधाई हो।' वे कहते हैं, 'किस बात पर?' मैंने कहा, 'जब से मैं राष्ट्रपति बना हूं, तब से आपकी नेट वर्थ दोगुनी हो गई है, है ना?' एप्पल के सीईओ टिम कुक को देखकर ट्रंप ने मजाक में कहा, 'वह 650 बिलियन डॉलर के लिए अच्छे रहे हैं।' निवेश के वादों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'जरा सोचो। 650 बिलियन डॉलर।' इस पर हॉल में तालियां बजीं और लोग हंसने लगे। ट्रंप ने जलन की भावना का भी जिक्र किया और अपने मजाकिया अंदाज में कहा, 'एक तरह से, मुझे जलन हो रही है। एक तरह से मैं परेशान हूं। कमरे में कुछ लोग हैं, मैं उन्हें बर्दाश्त नहीं कर सकता और वे बहुत अमीर बन जाते हैं।' वह अपने देश की सिक्योरिटी चिंताओं पर हंसे। वॉशिंगटन में हाल ही में हुए डिनर को याद करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं सड़क के ठीक बीच से चलता हूं लेकिन मैं यह नहीं कहूंगा कि सीक्रेट सर्विस बहुत खुश थी।' सीएनबीसी के साथ अपने इंटरव्यू के दौरान ट्रंप ने अपनी आलोचनाओं को मजाक में टाल दिया और कहा, 'अगर मैं कैंसर का इलाज लेकर आता, तो वे कहते, 'तुमने इसे और तेजी से क्यों नहीं किया?' अगर आप पानी पर चलते हैं, तो आप तैर नहीं सकते।' फेडरल रिजर्व लीडरशिप के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने सेंट्रल बैंक में कंस्ट्रक्शन के खर्च में बढ़ोतरी का मजाक उड़ाया और कहा, 'मैं इसे 25 मिलियन डॉलर में कर सकता था और यह ज्यादा अच्छा होता।' इस दौरान उन्होंने इसकी तुलना उन प्रोजेक्ट्स से की जिनके बारे में उन्होंने दावा किया था कि उन्होंने बहुत कम लागत में इसे बनाया था।

ग्रीनलैंड में भी ट्रंप ने हल्के-फुल्के अंदाज में बात की। ग्रीनलैंड को लेकर डेनमार्क लगातार अमेरिकी राष्ट्रपति का विरोध कर रहा है। डेनमार्क कह रहा है कि अमेरिका ग्रीनलैंड पर कब्जा नहीं कर सकता है। ऐसे में डेनमार्क के ऐतराज पर ट्रंप ने कहा, 'उन्होंने मुझे यह नहीं बताया। मुझे यह बात दूसरों से सुनना पसंद नहीं है।'

ट्रंप लंबे समय से बिना स्क्रिप्ट वाली बातें करना पसंद करते हैं। यही ट्रंप की खासियत भी है। अक्सर उन्हें मीडिया से बातचीत के दौरान पॉलिसी मैसेजिंग को लेकर मजाक करते देखा गया है। लंबी बैठकों के बाद दावोस में ट्रंप ने माहौल को हल्का बना दिया। दावोस में हुई इस बैठक में द्विपक्षीय वार्ता, मीडिया इंटरव्यू और सुरक्षा पर चर्चा हुई।

page 1 and 8 jan 23_page 1 Mar 25 final ds.qxd 1/22/2026 10:11 PM Page 2

कर्तव्य पथ पर दिखेगी भारत की सांस्कृतिक शक्ति और आधुनिक प्रगति की भव्य झलक

नई दिल्ली, 22 जनवरी (हि.स.)। गणतंत्र दिवस 2026 की परेड इस बार भारत के विभिन्न राज्यों और मंत्रालयों की अनूठी विरासत, शौर्य और भविष्यवादी दृष्टि का संगम होने जा रही है। दिल्ली कैंट में तैयार की जा रही कर्तव्य पथ पर निकलने वाली झांकियों में इस वर्ष लद्दाख के अंतरिक्ष अनुसंधान से लेकर राजस्थान की सुनहरी उस्ता कला और मध्य प्रदेश की महेश्वरी साड़ी तक विकसित भारत की एक झलक दिखाई देगी।

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के उप सचिव, नज़ीर हुसैन ने गुरुवार को कहा, इस बार लद्दाख की थीम तारों के नीचे खानाबदोश रखी गयी है। लद्दाख की झांकी इस बार अपनी विशिष्ट पहचान को विज्ञान और बलिदान के माध्यम से प्रस्तुत करेगी। झांकी में हनले खगोलीय वेधशाला को प्रदर्शित किया जायेगा, जो भारत का पहला डार्क स्काई अभयारण्य का हिस्सा है।

उन्होंने बताया कि जहां गलवान घाटी के शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई है, वहीं दूसरी ओर चांगथांग पठार के चांगपा समुदाय और उनकी प्रसिद्ध पश्मीना बकरियों के साथ खानाबदोश जीवन को दर्शाया गया है। श्योक सुरंग का मॉडल क्षेत्र में बढ़ती कनेक्टिविटी और सुरक्षा तैयारियों को रेखांकित करता है। वहीं, राजस्थान की झांकी बीकानेर की विश्व प्रसिद्ध उस्ता कला (ऊंट की खाल पर सोने की मीनाकारी) की भव्यता बिखेर रही है। झांकी में 24 कैरेट सोने की पत्ती से की गई जादुई मीनाकारी और विशाल सजे-धजे ऊंट का प्रदर्शन किया गया है। झांकी के आगे रावणहत्ता लोक वाद्य यंत्र बजाते कलाकार और दोनों ओर गैर नृत्य करते नर्तक राजस्थान की जीवंत ऊर्जा को जीवंत कर रहे हैं।

केंद्र सरकार के नोडल ऑफिसर संजय सक्सेना ने बताया कि इस वर्ष की विशेष झांकी महारानी अहिल्याबाई होलकर को समर्पित है। यह झांकी उनकी 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में तैयार की गई है। झांकी को महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर महिला के आदर्श पर तैयार की गयी है।

उन्होंने बताया कि अहिल्याबाई होलकर द्वारा देश भर के जीर्ण-शीर्ण मंदिरों के पुनरुद्धार और उनके कुशल प्रशासन को सनातनी धर्म के प्रतीक के रूप में दिखाया जाएगा।

शिक्षा मंत्रालय की झांकी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से भारतीय स्कूल शिक्षा के बदलते स्वरूप को दिखाया जाएगा। झांकी के अग्रभाग में महान गणितज्ञ आर्यभट बचों को आशीर्वाद दे रहे हैं। यहां बचे वर्चुअल रियलिटी हेडसेट पहने हुए प्राचीन जड़ें, डिजिटल कौशल का संदेश दे रहे हैं। 2047 के टॉवर और रोबोटिक हाथों के माध्यम से यह दर्शाया गया है कि कैसे आधुनिक प्रयोगशालाएँ और स्मार्ट कक्षाएँ भारत के भविष्य को आकार दे रही हैं।

वहीं, मध्य प्रदेश की झांकी पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई होलकर के सुशासन और नारी सशक्तीकरण को समर्पित है। झांकी के अग्रभाग में शिवलिंग धारण किए देवी अहिल्याबाई की सौम्य प्रतिमा है। झांकी में महेश्वर के प्रसिद्ध घाट, किले और मंदिर के साथ-साथ प्रसिद्ध महेश्वरी साड़ी बुनती महिलाओं को दिखाया गया है, जो स्वदेशी उत्पाद और महिला आत्मनिर्भरता का प्रतीक है।

उत्तर प्रदेश ने इस बार प्राचीन कालिंजर दुर्ग के माध्यम से अपनी ऐतिहासिक गहराई और आधुनिक प्रगति का मेल तैयार किया है। अग्रभाग में कालिंजर का प्रसिद्ध एकमुख लिंग स्थापित है। यह झांकी बुंदेलखंड के मृद्भांड और मनका शिल्प जैसे एक जिला एक उत्पाद को प्रदर्शित करेगीउल्लेखनीय है कि नई दिल्ली में होने वाली 77वीं गणतंत्र दिवस परेड में इस बार कुल 30 झांकियां हिस्सा लेंगी। इनमें 17 झांकियां रायों और केंद्र शासित प्रदेशों की होंगी, जबकि 13 झांकियां विभिन्न मंत्रालयों और विभागों की होंगी। इसका मुख्य विषय स्वतंत्रता का मंत्र- वंदे मातरम और समृद्धि का मंत्र- आत्मनिर्भर भारत रहेगा, जो इस साल की प्रदर्शनी वंदे मातरम के 150 वर्षों के गौरवशाली इतिहास और भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता का एक अद्भुत संगम होगी।

उपराष्ट्रपति ने श्री रमण महर्षि की 146वीं जयंती पर स्मारक सिक्का जारी किया

नई दिल्ली, 22 जनवरी (हि.स.)। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने गुरुवार को यहां आयोजित भगवान श्री रमण महर्षि की 146वीं जयंती समारोह को संबोधित किया और उनके सम्मान में स्मारक सिक्का जारी किया।

उपराष्ट्रपति ने भगवान श्री रमण महर्षि को आधुनिक भारत के सर्वाधिक पूज्य आध्यात्मिक महापुरुषों में से एक बताते हुए कहा कि उनका स्थान भारत की आध्यात्मिक और सभ्यतागत विरासत में विशिष्ट है। उन्होंने कहा कि अनेक संतों ने त्याग और वैराग्य का जीवन जिया, लेकिन श्री रमण महर्षि की विशेषता यह थी कि वे अपने द्वारा अपनाए गए वैराग्य के आदर्श जीवन से भी अनासक्त रहे।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि श्री रमण महर्षि का जीवन और उपदेश सत्य, आत्मज्ञान और आंतरिक स्वतंत्रता की भारत की शाश्वत साधना का सार प्रस्तुत करते हैं। आत्मविचार को उनका केंद्रीय उपदेश बताते हुए उन्होंने कहा कि आंतरिक अनुभूति पर महर्षि का जोर विश्वभर के साधकों को प्रेरित करता रहा है और इसी कारण वे विश्व स्तर पर सम्मानित आध्यात्मिक गुरु माने जाते हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज के जटिल और तेज़ी से बदलते समय में आत्म-जागरूकता और आंतरिक अनुशासन पर आधारित श्री रमण महर्षि की शिक्षाएं नेतृत्व, शासन और उत्तरदायी नागरिकता के लिए विशेष रूप से प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि महर्षि ने भक्ति, ज्ञान, ध्यान और निष्काम सेवा—सभी आध्यात्मिक मार्गों की एकता को स्वीकार किया और बताया कि ईश्वर एक है, भले ही उपासना के मार्ग भिन्न हों।

उन्होंने कहा कि भगवान श्री रमण महर्षि की करुणा मनुष्यों के साथ-साथ पशु-पक्षियों और सभी जीवों तक समान रूप से विस्तृत थी, जो भारत की सर्वधर्म समभाव और सार्वभौमिक सौहार्द की परंपरा को प्रतिबिंबित करती है। उपराष्ट्रपति ने तिरुवन्नामलाई स्थित श्री रमण आश्रम तथा देश-विदेश में स्थापित रमण केंद्रों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि ये संस्थान महर्षि की कालजयी शिक्षाओं के संरक्षण और प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने आश्रम द्वारा संचालित नि:शुल्क चिकित्सालय, साधुओं व जरूरतमंदों के लिए भोजन व्यवस्था तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों की भी प्रशंसा की।इतिहास का स्मरण करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान महात्मा गांधी अक्सर स्वतंत्रता सेनानियों को मानसिक शक्ति और शांति प्राप्त करने के लिए श्री रमण आश्रम जाने के लिए प्रेरित करते थे। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी स्मारक सिक्के को उपराष्ट्रपति ने एक उपयुक्त श्रद्धांजलि बताते हुए कहा कि यह न केवल भगवान श्री रमण महर्षि के स्थायी आध्यात्मिक प्रभाव का सम्मान है, बल्कि श्री रमण आश्रम की ऐतिहासिक भूमिका को भी रेखांकित करता है। उन्होंने कहा कि यह सिक्का भारत की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत और आत्म-जागरण के संदेश का स्थायी स्मरण बनेगा।

कद्दू वर्गीय प्रमुख सब्जियाँ

बेलवाली सब्जियां जैसे लौकी, तोरई, तरबूज,खरबूजा, पेठा, खीरा, टिण्डा, करेला आदि की खेती मैदानी भागो में गर्मी के मौसम में मार्च से लेकर जून तक की जाती है। इन सब्जियों की अगेती खेती जो अधिक आमदनी देती है, करने के लिए पॉली हाउस तकनीक में जाड़े के मौसम में इन सब्जियों की नसर्री तैयार करके की जा सकती है। पहले इन सब्जियों की पौध तैयार की जाती है तथा फिर मुख्य खेत में जड़ो को बिना क्षति पहुँचाये रोपण किया जाता है।

किस्म व संकर प्रजातियाँ

खीरा - पोइंसेट, जापानीज, लौंग ग्रीन, पूसा संयोग तथा पूसा उदय

लौकी - पूसा नवीन, पूसा संदेश, पूसा संतुष्टि, पूसा समृद्धि, पी.एस.पी.एल. तथा पूसा हाइब्रिड-3

करैला - पूसा दो मौसमी, पूसा विशेष, पूसा हाइब्रिड-1 व पूसा हाइब्रिड-2

तोरी - पूसा सुप्रिया, पूसा स्नेहा, पूसा चिकनी, पूसा नसदार, सतपुतिया, पूसा नूतन व को-1

चप्पन कद्दू - आस्ट्रेलियन ग्रीन, पैटी पेन, अर्ली येलो, पूसा अलंकार व प्रोलिफिक

कद्दू - पूसा विशवास, पूसा विकास, अर्का चंदन व पूसा हाइब्रिड-1

उर्वरण व खाद - ज्यादातर बेल वाली उपरोक्त सब्जियों में खेत की तैयारी के समय 15-20 टन/हेक्टेयर गोबर की खाद व 80 कि.ग्रा. नत्रजन, 50 कि.ग्रा. फास्फोरस तथा 50 कि.ग्रा. पोटाश की आवश्यकता होती है।

बीज बुवाई - खेत में लगभग 45 से.मी. चौड़ी तथा 30-40 से.मी. गहरी नालियाँ बना लें। एक नाली से दूसरी नाली की दूरी फसल की वेल की बढ़वार के अनुसार 1.5 की. से 5 मी. तक रखें। बुवाई से पहले नालियों में पानी लगा दें। जब नाली में नमी की मात्रा बीज बुवाई के लिए उपयुक्त हो जाए तो बुवाई के स्थान पर मिटटी भुरभुरी करके 0.05 से 1.0 मी. की दूरी पर बीज बोएँ।

बुवाई का समय - बसंत-गर्मी की फल बुवाई फरवरी-मार्च में करते हैं तथा वर्षा के मौसम जून के अंत से जुलाई माह में करते हैं।

फसल की आवश्यकतानुसार समय-समय पर पानी का प्रबंध करें तथा सिंचाई व निराई-गुड़ाई नालियों में ही करें।

पाली हाउस विधि से अगेती खेती

कद्दूवर्गीय सब्जियों की उत्तर भारत में मैदानी क्षेत्रों में गर्मी के मौसम के लिए अगेती फसल तैयार करने के लिए पॉली हाउस में जनवरी माह में झोपड़ी के आकार का पॉली हाउस बनाकर पौध तैयार कर लेते हैं। पौधे तैयार करने के लिए 15 ग 10 से.मी. आकार की पॉलीथीन की थैलियों में 1:1:1 मिटटी, बालू व गोबर की खाद भरकर जल निकास की व्यवस्था हेतु सुए की सहायता से छेद कर लेते हैं। बाद में इन थैलियों में लगभग 1 से.मी. की गहराई पर बीज बुवाई करके बालू की पतली परत बिछा लेते हैं तथा हजारे की सहायता से पानी लगाते हैं। लगभग 4 सप्ताह में पौधे खेत में लगाने के योग्य हो जाते हैं। जब फरवरी माह में पाला पड़ने का डर समाप्त हो जाये तो पॉलीथीन की थैली को ब्लेड से काटकर हटाने के बाद पौधे की मिटटी के साथ खेत में बनी नालियों की मेंढ़ पर रोपाई करके पानी लगाते हैं। इस प्रकार लगभग एक से डेढ़ माह बाद अगेती फसल तैयार हो जाती है जिससे किसान अगेती फसल तैयार करके ज्यादा लाभ कमा सकता है।

बीज दर - विभिन्न फसलों के लिए बीज दन निम्न प्रकार है

खीरा 2.2-2.5 कि.ग्रा., लौकी 4-5 कि.ग्र., करेला 6-7 कि.गा्., कद्दू 3-4 कि.गा., तौरी 5--.5 कि.ग्रा., चप्पन कद्दू 5-6 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर

उपज-फसल अनुसार निम्न प्रकार है

खीरा 100-120 क्विंटल, लौकी 250-420 क्विंटल, करेला 75-120 क्विंटल, कद्दू 250-500 क्विंटल, तौरी 100-130 क्विंटल, चप्पन कद्दू 50-60 क्विंटल/हेक्टेयर

कटाई उपरांत प्रौद्योगिकी

- बेल वाली फसलें जैसे खीरा, घीया, तोरी करेला व कद्द में तुड़ाई तब करें जब वे कच्चे व मुलायम हों।
- तुड़ाई कैंची की मदद से करें तथा डंठल सहित (4-5 से.मी.) फलों को तोड़ें।
- रंग व आकार के आधार पर श्रेणीकरण कर पैकिंग करें।
- पैक किये गये फलों को शीघ्र मण्डी या शीतगृह में रखें।
- पैक किये गये फलों को काट कर (छल्लानुमा) स्वच्छ जगह पर सुखाएँ एवं पालीथीन के थैलों में सील करके भण्डारित करें।

कीट प्रकोप एवं प्रबंधन

1. लाल कद्द भृंग (रैड पम्पकिन बीटल)

इस कीट के शिशु व वयस्क दोनों ही फसल को हानि पहुँचाते हैं। वयस्क कीट पौधों के पत्ते में टेढ़े-मेढ़े छेद करते हैं जबकि शिशु पौधों की जड़ों, भूमिगत तने व भूमि से सटे फलों तथा पत्तों को नुकसान पहुँचाते हैं।

प्रबंधन

1. फसल खत्म होने पर बेलों को खेत से हटाकर नष्ट कर दें।

2. फसल की अगेती बुवाई से कीट के प्रभाव को कम किया जा सकता है।

3. स्तरी रंग के भृंग को सुबह के समय इकट्ठा करके नष्ट कर दें।

4. कार्बेरिल 50 डब्ल्यू.पी. 2 ग्राम/लिटर या एन्डोसल्फान 35 ई.सी. 2 मि.ली.फलिटर या एमामेक्टिन बैंजोएट 5 एस.जी. 1 ग्राम/2 लिटर या इन्डोक्साकार्ब 14.5 एस.सी. 1 मि.लि./2 लिटर का छिड़काव करें।

5. भूमिगत शिशुओं के लिए क्लोरपायरीफॉस 20 ई.सी. 2.5 लिटर/हेक्टेयर हल्की सिंचाई के साथ इस्तेमाल करें।

2. फल मक्खी (फ्रूट फलाई)

इस कीट की मक्खी फलों में अंडे देती है तथा शिशु अंडे से निकलने के तुरंत बाद फल के गूदे को भीतर ही भीतर खाकर सुरंगें बना देते हैं।

प्रबंधन

1. खेत की निड़ाई करके प्यूमा को नष्ट कर दें।

2. ग्रसित फलों को भी कत्रित करके नष्ट कर दें।

3. मक्खियों को आकर्षित कर मारने के लिए मीठे जहर, जो एन्डोसल्फान 35 ई.सी. 5 मि.लि./लिटर व 1 प्रतिशत चीनी/गुड़ (25 ग्राम/लिटर) से बनाया जा सकता है, का 50 लिटर/हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें। फल मक्खी रात को मक्खी के पौधों के पत्तों की निचली सतह पर विश्राम करती है इसलिए कद्दू वर्गीय फसलों के खेत के पास मक्खी लगाने व उस पर छिड़काव करने से इस कीट को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

4. फल मक्खी के नरों को आकर्षित करने के लिए मिथाइल करने से इस कीट को नियंत्रित भी किया जा सकता है।

3. सफेद मक्खी (व्हाइट फलाई)

इस कीट के शिशुओं व वयस्कों के रस चुसने से पत्ते पीले पड़ जाते हैं। इनके मधुबिन्दु पर काली फफूंद आने से पौधों की भोजन बनाने की क्षमता कम हो जाती है।

इस कीट की रोकथाम के लिए एन्डोसल्फान 35 ई.सी. 2 मि.लि./लिटर या इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. 1 मि.लि./3 लिटर या डइइमेथेएट 30 ई.सी. 2 मि.लि./लिटर का छिड़काव करें।

4. चिंचिड़ा सेमी लूपर

यह कीट केवल चिंचिड़ा को ही हानि पहुँचाता है। अधिक प्रकोप की अवस्था में इसकी इल्लियाँ पौधों के पत्तों को खकर खत्म कर देती हैं।

प्रबंधन

1. इल्लियों को इकट्ठा करके नष्ट कर दें।

2. नीम बीज अर्क (5 प्रतिशत) या बी.टी. 1 ग्राम/लिअर या एन्डोसल्फान 35 ई.सी. 2 मि.लि./लिटर या काब्रोरिल 50 डब्ल्यू.पी. 2 मि.लि./लिटर या स्पिनोसेड 45 एस.सी. 1 मि.लि./4 लिटर का छिड़काव करें।

5. चेपा (एपिड)

चेपा लगभग सभी कद्?दू वर्गीय फसलों पर आक्रमक करते हैं। ये पौधों के कोमल भागों से रस चूसकर फसल को हानि पहुँचाते हैं।

प्रबंधन

1. लेडी बर्ड भृंग का संरक्षण करें।

2. नाइट्रोजन खाद का अधिक प्रयोग न करें।

3. इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. 1 मि.लि./3 लिटर या डाइमेथेएट 30 ई.सी. 2 मि.लि./लिटर या क्विनलफॉस 25 ई.सी. 2 मि.लि./लिटर का छिड़काव करें।

सर्दियों में उचित प्रबंधन अपनाएं, बागों से खूब लाभ कमाएं

शीत ऋतु की ठंड, शीत लहर, मेघाच्छन्न दिन-रात भले ही सामान्य जीवन की गतिविधि को प्रभावित करते हैं, परंतु, बागवान भाइयों के लिए यह समय अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस समय बागों में किए गए कृषि कार्यों का पौधों की उत्तरजीविता एवं फलन पर दूरगामी प्रभाव होता है। अब की मेहनत कल काम आएगी, जान लें कि कैसे।

फलों के अच्छे और उच्च गुणवत्ता के उत्पादन के लिए बगिया की देखभाल अति आवश्यक है। फलदार पौधों की बहुवर्षीय प्रकृति के कारण इनकी देखभाल तथा रखरखाव धान्य फसलों से भिन्न होता है। इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण फलों में जनवरी व फरवरी में की जाने वाली प्रमुख कृषि क्रियाओं का विवरण दिया गया है।

आम का पेड़ चाहे विशेष देखरेख

इस मौसम में पौधों, विशेषकर नवस्थापित बागान को पाले से बचाना अति आवश्यक है। जनवरी में नर्सरी में लगे पौधों को पाले से सुरक्षा के लिए छप्पर से ढकना चाहिए। वहीं दूसरी ओर छोटे पौधों को भी पुआल से ढक दें। पाले से बचाव के लिए बाग में समय-समय पर हल्की सिंचाई करें। बागों की निराई-गुड़ाई एवं सफाई का कार्य करें। आम के नवरोपित बागों की सिंचाई करें।

इस समय लगने वाले बौरों का भी ध्यान रखना आवश्यक है। इन्हीं पर फलोत्पादन निर्भर करेगा। जनवरी के प्रथम सप्ताह में आने वाले बौर में फल नहीं लगते और ये अक्सर गुच्छे का रूप धारण कर लेते हैं। अत: ऐसे बौर को निकालकर नष्ट कर दें। आम में उर्वरक देने का यह सही समय है। नाइट्रोजन 500 ग्राम, फॉस्फोरस 500 ग्राम तथा पोटाश 700 ग्राम प्रति पौधा प्रयोग करें। इन्हें मिट्टी में मिलाकर हल्की सिंचाई कर दें। बागों की निराई-गुड़ाई एवं सफाई का कार्य करें।

फरवरी में थालों की गुड़ाई करें।

फुदका या तेला (मैंगो हॉपर) के नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रिड (0.3 प्रतिशत) तथा चूर्णिल आसिता रोग से बचाव के लिए केराथेन (20 ग्राम प्रति 100 लीटर पानी में) का छिड़काव फरवरी के अंतिम सप्ताह में अवश्य करें। फरवरी में छोटे पौधों के ऊपर से छप्पर हटा दें।

मीलीबग (गुजिया) के बचाव के लिए वृक्षों के तने पर पॉलीथीन की 3 फुट चौड़ी पट्टी बांध दें एवं 250 ग्राम प्रति वृक्ष की दर से क्लोरपॉयरीफॉस धूल (1.5 प्रतिशत) को पेड़ के चारों ओर की मिट्?टी में मिश्रित करना चाहिए। इसके अतिरिक्त, भूमि की सतह पर परभक्षी ब्यूवेरिया बेसियाना (2 ग्राम प्रति लीटर, 1म107 बीजाणु प्रति मि.ली.) अथवा 5 प्रतिशत नीम बीज के गिरी सतत? का प्रयोग प्रौढ़ कीटों को मारने के लिए करें।

ध्यान रखने योग्य बात है कि इन्हीं दिनों पौधों पर फूल आते हैं और यदि किसी भी कीटनाशी का प्रयोग फूलों पर किया गया तो संपूर्ण परागण न होने से कम फल लगेंगे।

नीबूवर्गीय फलों का कल्याण, भरेगा धन-धान्य

जनवरी में एक-दो सिंचाई करें तथा पाले से बचाने के हर संभव उपाय करें। मूलवृत्त तैयार करने के लिए बीज की बुआई पॉलीथीन में करें। प्रति पौधा 400 ग्राम नाइट्राजेन, 200 ग्राम फास्फोरस तथा 400 ग्राम पोटाश का प्रयोग 50 कि.ग्रा. गोबर की खाद के साथ करके हल्की सिंचाई कर दें। बागों की निराई-गुड़ाई एवं सफाई का कार्य करें।

फरवरी में फूल आने से कुछ दिन पहले सिंचाई न करें अन्यथा सभी फूल झड़ सकते हैं। यदि फूलों या फलों में गिरने की समस्या अधिक हो तो 2-4,डी (10 ग्राम प्रति 100 लीटर पानी में घोलकर) का छिड़काव करें। फल लगते समय पर्याप्त मात्रा में नमी बनाए रखें। नए पौधे तैयार करने हेतु फरवरी मे अंत में कलिकायन (बडिंग) की जा सकती है।

अंगूर की देखभाल, करे मालामाल

बेहतर अंगूर उत्पादन हेतु, वार्षिक काट-छांट अत्यंत आवश्यक है। उत्तरी भारत में अंगूर की काट-छांट के लिए जनवरी सबसे उपयुक्त माह है। काट-छांट के बाद कटे भाग पर नीले थोथे का घोल लगाना न भूलें, ताकि किसी भी व्याधि के प्रकोप से बचा जा सके। काट-छांट किया अंगूर के पौध में प्रथम वर्ष गोबर/कम्पोस्ट खाद के अलावा 100 ग्राम नाइट्रोजन, 60 ग्राम फॉस्फेट व 80 ग्राम पोटाश प्रति पौधा आवश्यक होता है। 5 वर्ष या इससे ऊपर यह मात्रा बढ़कर 500 ग्राम नाइट्रोजन, 300 ग्राम फॉस्फेट व 400 ग्राम पोटाश हो जाती है। फॉस्फोरस की सम्पूर्ण मात्रा तथा नाइट्रोजन व पोटाश की आधी मात्रा काट-छांट के बाद जनवरी में दें। उर्वरक डालने के बाद हल्की सिंचाई करें।

कटी हुई शाखाओं से 30-40 सें.मी. आकार की कलमें तैयार कर लें तथा इन्हें 10-15 दिनों तक नम भूमि में दबाने के बाद पौधशाला में लगा दें। बेहतर परिणाम हेतु कलमों को 500-1000 पीपीएम इंडोल ब्यूटाइरिक अम्ल से उपचारित भी किया जा सकता है। उत्तरी भारत में अंगूर के नए बाग लगाने का भी यही उपयुक्त समय है। फरवरी में चूर्णिल आसिता रोग से बचाव के लिए केराथेन (0.1 प्रतिशत) का छिड़काव करें। बागों की निराई-गुड़ाई एवं सफाई का कार्य करें।

पपीते की निगरानी, बढ़ाए आमदनी

पपीते को पाला अत्यधिक हानि पहुंचाता है। अत: जनवरी में पाले से बचाने के लिए पर्याप्त प्रबंध करें। पौधों को पुआल से ढक दें तथा समय पर सिंचाई करते रहें।

पुआल को फरवरी के अंत में हटा दें। 25 ग्राम नाइट्रोजन, 50

ग्राम फॉस्फोरस तथा 100 ग्राम पोटाश का प्रयोग फरवरी में प्रति पौधा की दर से करें। बागों की निराई-गुड़ाई एवं सफाई का कार्य करें। पपीते के नवरोपित बागों की सिंचाई करें। बागों की निराई-गुड़ाई एवं सफाई का कार्य करें।

बेर की निगरानी, ना बरतें असावधानी

बेर में चूर्णिल आसिता रोग अत्यधिक हानि पहुंचाता है। इससे बचने के लिए फरवरी में 0.2 प्रतिशत केराथेन का छिड़काव करें। 15 दिनों के अंतराल पर दोबारा यही छिड़काव करें। फरवरी के अंत में किसान बेर के पौधे भी लगा सकते हैं। फरवरी में बेर की अगेती .किस्में पकने लगती हैं। फलों को अच्छी दशा में बनाए रखने के लिए, तुड़ाई सुबह या शाम को ही करनी चाहिए। तुड़ाई के समय फलों को उनके रंग एवं आकार के आधार पर छांटकर श्रेणीकृत किया जाना चाहिए।

छंटाई उपरांत फलों को कपड़े की चादरों, जूट के बोरो, नाइलोन की जालीदार थैलियों बांस की टोकरियों, लकड़ी अथवा गत्तों के डिब्बों में रखकर बाजार भेजा जा सकता है।

बागों की निराई-गुड़ाई एवं सफाई का कार्य करें।

सही ज्ञान से रखें शीतोष्ण फलों का ध्यान

शीतोष्ण वर्गीय फलों के बाग लगाने का सही समय जनवरी है। यदि किसी कारणवश दिसंबर में छंटनी न कर पाएं हों तो जनवरी में इन फलवृक्षों की छंटाई अवश्य करें। छंटाई, सधाई प्रणाली को ध्यान में रखकर करनी चाहिए। कटे भाग पर चौबटिया लेप (सिंदूर - कॉपर कोर्बोनेट - अलसी तेल 1:1:1.25) लगा दनो चाहिए। दो प्रतिशत डोर्मेंट (सर्वो बागान छिड़काव तेल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम छिड़काव तेल) का प्रयोग सैन जोस स्केल और चिचड़ी की रोकथाम के लिए किया जा सकता है। बागों की निराई-गुड़ाई एवं सफाई का कार्य करें।

फलदार व छोटे पौधों में गोबर की खाद तथा फॉस्फोरसयुक्त उर्वरकों का प्रयोग करना चाहिए। कीटों एवं रोगों की रोकथाम के लिए यदि दिसंबर में कोई छिड़काव न कर पाए हों तो जनवरी के प्रथम सप्ताह में यह कार्य संपूर्ण करें। बागों में जनवरी में उर्वरक देना भी न भूलें।

बनी रहे लीची की मधुरता

जनवरी में पाले से सुरक्षा के प्रबंध अवश्य करें। फरवरी में लीची में फूल आते समय सिंचाई न करें, क्योंकि इससे फूलों के गिरने की आशंका होती है। फूल आने से पहले एवं बाद में पानी की समुचित व्यवस्था करें। चूर्णिल आसिता रोग के प्रकोप से बचने के लिए लीची में संस्तुत रसायनों का प्रयोग करें। कैल्शियम अमोनियम नाइट्रेट की आधी मात्रा अर्थात 1.5 कि.ग्रा. प्रति पौधा फरवरी में प्रयोग करें। लीची के नवरोपित बागों की सिंचाई करें। बागों की निराई-गुड़ाई एवं सफाई का कार्य करें।

स्ट्रॉबेरी में बना रहे माधुर्य

जनवरी में स्ट्रॉबेरी के खेत में निराई-गुड़ाई करें। यदि पलवार न बिछाई गई तो वांछित पलवार जैसे पुआल या पॉलीथीन का प्रयोग करें।

फलों में उच्च गुणवत्ता प्राप्त करने के लिए फरवरी के शुरू में जिब्रेलिक अम्ल (75 पी.पी.एम.) का छिड़काव करें तथा समय पर सिंचाई करते रहें। पत्तियों पर यदि धब्बे दिखाई पड़ें तो डाईथेन-एम-45 (2 ग्राम प्रति लीटर पानी) या बाविस्टीन (1 ग्राम प्रति लीटर पानी) का छिड़काव करें।

पहाड़ी क्षेत्रों में किसान स्ट्रॉबेरी को केवल नए पौधे तैयार करने के लिए लगाते हैं। अत: यदि फरवरी के अंत में पौधों पर फूल आ रहे हैं तो उन्हें तुरंत हटा दें। परंतु मैदानी भागों में किसान ऐसा न करें। मैदानी भागों में फरवरी में स्ट्रॉबेरी की फसल तैयार हो जाती है। इसे तोड़कर, 250 ग्राम के पैकेट में पैक कर बाजार भेजने की व्यवस्था करें।

बनी रहे अमरूद की मिठास

जनवरी में अमरूद के बागों में फलों की तुड़ाई का कार्य जारी रखें। तुड़ाई का सबसे अच्छा समय सुबह का होता है। फलों को उनकी किस्मों के अनुसार अधिकतम आकार तथा परिपक्व हरे रंग (जब फलों के सतह का रंग गाढ़े से हल्के हरे रंग मे परिवतिर्त हो रहा हो) पर तोड़ना चाहिए। इस समय फलों से एक सुखद सुगंध भी आती है। सुनिश्चित करें कि अत्यधिक पके फलों को तोड़े गए अन्य फलों के साथ मिश्रित नहीं किया जाए। प्रत्येक फल को अखबार से पैक करने से फलों का रंग और भंडारण क्षमता बेहतर होती है। फलों को पैक करते समय उन्हें एक-दूसरे से रगड़ने पर होने वाली खरोंच से भी बचाना चाहिए। इसके लिए आवश्यक है कि बक्से के आकार के अनुसार ही उनमें रखे जाने वाले फलों की संख्या निर्धारित हो। जनवरी में पत्तियों पर कत्थई रंग आना सूक्ष्म तत्वों की कमी के कारण होता है।

अत: कॉपर सल्फेट तथा जिंक सल्फेट का 0.4 प्रतिशत की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। फरवरी में आने वाले फूलों को तोड़ दें, ताकि वर्षा ऋतु में आने वाली कम गुणवत्ता वाली फसल की अपेक्षा जाड़े वाली अच्छी फसल को न लेने के लिए फूलों की तुड़ाई के अतिरिक्त नेप्थेलीन एसिटिक अम्ल (100 पी.पी.एम) का छिड़काव करें एवं सिंचाई कम कर दें। फरवरी के दूसरे पखवाड़े में छंटाई का कार्य शुरू किया जाना चाहिए। यह मार्च के प्रथम सप्ताह तक जारी रखा जा सकता है।

पिछले मौसम में विकसित शाखाओं के 10-15 सें.मी. अग्रभाग को काट देना चाहिए। इसके अतिरिक्त, टूटी हुई, रोगग्रस्त, आपस में उलझी शाखाओं को भी निकाल देना चाहिए। छंटाई के तुरंत बाद कॉपर ऑक्सीक्लोराइड (2-3 प्रतिशत) का छिड़काव अथवा बोर्डो पेस्ट का शाखाओं के कटे भाग पर लेपन करना चाहिए। बागों की निराई-गुड़ाई एवं सफाई का कार्य करें। अमरूद के नवरोपित बागों की सिंचाई करें।

फालसा-बात काट-छांट की

उत्तरी भारत में फालसे में जनवरी में गहन काट-छांट करनी चाहिए। काट-छांट के बाद कटे भागों पर बोर्डोलेप लगाएं। पौधों को उपयुक्त मात्रा में गोबर की खाद और उर्वरक दें। शीत ऋतु में की जाने वाली मेहनत, वसंत में खिलने वाली वाली स्वस्थ कोपलों के रूप में जब खिलती है तब बागबान के मन को मिलने वाले सुख का पारावार नहीं होता है। शीत ऋतु में किए जाने वाले कृषि कार्यों में कोई कोताही नहीं बरतनी चाहिए। तो इन हिदायतों पर गौर करें और फलों की सफल खेती करें। उत्तरी भारत में, आंवला के फलों की तुड़ाई जनवरी-फरवरी तक जारी रह सकती है।

by: C M Sharma